RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 22
नई दिल्ली, रविवार, 24 नवंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लोग क्यों देते हैं दान
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

भाजपा के चाणक्य ने आधी रात पलट दी महाराष्ट्र में सत्ता की बाजी

फडणवीस बने मुख्यमंत्री राकांपा के अजीत डिप्टी

- तड़के 5 बजकर 47 मिनट पर प्रदेश से हटा राष्ट्रपति शासन, सुबह साढ़े सात बजे राज्यपाल ने दिलाई देवेंद्र और अजीत पवार को शपथ, 30 तक साबित करना है बहुमत
- अपनी सरकार बनाने जा रही शिवसेना के तोते उड़े, भतीजे की करनी से शरद पवार स्तब्ध, सकते में कांग्रेस

मुंबई में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, नये सीएम देवेंद्र फडणवी व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई/नई दिल्ली

राजनीतिक इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर करते भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने महाराष्ट्र में दोबारा फडणवीस सरकार का मिशन आधी रात के बाद शुरू कर सुबह तक उसे सफलतपूर्वक पूरा भी कर दिखाया। सत्ता की बिसात पर अपने प्यादे लगभग फिट कर चुकीं शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस ने ऐसी मात की कल्पना तक नहीं की थी लेकिन, उनके जागने से पहले शाह इसे अमली जामा पहना चुके थे। शनिवार सुबह साढ़े सात बजे राजभवन में देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री और राकांपा नेता अजीत पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ का समाचार जिसने भी सुना-हैरत के मारे उसकी आंखें फटी रह गईं। फडणवीस नीत भाजपा सरकार के गठन से पहले तड़के 5 बजकर 47 मिनट पर प्रदेश से राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया था। सब कुछ इतनी सुगमता के साथ हुआ मानो कहीं कोई अड़चन थी ही नहीं। नाटकीय एवं अप्रत्याशित घटनाक्रम के तहत सत्ता की चाभी भाजपा के हाथ चली गई लिहाजा राजनीतिक भूचाल उठना स्वाभाविक था। मुख्यमंत्री पद की खातिर तीस साल पुरानी दोस्ती तोड़ने वाली शिवसेना के हाथ से तोते उड़ गए जो आज ही राकांपा व कांग्रेस के साथ मिलकर अपनी सरकार बनाने वाली थी। उद्धव ठाकरे ने ना-नुकुर के बाद मुख्यमंत्री बनने की हामी भर दी थी परंतु सुबह होने तक हालात विपरीत दिशा में करवट ले चुके थे। भतीजे अजीत पवार की करनी से सदमे में दिखते राकांपा नेता शरद पवार ने सार्वजनिक तौर पर उनसे खुद को अलग करते हुए कहा कि भाजपा से हाथ (शेष पेज 7)

राकांपा विधायक दल नेता पद से हटाए गए अजीत

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

- शरद पवार की मौजूदगी में विधायकों की बैठक में हुआ फैसला, जयंत पाटिल चुने गए नए नेता
- अजीत पवार से मांगा गया उप मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा
- विधायकों को धोखे से राजभवन ले गए- कोई नहीं उनके साथ : शरद

रातोंरात भाजपा से हाथ मिलाकर देवेंद्र फडणवीस (मुख्यमंत्री) के साथ शनिवार की सुबह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले अजीत पवार को राकांपा विधायक मंडल दल के नेता पद से हटा दिया गया है। साथ ही उनसे उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को भी कहा गया है। यह फैसला राकांपा सुप्रीमो शरद पवार की मौजूदगी में शाम को हुई पार्टी विधायकों की बैठक में लिया गया। अजीत पवार के स्थान पर जयंत पाटिल को नेता विधायक दल चुना गया है।

राकांपा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, जयंत पाटिल को अजीत पवार के भविष्य के बारे में फैसला लेने के लिए अधिकृत भी किया गया है। कथित तौर पर अजीत पवार ने शपथ लेने से पहले राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को 54 राकांपा विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे थे। पवार के 60 वर्षीय भतीजे अजीत पिछले कई दिनों से जारी शिवसेना, राकांपा, कांग्रेस की सरकार गठन की कवायद का अहम हिस्सा रहे थे। शुक्रवार की रात तीनों दलों की पहली संयुक्त बैठक में भी वे शामिल हुए थे। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी भाव भंगिमा संदेहास्पद लग (शेष पेज 7)

तिकड़ी पहुंची सुप्रीम कोर्ट, सुनवाई आज

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई/नई दिल्ली

- फडणवीस नीत भाजपा की अल्पमत सरकार बनाने के राज्यपाल कोश्यारी के फैसले को चुनौती देते हुए धारा 32 के तहत तत्काल दायर की याचिका
- उद्धव ठाकरे ने दी चेतावनी, पार्टी विधायकों के दल-बदल की हर कोशिश कर देंगे नाकाम

आधी रात के बाद घटे अप्रत्याशित घटनाक्रम के तहत शनिवार की सुबह देवेंद्र फडणवीस के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और राकांपा के अजित पवार के उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही राजनीतिक भूचाल सा आ गया। भाजपा का पैंतरा सामने आने से पहले तक सरकार बनाने की तैयारी लगभग पूरी कर चुकीं शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस स्तब्ध रह गईं और, जब सत्ता का खेल समझ में आया तब कथित अवैध सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की शरण में जा पहुंची। सर्वोच्च अदालत में दायर याचिका में तीनों दलों ने मौजूदा स्थिति पैदा करने के लिए राज्यपाल को अपने मुख्य निशाने पर रखा है। तीनों पार्टियों (शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस) की ओर से याचिका दायर करने वाले वकील सुनील फर्नांडीस ने कहा कि इस याचिका पर उच्चतम न्यायालय रविवार को सुनवाई करेगा। शीर्ष न्यायालय में इस मामले पर सुबह साढ़े ग्यारह बजे सुनवाई शुरू होगी।शिवसेना के अधिवक्ता की तरफ से दायर की गई याचिका में देवेंद्र फडणवीस (शेष पेज 7)

नेताओं-घरों, पार्टियों के दफ्तरों की सुरक्षा बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

राजनीति में हो नाटकीय घटनाक्रम को देखते हुए राजनीतिक दलों और नेताओं के कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह कदम शहर में अप्रिय घटनाओं की संभावनाओं को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। शनिवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राकांपा प्रमुख शरद पवार के निवास सिल्वर ओक के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस तैनात है। क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं। मुंबई पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, राज्य में हाल ही में हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शहर में सुरक्षा स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए सभी उचित उपाय किए जा रहे हैं। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि राजनीतिक स्थिति को देखते हुए नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था का विश्लेषण किया जा रहा और परिस्थिति के अनुसार सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है। दादर में शिवसेना भवन, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास स्थान मातोश्री , नरीमन प्वाइंट स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय, यशवंतराव चाव्हाण प्रतिष्ठान और मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मोदी ने दी बधाई, शाह बोले नई सरकार करेगी विकास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को क्रमशः मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि उन्हें विश्वास है कि ये दोनों महाराष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए काम करेंगे।

भाजपा अध्यक्ष शाह ने ट्वीट किया कि देवेन्द्र फडणवीस को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और अजीत पवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। यकीन है कि यह सरकार महाराष्ट्र के विकास और कल्याण के प्रति निरंतर कटिबद्ध रहेगी और प्रदेश में प्रगति के नए मापदंड स्थापित करेगी। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भी फडणवीस और अजित पवार को बधाई दी। नड्डा ने ट्वीट किया कि देवेन्द्र फडणवीस और अजीत पवार को क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए बधाई। इस बात का भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यह सरकार महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी फडणवीस व अजीत पवार को बधाई दी है।

शाह के हिटमैन साबित हुए कोश्यारी: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- भाजपा ने लोकतंत्र की सुपारी ली, अजीत पवार को डराया, अवैध तरीके से बनाई सरकार
- अहमद पटेल ने जताया भरोसा-सरकार बनाने में कामयाब होंगी शिवसेना, राकांपा व कांग्रेस

अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम के तहत देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाए जाने से स्तब्ध कांग्रेस ने इसे जनादेश के साथ विश्वासघात करार दिया है। साथ ही आरोप लगाया है कि भाजपा लोकतंत्र की सुपारी ले चुकी है। उसने अवसरवादी अजीत पवार को डराया और अवैध तरीके से सरकार बनाई। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर निशाना साधती कांग्रेस ने कहा कि वह भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के हिटमैन साबित हुए हैं। साथ ही यह उम्मीद भी जताई है कि शिवसेना, राकांपा व कांग्रेस मिलकर सरकार बनाने में कामयाब होंगी।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया- मुझे मत देखो यूं उजाले में लाकर, सियासत हूं मैं, कपड़े नहीं पहनती। इसे कहते हैं: जनादेश से विश्वासघात, लोकतंत्र की सुपारी। भाजपा और राज्यपाल के किए पर सवाल दागते सुरजेवाला ने पूछा कि राष्ट्रपति शासन कब हटा ? रातो-रात कब दावा पेश किया गया? कब विधायकों की सूची सौंपी गई? कब विधायक राज्यपाल के समक्ष पेश हुए? चोरों की तरह शपथ क्यों दिलाई? तंज कसते कांग्रेसी प्रवक्ता ने कहा कि देवेंद्र (शेष पेज 7)

रिजॉर्ट राजनीति का एक और दौर शुरू

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र में रिजॉर्ट राजनीति का एक और दौर शुरू हो गया है। संभावित खरीद फरोख्त से बचाने के लिए कांग्रेस अपने 44 विधायकों को भोपाल जबकि शिवसेना 56 पार्टी विधायकों को भोपाल ले जा रही है। कांग्रेसी विधायक हवाई जहाज से मध्य प्रदेश की राजधानी के लिए रवाना होंगे जहां उन्हें सुरक्षित रखने का जिम्मा वरिष्ठ पार्टी नेता दिग्विजय सिंह को सौंपा गया है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि सदन में शक्ति परीक्षण के दौरान भाजपा को हराने के लिए इन्हें बचाए रखना कांग्रेस के लिए (शेष पेज 7)

चोर दरवाजे से वित्तीय राजधानी पर कब्जे की हो रही थी साजिश

भाजपा का पलटवार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- शिवसेना पर मढ़ा धोखा देने का आरोप, पवार व कांग्रेस से पूछा- विपक्ष में बैठने का जनमत कुर्सी के लिए मैच फिक्सिंग कैसे बना

सरकार गठन पर विपक्ष की तीखी आलोचना पर पलटवार करती भाजपा ने शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस गठबंधन को चोर दरवाजे से देश की वित्तीय राजधानी पर कब्जा करने की साजिश बताया और दावा किया कि उसके पास सरकार बनाने का चुनावी और नैतिक जनादेश है। देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व में अजित पवार के साथ नई युती (गठबंधन) और सरकार स्थाई एवं प्रमाणिक सिद्ध होगी होगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि फडणवीस के नेतृत्व में एक स्थिर सरकार बनाने के लिए अजित पवार के साथ राकांपा का एक बड़ा तबका आया।

आज सुबह भाजपा और अजित पवार ने बहुमत के दावे के साथ सरकार गठन के लिए आवेदन किया। यह जानकारी देते प्रसाद ने सवाल किया कि क्या शिवसेना और राकांपा का ऐसा कोई आवेदन राज्यपाल के पास अब तक था? सालों तक सहयोगी रही शिवसेना पर निशाना साधते हुए कि प्रसाद ने कहा कि लोकतंत्र की हत्या करने की बातें कही जा रही हैं लेकिन जब स्वार्थ से प्रेरित होकर शिवसेना ने तीस साल पुरानी मित्रता तोड़ दी और, अपनी विचारधारा की घोर विरोधी रहीं राकांपा और कांग्रेस का दामन थामा तब क्या यह लोकतंत्र की हत्या नहीं थी? तीनों दलों के बेमेल गठबंधन पर निशाना साधते प्रसाद ने कहा कि महाराष्ट्र देश का बड़ा राज्य है और मुम्बई देश की वित्तीय राजधानी। यह गठबंधन चोर दरवाजे से देश की वित्तीय राजधानी पर कब्जा करने की साजिश थी। महाराष्ट्र में प्रमाणिक, स्थाई और ईमानदार सरकार देने का दम भरते भाजपा नेता ने शिवसेना पर तंज कसा कि जो (शेष पेज 7)

मौसम

अधिकतम	27.7°C (+1)
न्यूनतम	14.7°C (+3)

बाजार

सेंसेक्स	40,359	
निफ्टी	11,914	
सोना	38,456	/10g
चांदी	44,949	/kg

क्विक न्यूज

ट्रेनों में खानपान सेवा के 47 निजी आपरेटरों को नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे खानपान निगम (आईआरसीटीसी) ने रेलगाड़ियो मे खाना मुहैया कराने वाले 47 निजी सेवा प्रदाताओ को नोटिस जारी कर उन्हे खानपान सेवा की गुणवत्ता मे सुधार करने का निर्देश दिया। आईआरसीटीसी ने के बयान के अनुसार यह कदम ट्रेन मे खानपान सेवा मे सुधार के लिए उठाया गया है। भारतीय रेल मे कुल 358 कंपनियां खानपान सेवा मुहैया कराती है और इनमे से केवल 13 प्रतिशत कंपनियो को नोटिस भेजा गया है। विभिन्न ट्रेनो मे भोजन की सुरक्षा और साफ सफाई का ऑडिट भी कराया जा रहा है।

कच्ची कॉलोनियों में संपत्ति का रजिस्ट्रेशन 16 से : पुरी

प्रक्रिया होगी ऑनलाइन, डीडीए के पोर्टल पर अपलोड किए 40 कॉलोनियों के नक्शे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पोर्टल की जानकारी देते आवास एवं शहरी विकास मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी व अन्य

राजधानी की अनियमित कॉलोनियों के लोगों को राहत देते हुए केंद्र सरकार ने शनिवार को 16 दिसंबर से संपत्ति के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी। आवास एवं शहरी विकास मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि दिल्ली की 1731 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया के तहत यहां के निवासी अपनी संपत्ति का पंजीकरण कराने के लिए 16 दिसंबर से आवेदन कर सकेंगे।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते पुरी ने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कॉलोनियों के सीमांकन, प्रत्येक संपत्ति का नक्शे बनाने से लेकर संपत्ति के पंजीकरण तक पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दो अलग वेबपोर्टल बनाए हैं। सीमांकन के लिए बनाए गए वेब पोर्टल का उद्घाटन करते हुए पुरी ने कहा कि दूसरा पोर्टल 16 दिसंबर से शुरु करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस पोर्टल पर इन कॉलोनियों के निवासी पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। 500 कॉलोनियों का सीमांकन कर इनमें से 40 कॉलोनियों के नक्शे डीडीए के पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। डीडीए के उपाध्यक्ष तरुण कपूर ने बताया कि अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल के 23 अक्टूबर के फैसले के बाद जारी अधिसूचना में ही तय कर दिया गया है कि संपत्ति के पंजीकरण के लिए आवेदन करने के 180 दिन के भीतर आवेदक को पंजीकरण प्रमाण पत्र देना होगा। आवेदन की प्रक्रिया (शेष पेज 7)

जनवरी के अंत तक पूरी होगी प्रक्रिया

पुरी ने बताया कि जनवरी के अंतिम सप्ताह तक नियमितीकरण की प्रक्रिया को पूरा कर दिया जाएगा और निर्धारित समय सीमा में संपत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि इन कॉलोनियों को नियमित करने की राह में सबसे बड़ी बाधा कालोनियों के सीमांकन की थी। पुरी ने पिछले 11 साल से यह काम लंबित होने के लिए दिल्ली की वर्तमान और पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि कालोनियों का सीमांकन कर इनके नक्शे बनाने का काम सर्वे ऑफ इंडिया की मदद से उपग्रह मैंपिंग द्वारा किया जा रहा है।

15 दिन में डीडीए को भेजें सुझाव एवं आपत्तियां

अपलोड किए गए नक्शे देखकर स्थानीय लोग और कॉलोनी की आरडब्ल्यूए 15 दिन के भीतर अपने सुझाव और आपत्तियां डीडीए को देकर शंकाओं का समाधान कर सकेंगे। पुरी ने कहा कि समूची प्रक्रिया की निगरानी मंत्रालय द्वारा की जा रही है , जिससे लोगों को संपत्ति का स्वामित्व अर्जित करने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े और भविष्य में कानूनी विवादों से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि मंत्रालय पूरी प्रक्रिया की साप्ताहिक समीक्षा रिपोर्ट भी सार्वजनिक करेगा। यमुना खादर क्षेत्र, पुरातत्व विभाग और वन विभाग की जमीन पर बसीं कॉलोनियों को नियमित करने के सवाल पर पुरी ने कहा कि फिलहाल कानूनी बाधाओं के कारण इन कॉलोनियों के बारे में कोई फैसला नहीं किया गया है।

सीवर में उतरे सफाई कर्मचारी की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- दिल्ली सरकार ने एसडीएम जांच के दिए आदेश, मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये देने का किया ऐलान

शकूरपुर बस्ती इलाके में सीवर की सफाई के दौरान एक मजदूर की दम घुटने से मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना में चार अन्य मजदूर बेहोश हो गए। मजदूरों को बाहर निकालकर पीतमपुरा के भगवान महावीर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 35 साल के अशोक की मौत हो गई जबकि साई, रोहित, गोरे लाल और बब्लू का इलाज चल रहा है।

पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है। शुरुआती छानबीन में पुलिस को पता चला है कि सफाई कर्मियों को कोई सुरक्षा उपकरण नहीं दिया गया था। इस करण सफाई के दौरान एक मजदूर को जान चली गई। दिल्ली सरकार ने लोक निर्माण विभाग से जांच रिपोर्ट तलब की है। साथ ही मरने वाले श्रमिक के परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया है। पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन ने मामले में एसडीएम जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह करीब 11 बजे शकूरपुर के जी.ब्लॉक, शिव मंदिर के निकट सीवर की सफाई करते हुए पांच मजदूरों के बेहोश होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकलकर्मियों ने एंबुलेंस की मदद से सभी को पीतमपुरा स्थित भगवान महावीर अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मौके (शेष पेज 7)

कोर्ट रिसीवर से सीधे संवाद कर सकतें है निवेशक

बनाई वेबसाइट, आम्रपाली के 16 परियोजनाओं में 10 हजार हैं खरीदार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

आम्रपाली के खरीददारों के हितों को ध्यान रखते हुए एक वेबसाइट बनाई गई है जो कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में स्थित आम्रपाली की रियल्टी परियोजनाओं से जुड़ी हुई है। इसके जरिए आम्रपाली के खरीददार आसानी से कोर्ट रिसीवर के साथ संवाद कर सकते हैं। साइट रिसीवर आम्रपाली डाट इन के जरिए खरीददार अपने सवाल कोर्ट रिसीवर तक सीधे पहुंचा सकते हैं। साथ ही आम्रपाली की प्रक्रिया का पूर्ण विवरण भी जान सकते हैं।

भविष्य में इस साइट के जरिए खरीददार आम्रपाली की परियोजनाओं के निर्माण के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे। उनको कहीं और किसी से मिलने की आवश्यकता नहीं होगी। इस वेबसाइट को लगातार अपडेट किया जाता रहेगा। गौरतलब हो कि आम्रपाली की नोएडा व ग्रेटर नोएडा में आधा दर्जन से ज्यादा परियोजनाएं हैं जिनका निर्माण हो चुका है।

● किसी भी जानकारी के लिए नहीं लगाने पड़ेगें ऑफिसों के चक्कर

इनके खरीददारों को मालिकाना हक दिलाया जाना है। इसके अलावा कई ऐसी परियोजनाएं हैं जिनका निर्माण एनबीसीसी को करना है। ऐसे में घर खरीददारों की मांग पर ही इस वेबसाइट को बनाया गया। यह वेबसाइट संचार का एक आसान तरीका है।

बता दें 23 जुलाई को, सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न गतिविधियों को चलाने के लिए कोर्ट रिसीवर नियुक्त किया था। जिसमें तैयार फ्लैटों का पंजीकरण, खरीदारों से पैसे स्वीकार करना, बिना बिके फ्लैटों को बेचना और अटकी हुई आवास परियोजनाओं को पूरा कराना सुनिश्चित करना शामिल है। अदालत ने रजिस्ट्री के निष्पादन के लिए एक महीने का समय दिया था लेकिन, बाद में इसकी समय सीमा तीन महीने बढ़ा दी क्योंकि फ्लैटों से संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन के लिए अधिक समय की आवश्यकता थी। जिन लोगों का सत्यापन का कार्य होता जा रहा है उनका डाटा बैंक भी बनाया जा रहा है।

32 हजार फ्लैटों का निर्माण कार्य अधूरा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अधिकारियों के एक अनुमान के अनुसार, लगभग 10,000 खरीदार हैं जिन्होंने आम्रपाली की 16 परियोजनाओं में निवेश किया है। इन परियोजनाओं में सफायर-1 व 2, सिलिकॉन सिटी, प्रिंसली एस्टेट, राशि चक्र, प्लेटिनम, कैसल, सेंचुरियन और ईडन पार्क शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि लगभग 32,000 फ्लैटों का अभी तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। इसके अधूरे कार्य को एनबीसीसी पूरा करेगा। दरअसल, खरीददारों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग सत्यापन के नाम पर उनसे पैसा मांग रहे हैं। इसके अलावा कई अन्य तरह की शिकायत आ रही थीं। ऐसे में वेबसाइट बन जाने के बाद खरीददारों को किसी भी कार्यालय या खरीदारों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि अब वे वेबसाइट के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बाबा रामदेव पर कार्रवाई की मांग, फूंका पुतला

गाजियाबाद। संत रविदास महासभा ने न्यूज चैनल पर डॉ.भीमराव अम्बेडकर को वैचारिक आतंकवादी कहने पर बाबा रामदेव का पुतला फूंका। इस दौरान डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर बाबा रामदेव के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग भी की।

महासभा ने नवयुग मार्केट स्थित अम्बेडकर पार्क में विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि बाबा रामदेव ने अपने साक्षात्कार के दौरान बहुजन महापुरूषों डॉ. अम्बेडकर व ई. रामास्वामी पेरियार के करोड़ों अनुयायिओं को वैचारिक आतंकवादी कहकर संबोधित किया है। खतरनाक नेता कहकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया है। आरोप लगाया कि सस्ती लोकप्रियता के लिए रामदेव ने इस तरह की बयानबाजी की है। महासभा ने रामदेव के खिलाफ देशद्रोह, अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की।

गोल्फ कोर्स स्टेशन पर मेट्रो के आगे कूदकर युवक ने दी जान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर के गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर एक युवक द्वारा ट्रेन के आगे कूदकर जान देने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर चलती मेट्रो के आगे कूदकर रूपक्ष पॉल (23) ने आत्महत्या कर ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम के अधिकारियों के मुताबिक, युवक द्वारा आत्महत्या करने के कारण कुछ देर तक मेट्रो भी बाधित रही। इस दौरान यात्रियों को परेशानी का भी सामना करना पड़ा।

● घटना के बाद कुछ देर तक बाधित रही सेवा

वहीं, इस घटना की जानकारी के बाद घटनास्थल पर पहुंच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसी साल मार्च महीने में सेक्टर 16 मेट्रो स्टेशन पर शुक्रवार सुबह जस्ट डॉयल कंपनी की सेल्स मैनेजर शीतल श्रीवास्तव ने मेट्रो रेल के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली थी। वह पति के साथ सेक्टर 22 में रहती थीं। इस घटना के बाद मेट्रो रेल सेवा करीब 15 मिनट तक बाधित रही थी। महिला के परिजनों ने किसी भी तरह की कार्रवाई करने से इन्कार कर दिया था।

शव ले जाते मेट्रोकर्मी

पुलिस झंडा दिवस पर एसएसपी ने दी सलामी

गाजियाबाद। शनिवार को पुलिस लाइन में झंडा दिवस कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर एसएसपी के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने पुलिस झंडे को सलामी देकर नमन किया और पुलिस झंडा प्रतीक चिन्ह लगाकर गौरव बढ़ाया।

इस अवसर पर कप्तान ने डीजीपी का पत्र पढ़ते हुए झंडा दिवस के गौरवमयी इतिहास के बारे में जानकारी दी। एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि 23 नवंबर 1952 का दिन यूपी पुलिस व पीएसी के लिए स्वर्णीम व गौरवमयी दिन था। उन्होंने बताया कि इसी दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने सबसे पहले यूपी पुलिस को कलर (पुलिस झंडा) प्रदान किया था। सिंह ने बताया कि उसी दिन पीएसी को भी कलर (पुलिस झंडा) प्रदान किया गया था। उन्होंने कहा कि पुलिस झंडा महकमे के लिए गौरव का प्रतीक है।

सीजीएचएस अस्पताल खोलने की मांग

हापुड। मेरठ-हापुड़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेन्द्र अग्रवाल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से उनके निवास पर मुलाकात कर हापुड़ में एक सीजीएचएस चिकित्सालय खोले जाने की मांग की।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला हापुड़ जनपद दिल्ली से लगभग 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहां केंद्र सरकार के कई विभागों के लगभग 5000 कर्मी तथा सेवानिवृत्त लोग निवास करते हैं। हापुड़ में कोई भी सीजीएचएस चिकित्सालय न होने के कारण इन परिवारों को प्राइवेट अस्पतालों में महंगा इलाज कराने जाना पड़ता है या फिर उन्हें 30-35 किलो मीटर दूर स्थित गाजियाबाद या मेरठ के सीजीएस चिकित्सालयों में जाते हैं।

मेट्रो की पार्किंग में बनेंगे थीम आधारित बाजार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एक्वा लाइन स्टेशनों के बाहर बनी पार्किंग में थीम आधारित बाजार खोले जाएंगे। स्टेशन की थीम पर ही इन बाजारों को बनाया जाएगा। यह बाजार स्टेशनों के बाहर बने पार्किंग में बनाए जाएंगे। इसे मेट्रो मार्केट का नाम दिया जाएगा।

● एक्वा लाइन के रूट पर है 16 मेट्रो स्टेशन

इसके अलावा स्टेशनों पर क्यूआर कोड और डिजीटल मार्केटिंग की जा सकेगी। इसके लिए एनएमआरसी प्रयास कर रही है। वहीं, सुविधाओं के साथ मेट्रो के राजस्व में बढ़ोतरी हो रही है। इसकी वजह मुसाफिरों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होना है। एक्वा लाइन के 29 किलोमीटर रूट पर कुल 16 स्टेशन ऐसे हैं जिनमें पार्किंग की सुविधा दी गई है। इन पार्किंग क्षेत्र के पास ही एनएमआरसी मेट्रो बाजार बनाने पर विचार कर रही है। यह बाजार थीम आधारित होंगे।

मसलन यदि परीचौक व सेक्टर-76 पिंक स्टेशन होंगे तो इनके पार्किंग में बनाए जाने वाला बाजार पिंक थीम पर ही होगा। ऐसा प्रयास पहली बार किया जाएगा। इससे एनएमआरसी के राजस्व में बढ़ोतरी होगी साथ ही डिजीटली व क्यूआर कोड से इन बाजारों व मेट्रो के अंदर शॉपिंग की जा सकेगी। एनएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि हमारी प्राथमिकता मुसाफिरों को एक्वा की तरफ आकर्षित करना है। ताकि वह इस लाइन का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। ऐसे में राजस्व में बढ़ोतरी होगी साथ ही सुविधाएं भी दी जाएगी।

प्रतिदिन 3.6 लाख मिलेगा राजस्व

एनएमआरसी ने एक आंकड़ा जारी किया जिसके तहत विगत 26 जनवरी को एनएमआरसी की एक्वा लाइन में 11 हजार 852 लोगों ने सफर किया। 15 नवंबर 2019 को इसमें इजाफा हुआ और मुसाफिरों की संख्या 21 हजार 862 रिकॉर्ड की गई। इस बीच सर्वाधिक मुसाफिरों की संख्या 19 सितंबर 2019 को 39 हजार 451 मुसाफिरों की रही। औसतन एनएमआरसी को प्रतिदिन करीब 3.6 लाख रुपए का राजस्व मिलता है।

हिस्ट्रीशीटर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कविनगर थाना क्षेत्र की पॉश कॉलोनी राजनगर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब मोटरसाइकिल पर जा रहे एक युवक की कुछ युवकों ने दिनदहाड़े सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक को अस्पताल लेकर पहुंची जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया । मरने वाला युवक आपराधिक प्रवृति का था और दो माह पहले ही जेल से छूटकर आया था। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला रंजिश का लग रहा है।

संजय नगर सेक्टर 23 ए ब्लॉक निवासी राजा राम का 23 वर्षीय पुत्र विनोद कुमार उर्फ़ भज्जी शनिवार दोपहर अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था। जब वह सेक्टर सात रेलवे लाइन के किनारे एक मीट की दुकान के सामने पहुंचा तभी पीछे से एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने उसे ओवरटेक करके रोक लिया और ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर फरार हो गए। गोलियों की आवाज सुनकर पूरा इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर आसपास के लोग एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। कविनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को लेकर सेक्टर 23 स्थित संयुक्त अस्पताल पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

● दो महीने पहले ही आया था जेल से छूटकर

घायल हिस्ट्रीशीटर विनोद उर्फ भज्जी को पुलिस की गाड़ी में अस्पताल ले जाते लोग।

कविनगर थाना प्रभारी अनिल शाही ने बताया विनोद आपराधिक प्रवृति का था और एनडीपीएस एक्ट में जेल गया था और दो माह पूर्व ही जेल से छूटकर आया था । प्रारंभिक जांच में मामला रंजिश का प्रतीत हो रहा है फिर भी पुलिस अन्य बिंदु पर भी जांच कर रही है। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

संक्षिप्त समाचार

बिल्डर के खिलाफ जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते आदित्य सिटी के निवासी

बिल्डर की मनमानी के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद। सिटी अपार्टमेंट आदित्य वर्ल्ड सिटी के निवासियों ने बिल्डर की मनमानी, मेंटीनेंस शुल्क में चल रहे गतिरोध को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा। सोसायटी वासियों का कहना है कि अग्रवाल एसोसिएट्स लिमिटेड के बीच रखरखाव शुल्क को लेकर गतिरोध पर वार्ता चल रही है लेकिन, बिना कोई निर्णय पर पहुंचे बिल्डर ने सोसायटी वालों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। बिल्डर द्वारा पीक आवर में बिजली और लिफ्ट बंद करना, पावर रिचार्ज न करना, हर टावर की एक-एक लिफ्ट को अंडर मेंटनेंस घोषित कर बंद करना, इंटरकॉम सर्विस बंद करना, शिकायत करने पर धमकी देना, कर्मचारियों की भीड़ भेजकर आवंटियों को धमकाया जा रहा है। आंवटियों ने बिल्डर की मनमानी के खिलाफ सोसायटी में एक दिन का प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे को वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बनाए एयर प्यूरीफायर प्रोजेक्ट को सौंपते एमेटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्र।

छात्रों ने बनाया एयर प्यूरीफायर

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित एमेटी इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 9 के छात्रों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ऐसा एयर प्यूरीफायर तैयार किया है जिससे ना केवल हवा को साफ किया जा सकता है बल्कि इसके वेस्ट से स्याही भी बनाई जा सकेगी। शनिवार को अध्यवैध एवं विख्यात नाम के दो छात्र अपने शिक्षक अंशु खन्ना के साथ जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे से कैम्प कार्यालय में मिले और अपने बनाए एयर प्यूरीफायर का प्रदर्शन कर उन्हें दिखाया। जिलाधिकारी ने इस प्रोजेक्ट को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गाजियाबाद को सौंप दिया और इस पर समाज हित में काम करने के निर्देश दिए।

नहर में मिला शव, शिनाख्त नहीं

नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र के शाहपुर गांव के पास शनिवार सुबह नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गांव शाहपुर के पास नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के लोगों की सहायता से शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि व्यक्ति की हत्या कर शव को यहां पर फेंका गया है।

जंगल में नाबालिक का शव मिलने से सनसनी

गाजियाबाद। विजय नगर थाना क्षेत्र की जल निगम चौकी सजवान नगर इलाके में एक नाबालिक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जंगल में पड़े अज्ञात शव को देख स्थानीय लोगों ने पुलिस सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जल निगम चौकी इंचार्ज रामगोपाल ने बताया कि मृतक कि उम्र लगभग 14 से 15 वर्ष के करीब लग रही है। उसके शरीर पर कोई चोट या फिर मारपीट का निशान नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

विश्व एंटीबॉयोटिक जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत यशोदा सुपर स्पेशयलिटी हॉस्पिटल कौशांबी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते डॉक्टर।

हर वर्ष 7 लाख लोगों की जान लेता है डेल्ही सुपरबग : सिन्हा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी में विश्व एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह मनाया गया। वैश्विक एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बारे में जागरूकता बढ़ाने एवं आगे होने वाले आपातकाल एवं एंटीबायोटिक प्रतिरोध के प्रसार से बचने के लिए सामान्य जनता एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को जागरूक करने के लिए शनिवार को अस्पताल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य बिंदु 'एंटीबायोटिक लेने से पहले योग्य पेशेवर से सलाह लें' था। एलर्जी एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ.अंकित सिन्हा ने बताया कि इस तरह के बैक्टीरिया को सुपरबग या दिल्ली बग भी कहते हैं। भारत में पाए जाने वाला यह बैक्टीरिया किसी भी एंटीबायोटिक से खत्म नहीं होता। डॉ. सिन्हा ने बताया कि हर वर्ष डेल्ही सुपरबग 7 लाख लोगों की जान ले लेता है।

● विश्व एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह मनाया

30 लाख कीमत की अवैध शराब बरामद

गाजियाबाद। आबकारी विभाग व इंदिरापुरम पुलिस ने शनिवार को एनएच -9 गौर ग्रीन चौराहे के पास से संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक ट्रक में बने तहखाने से 30 लाख रुपए की तस्करी की शराब पकड़ी। यह शराब हरियाणा से यूपी में लाई जा रही थी। शराब को अशोक लीलैंड ट्रक के अंदर बनाए गुप्त तहखाने में छुपाकर लाया जा रहा था।

जिला आबकारी अधिकारी मुबारक अली ने बताया कि ट्रक में तस्करों ने एक तहखाना बना रखा था जिसमें शराब रखी थी और ऊपर से पुआल रख रखे थे। मौके से कुल 76 पेटी शराब बरामद हुई है जिनकी कीमत 30 लाख के आसपास है।

सावधान! सस्ते फोन खरीदकर कहीं फंस न जाएं

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

यदि आप अपना सेकंड हैंड मोबाइल सेट या प्री-एक्टीवेटेड सिम कार्ड किसी दुकानदार को बिना किसी विधिक कार्रवाई के बेच रहे हैं या खरीद रहे हैं तो आप पुलिस की किसी भी कार्रवाई में फंस सकते हैं । इसी सिलसिले में गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार को शहर की लगभग एक हजार मोबाइल दुकानों पर आकस्मिक छापामारी की।

पुलिस ने नौ सौ हैंडसेट समेत कई सिम कार्ड ऐसे बरामद किए जिनका कोई रिकॉर्ड दुकानदारों के पास नहीं था। ऐसे चार दुकानदारों को पुलिस हिरासत में लेकर उनसे गहन पूछताछ कर रही है।

● एक्टीवेटड सिम व नौ सौ मोबाइल फोन बरामद

एसएसपी ने बताया कि पिछले काफी समय से पुलिस को यह जानकारी मिल रही थी कि कुछ आतंकवादी संगठन व अपराधिक गिरोह इस प्रकार के सेकंड हैंड मोबाइल हैंडसेट खरीदकर उनका दुरुपयोग कर रहे हैं और अपराधिक घटनाओं में इनका इस्तेमाल भी हो रहा है।इसी को ध्यान में रखते हुए शनिवार को शहर में पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया और नौ सौ ऐसे संदिग्ध मोबाइल हैंडसेट एवं सिमकार्ड बरामद किए हैं जिनका कोई भी रिकॉर्ड इन दुकानदारों के पास उपलब्ध नहीं था। उन्होंने बताया कि अपराधिक लोग ज्यादातर ऐसे ही दुकानदारों से इस प्रकार के बेनामी मोबाइल हैंडसेट, प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदकर इस्तेमाल करते हैं।

मोबाइल शॉप पर छापा मारती पुलिस।

पंखे से फंदा लगाकर महिला ने की खुदकुशी

नोएडा। थाना सेक्टर 20 के निठारी गांव में एक महिला ने अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि निठारी गांव में रहने वाले नेतराम बर्मन ने शुक्रवार रात पुलिस को सूचना दी कि उनकी पत्नी मुक्ति बर्मन (22 वर्ष) ने अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा खुदकुशी के कारणों का पता लगा रही है।

कार्यक्रम में मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी।

पेश की नई मिसाल : दहेज में लिया नीम का पौधा

यमुना विकास प्राधिकरण में तैनात हैं बैंक मैनेजर दूल्हे के पिता

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पीसीएस अधिकारी ने अपने बैंक मैनेजर बेटे की शादी में नई मिसाल पेश की है। उन्होंने बेटे की शादी में सिर्फ एक नीम का पौधा लिया है और इसका नाम परिणय पौधा रखा है। अधिकारी के पूरे परिवार ने संकल्प लिया है कि वह अपने परिवार के हर शुभ अवसर पर एक पौधा रोपेंगे और उस पौधे का नामकरण शुभ अवसर के नाम पर ही किया जाएगा।

यमुना विकास प्राधिकरण में एसीईओ के पद पर तैनात पीसीएस अधिकारी एसके दुबे के बेटे योगेश सहारनपुर में भारतीय स्टेट बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। योगेश की शादी अंबेडकर नगर के कुलदीप उपाध्याय की बेटी खुशबू से दो दिन पूर्व हुई है।

इस शादी में दहेज के रूप में सिर्फ एक नीम का पौधा ही लड़की पक्ष से लिया गया है। इसे एसीईओ ने प्रतापगढ़ के गांव सराय मधई स्थित अपने पैतृक मकान में रोपकर इस पौधे को नाम दिया है योगेश-खुशबू परिणय पौधा। नई दुल्हन ने ससुराल में गृह प्रवेश से पहले इस पौधे को रोपा है।

एसके दुबे ने कहा कि वर्तमान में सबसे अधिक आवश्यकता पौधरोपण की है, जिसकी पूर्ति हम किसी अन्य चीज से नहीं कर सकते। उन्होंने और उनके परिवार ने संकल्प लिया है कि वह अपने परिवार के हर शुभ अवसर पर पौधा लगायेंगे और पौधे का नामकरण शुभ अवसर के नाम पर ही किया जाएगा।

उन्होंने रिश्ता पक्का करते समय ही कह दिया था कि दहेज में सिर्फ एक पौधा लेंगे। यमुना विकास प्राधिकरण के एसीईओ सतीश दुबे और उनकी पत्नी कुसुम ने कहा कि शादी में आए करीब 50 मेहमानों को पौधे भेंटकर उनसे वचन लिया कि वह पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हरियाली बढ़ाएंगे और इन पौधो को रोपने के बाद उनकी देखभाल करेंगे और अन्य लोगों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित करेंगे। इससे समाज में सुधार आएगा।

कॉलेज परिसर में बने मंदिर में हनुमान मूर्ति लेकर पहुंची मेनका

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भाजपा सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने महाराष्ट्र के ताज़ा राजनीतिक घटनाक्रम कर चुप्पी साधे रखी। मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने नो कमेंट कहकर टाल दिया।

मेनका गांधी शनिवार को डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज पहुंचीं और यहां नवनिर्मित हनुमान मंदिर में आयोजित सुंदरकांड पाठ में भाग लिया। मंदिर में दर्शन करने के बाद उन्होंने हनुमान जी की लगभग 4 फुट ऊंची मूर्ति मंदिर में स्थापित करने के लिए कॉलेज प्रशासन को भेंट की। इसके बाद महाराष्ट्र में रातों-रात बनी भाजपा और एनसीपी की सरकार के बारे में पत्रकारों द्वारा सवाल पूछने पर उन्होंने चुप्पी साधते हुए कहा कि मैं राजनीतिक मुद्दों पर बात नहीं करती। उन्होंने अपने एनजीओ पीएफए को लेकर कहा कि लगातार हमारा प्रयास है कि जितना हो सके पक्षियों और जानवरों की मदद के लिए देश में ज्यादा से ज्यादा शेल्टर हाउस खोले जाएं। इस दौरान भाजपा के राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, मेयर आशा शर्मा, दर्जा प्राप्त मंत्री बलदेव राज शर्मा व कॉलेजचेयरमैन महेंद्र अग्रवाल व परमार्थ समिति के संयोजक वीके अग्रवाल उपस्थित रहे।

● महाराष्ट्र की राजनीति पर बोलीं : नो कमेंट

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

बड़े-बूढ़े शेयर कर रहे चाइल्ड पोर्न सामग्री

दिल्ली पुलिस ने एक माह में सोशल मीडिया पर सक्रिय 6 आरोपियों को भेजा जेल

● बुजुर्ग ने बनाया था किशोर का फर्जी अकाउंट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इंटरनेट पर चाइल्ड पोर्न देखना, उसको फैलाना और अपने फोन में रखने पर तुरंत जेल होगी। पुलिस ने एक महीने के भीतर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें युवा से लेकर बुजुर्ग तक शामिल है। ये सभी चाइल्ड पोर्न को सोशल मीडिया के जरिए शेयर कर रहे थे।

सभी आरोपी दिल्ली के रहने वाले हैं इनमें एक इंजीनियर भी शामिल हैं। आरोपियों की पहचान संजू राठौड़, अमित मंडल, नरेंद्र कुमार, रेवती नंदन, लोक राज यर्जुवेदी और सुदामा राम के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त अन्येष रॉय के अनुसार यूएस फोरम नेशनल फोरम फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लाइटेड चिल्ड्रन (निकमिक) और नेशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के तहत समझौता हुआ है। जिसमें निकमिक चाइल्ड पोर्न देखने या उसको शेयर करने वालों की जानकारी एनसीआरबी को सौंपेगा।

रॉय ने बताया कि पुलिस चाइल्ड पोर्न शेयर करने वालों के खिलाफ ऑपरेशन मासूम चला रही है, जिसके तहत बच्चों के यौन शोषण वाले ऑनलाइन कंटेंटको खत्म किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्न शेयर करने वाले पुलिस के रडार पर हैं। ऐसा कोई भी शख्स नहीं है जो चाइल्ड पोर्न शेयर करके बच सके।

पुलिस के पास एनसीआरबी से 6 लोगों की लिस्ट आई थी। जिनको एसीपी आदित्य गौतम की देखरेख में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक निकमिक सोशल मीडिया कंटेंट पर नजर रखता है और बाल यौन अपराध की जानकारी संबंधित देशों को देता है। कुछ समय पहले से ही उसने एनसीआरबी को डेटा देना शुरू किया है, जिसमें ऐसे लोगों का आईपी एड्रेस होता है, जो सोशल मीडिया पर बच्चों से जुड़ी गलत चीजें फैला रहे हैं।

वह फेसबुकए ट्विटर से लेकर वॉट्सएप हो सकता है। एनसीआरबी के पास आए डेटा से में दिल्ली के आईपी एड्रेस साइबर यूनिट को दिए गए थे और उन आईपी एड्रेस की मदद से पुलिस ने छह आरोपियों की जानकारी जुटाई। आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट 67बी के तहत मामला दर्ज किया गया और उनको पकड़ लिया गया।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने चाइल्ड पोर्न देखा था और फिर उसको वॉट्सएप, फेसबुक की मदद से अपने दोस्तों के बीच शेयर कर दिया था। आरोपी नरेंद्र इंजीनियरिंग में तीसरे साल का छात्र है जबकि संजू आजादपुर सब्जी मंडी में मजदूरी करता है।

अमित ऑटोमोबाइल कंपनी में चपरासी है, वहीं आरोपी सुदामा साउथ दिल्ली में डिजाइनर कपड़ों के शोरूम में कैशियर का काम करता है। रेवती नंदन लेडीज टेलर है तो वहीं आरोपी लोक राज रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ काम करता था और अभी अपनी दुकान चलाता है।

आरोपी लोक राज 61 साल का है लेकिन अपने गलत इरादों को पूरा करने के लिए उसने 19 साल की उम्र वाले लड़के के नाम से सोशल मीडिया अकाउंट बनाया था और अपने अंदर की गंदगी फर्जी अकाउंट पर निकालता था। फिलहाल पुलिस उस सोर्स की तलाश कर रही हैए जहां से यह कंटेंट बनाया जाता है।

दिल्ली जल बोर्ड ने शुरू किया पानी के नमूने जुटाने का अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली जलबोर्ड ने राष्ट्रीय राजधानी के पानी को पीने योग्य नहीं बताने वाली बीआईएस रिपोर्ट के जवाब में जांच के लिए शनिवार को शहर से पानी के नमूनेजमा करने की मुहिम शुरू की। दिल्ली जलबोर्ड के उपाध्यक्ष दिनेशमोहनिया ने शुक्रवार को कहा, कुल 3,000 नमूने एकत्र किएजाएंगे यानी हर वार्ड से पांच नमूने, जिन्हें स्थापित नियमों एवंमानक संचालन प्रक्रिया के तहत जांचा जाएगा। उन्होंने कहा, यह मुहिम फर्जी सर्वेक्षण के माध्यम से फैलाए गए झूठे दुष्प्रचार का जवाब होगी। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने रिपोर्ट जारी की थी जिसमें कहा गया था कि शहर में 11 जगहों से लिए गए पानी के नमूने 19 मानकों पर किए गए गुणवत्ता परीक्षण में खरे नहीं उतरे। इस रिपोर्ट के जारी होने के बाद से केंद्र एवं दिल्ली सरकार के बीच आरोप प्रत्यारोप शुरू हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

स्वर्गीय मांगेराम की याद में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन व अन्य

श्रेष्ठ संगठक थे मांगेराम गर्ग : डॉ. हर्षवर्धन

नई दिल्ली। मांगेराम गर्ग चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा उनके जयंती पर मेगा हेल्थ चेक अप कैंप रक्तदान व भंडारों का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों का इलाज व स्वास्थ्य की जांच की गई। इस शिविर में आए लगभग 100 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने कहा कि मांगेराम एक श्रेष्ठ संगठक थे उनका जीवन एकाग्रता और निष्ठा से परिपूर्ण समाज और राष्ट्र के कल्याण उन्नति और विकास के लिए समर्पित रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रेम गोयल ने कहा कि मांगेराम श्रेष्ठतम सेवा व्रर्ती थे भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने कहा कि बाबूजी ने एक स्लोगन दिया कि भारत की आत्मा तीर्थों में वास करती है। तीर्थों का विकास भारत का विकास। उन्होंने अपना देह दान किया। नर सेवा नारायण सेवा को चरितार्थ किया। कार्यक्रम के बाद सतीश गर्ग ने सभी अतिथियों रक्त देने वालों व डॉक्टरों का आभार प्रकट किया।

दिल्ली को-ऑपरेटिव अरबन टी एंड सी सोसाइटी लि. को मिला पुरस्कार

नई दिल्ली। दिल्ली को-ऑपरेटिव अरबन टी एंड सी सोसाइटी लिमिटेड को दिल्ली सरकार ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए सर्वश्रेष्ठ सोसाइटी के पुरस्कार से नवाजा। सहकारिता विभाग में रजिस्ट्रार वीरेंद्र कुमार व दिल्ली को-ऑपरेटिव हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन के चेयरमैन राजेश गोयल द्वारा हिन्दी भवन में सोसाइटी के सचिव दिवान चंद गोयल एवं सीईओ परशुराम गुप्ता को प्रशस्ती पत्र, स्मृति चिह्न आदि देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम को भी आना था लेकिन व्यवस्तता के चलते वह नहीं आ सके। उनकी जगह कुमार व गोयल ने पुरस्कार दिया। इस मौके पर गुप्ता ने सभी को समिति की कार्यकारणी एवं कर्मचारियों की ओर से बहुत बधाई दी। साथ ही कहा कि दिल्ली को-ऑपरेटिव अरबन टी एंड सी सोसाइटी लि. यह पुरस्कार गत पांच वर्षों से लगातार जीत रही है। यह पुरस्कार उसके अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए दिया गया है।

राष्ट्रमंडल युवा संसद 25 से शुरू

तीन दिवसीय 10वें संसद में भाग ले रहे 24 देशों के 47 प्रतिभागी

कार्यक्रम की जानकारी देते विस अध्यक्ष रामनिवास गोयल व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोक सभा व दिल्ली विधान सभा दसवां राष्ट्रमंडल युवा संसद 25 से 27 नवंबर तक आयोजित करेगी। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने बताया कि यह पहली बार है कि कोई भारतीय विधायिका राष्ट्रमण्डल संसद कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसमें 24 देशों के 47 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

कॉमनवेल्थ लैंड संसद जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण, संघारणीय विकास लक्ष्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का प्रस्ताव करती है। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों के पास यह भी अवसर होगा कि वे अपनी रुचि के प्रश्न और विशेष उल्लेख के मामले उठा सकें। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 25 नवम्बर को दोपहर 12:30 बजे होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला होंगे।

राष्ट्रमंडल संसद की कार्यकारी समिति की सभापति एमीलिया लिफाका (कैमरून नेशनल पार्लियमेंट की उपाध्यक्ष) है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सम्माननीय अतिथि होंगे। गोयल के अनुसार यह आयोजन युवाओं को विधायी प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने, विधायी प्रक्रिया और निर्णय लेने में उनकी भागीदारी बढ़ाने के मकसर से किया जा रहा है। यह विभिन्न राष्ट्र मंडल देशों के 18 से 29 वर्ष के प्रतिभागियों के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम है।

राष्ट्र मंडल युवा संसद युवाओं को एक प्रजातांत्रिक संस्थान और सुशासन के रूप में विधायिका की भूमिका और उद्देश्य से अवगत कराने का अवसर है। यह युवाओं को संसदीय प्रजातंत्र के विविध पहलुओं का अनुभव करने और विधायी प्रक्रिया की बारीकियों को सराहने का मंच प्रदान करता है।

विस सत्र दो दिसंबर से

दिल्ली विधानसभा का आगामी सत्र 2 और 3 दिसंबर को होने वाला है। इसकी जानकारी विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने दी। विधानसभा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सत्र को लेकर रामनिवास गोयल ने कहा कि इस सत्र का विस्तार भी संभव है। इससे पहले भी सत्र में कई बार विस्तार हो चुका है। 2 दिन के लिए शुरू हुआ सत्र कई बार 4 दिनों तक चला है।

दिल्ली में मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं : पुरी

नई दिल्ली। आवास एवं शहरी मामलों के राज्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पिछले ढाई साल से इन कालोनियों के सीमांकन के अलावा मेट्रो, आवास और परिवहन सहित सभी बड़ी परियोजनाओं में सिर्फ बाधक बन रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि दिल्ली में चुनाव से पहले आवास, परिवहन, सड़क निर्माण और स्वच्छता से जुड़े तमाम बड़ी परियोजनाएं पुरी द्वारा शुरु किए जाने के मद्देनजर क्या उन्हें भाजपा के मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जाए, पुरी ने कहा, महत्वपूर्ण फैसले करना और इन्हें लागू कराना मंत्रालय का काम है, इसका दिल्ली के चुनाव से कोई ताल्लुक नहीं है।

उन्होंने कहा, जहां तक दिल्ली में भाजपा के मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनने का सवाल है, तो ऐसा मेरा कोई इरादा नहीं है। यह पूछे जाने पर कि पार्टी अगर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपती है तो क्या वह इसे स्वीकारेंगे, पुरी ने कहा, दिल्ली में पार्टी के पास उन नेताओं का व्यवस्थित और बेहतर नेतृत्व है जो दिल्ली की राजनीति में ही बड़े हुए।

बेरोजगारी में दिल्ली नंबर वन : आजाद

● केजरीवाल ने किया था 8 लाख नए रोजगार का वादा, दिए सिर्फ 324

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अभियान समिति के चेयरमैन कीर्ति आजाद ने केंद्र व दिल्ली सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने दोनों सरकारों की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सितंबर महीने में सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली बेरोजगारी के मामले में देश में नंबर वन हो गया। विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाएगी।

कीर्ति आजाद ने सीएमआईई के आंकड़े का हवाला देते हुए बताया कि सितंबर में देश में बेरोजगारी दर जहाँ 7.2 प्रतिशत थी वहीं दिल्ली में यह आकड़ा 20.4 प्रांतशत थ जा राष्ट्रीय औसत से भी लगभग तीन गुणा अधिक है। आप ने अपने घोषणापत्र के 45वें बिंदु पर पांच सालों में 8 लाख नए रोजगार देने का वादा किया था। हकीकत यह है कि आप सरकार ने विधानसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि दिल्ली सरकार ने तीन वर्षों के शासन में केवल 324 युवाओं को रोजगार दिया।

दिल्ली सरकार के अलग अलग विभागों में 45 हजार से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। केजरीवाल सरकार इन खाली पदों को भरने का प्रयास भी करती तो वर्षों से तैयारी कर रहे युवाओं को राहत मिलती। इसके अलावा आप ने पहली बार दिल्ली स्किल मिशन बनाए इसके तहत 17 लाख युवाओं को प्रशिक्षण देने की बात की थी। अब पाँच साल खत्म होने जा रहे न स्किल मिशन बना न ही ट्रेनिंग मिली।

सातों लोस क्षेत्रों में पकड़ मजबूत करेगी भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा ने विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी दिल्ली प्रदेश बूथ प्रबंधन विभाग रविवार को सातों लोकसभा क्षेत्रों में शहरी केन्द्र प्रमुख सम्मेलन बड़ स्तर पर आयोजन करेगी।

पार्टी नेता ने कहा कि शहरी केन्द्र प्रमुखों के सम्मेलन से जहां पार्टी की ताकत बढ़ेगी वहीं विधानसभा चुनाव में केजरीवाल सरकार को सत्ता से बेदखल करने में इनकी अहम भूमिका होगी। कार्यक्रम संयोजक धर्मवीर सिंह ने बताया कि 24 नवंबर को चांदनी चौक लोकसभा में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय, केन्द्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन एवं प्रदेश महामंत्री रविन्द्र गुप्ता आदि क्षेत्रों में मौजूद रहेंगे।

नौकरी से निकाला-बदला लेने के लिए बन गया चोर

● गांधीनगर के जिस शोरूम में नौकरी करता था-उसी में लगाई सेंध, धरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शोरूम से कर्मचारी को चोरी के आरोप में नौकरी से निकाल दिया। कर्मचारी गुहार लगाता रहा कि उसने चोरी नहीं की है। बावजूद इसके उसे कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इससे नाराज कर्मचारी ने बदला लेने के लिए चोरी को अंजाम दिया। वारदात भी इस तरह की कि पुलिस भी हैरान रह गई। शाहदरा के गांधी नगर स्थित शोरूम में पुलिस को चोरी की सूचना मिली थी। शोरूम मालिक करण ने बताया कि 11 लाख रुपये गायब हैं। पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरे की फुटेज निकाली तो उसमें एक शख्स शॉल ओढ़े हुए दिखा और कुछ देर बाद कैमरा बंद हो गया। इसके बाद शोरूम में क्या हुआ। इसका अंदाजा भी नहीं लगा।

पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी कैमरा बंद होने के कुछ मिनट बाद दोबारा ऑन हुआ लेकिन इस बार कुछ दिखा नहीं। पुलिस उपायुक्त अमित शर्मा ने बताया कि पुलिस को चोर के शोरूम में दाखिल होने की जानकारी नहीं मिल पा रही थी, क्योंकि दुकान का ताला भी नहीं टूटा था। कोई खिड़की ऐसी नहीं थी, जिससे अंदर घुसा जा सके। हालांकि इतनी सटीक चोरी के कारण ही पुलिस को किसी अंदर वाले की भूमिका पर संदेह हुआ तो काम करने और नौकरी छोड़ने वाले सभी कर्मचारियों की लिस्ट खंगाली। उसमें पता चला कि कर्मचारी पुरण गिरी को नौकरी से निकाला गया था। पुरण से पूछताछ की तो आरोपी ने पूरी कहानी बता दी।

आरोपी को एसएचओ अनिल मलिक की देखरेख में एसआई मनीष, की टीम ने पकड़ा। अंदर आने के लिए खिड़की के नट बोल्ट खोले आरोपी ने बताया कि उसको मालिक ने चोरी का आरोप लगाकर नौकरी से निकाल दिया था जबकि उसने चोरी नहीं की थी। इसके बाद उसने बदला लेने के लिए चोरी की।

जेएनयू छात्रावास शुल्क बढ़ाने का विरोध जारी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्रावास शुल्क बढ़ाए जाने का विरोध कर रहे छात्रों के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग शनिवार को दिल्ली की सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों में शिक्षक, छात्र, जेएनयू के पूर्व छात्र और नागरिक समाज के सदस्य शामिल रहे। उन्होंने मंडी हाउस से मार्च शुरू किया प्रदर्शनकारी मंडी हाउस क्षेत्र में एकत्र हुए और उन्होंने पुलिस तैनाती के बीच मार्च करते हुए संसद की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस कर्मियों ने कनॉट प्लेट जाने वाली सड़कों को बंद कर दिया जिससे यातायात पर असर पड़ा। जेएनयूएसयू के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने कहा कि यह दक्षिण पंथ या वाम पंथ का सवाल नहीं है बल्कि सही, गलत का सवाल है।

सामाजिक सुधार के लिए शिक्षा जरूरी : सिसोदिया

सेंट्रल पार्क में हिन्दी अकादमी द्वारा आयोजित कला संस्कृति उत्सव का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शिक्षक प्राय विचारों, आदर्शों और सिद्धान्तों की परिधि में रहता है। शिक्षक को सहज होना चाहिए। इसीलिए दिल्ली सरकार ने इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिसमें शिक्षक स्वयं अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षा के लिए हमें परंपरा और पुरानी लीक को ही नहीं देखना देश में सुधार के लिए शिक्षा पर ध्यान देना आवश्यक है, शिक्षक प्रसन्न होगा तो समाज प्रसन्न रहेगा। नाट्यशास्त्र की कल्पना भी इसी उद्धेश्य से हुई है। ये विचार हिन्दी अकादमी द्वारा सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में आयोजित कला संस्कृति उत्सव का उद्घाटन करते हुए दिल्ली के उपमुख्यमन्त्री मनीष सिसोदिया ने व्यक्त किए। हिंदी अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि कला, संस्कृति और साहित्य से मानवीय संवेदनाओं को विस्तार मिलता है।

इसीलिए हिंदी अकादमी ने कला-संस्कृति-उत्सव का आयोजन किया है। अकादमी के उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि हम सभी देश, समाज राष्ट्रीय मुद्दों की चर्चा करते हैं किन्तु मानवता और शिक्षा की बात नहीं करते हैं, जबकि समाज के विकास के ये ही मूल कारण हैं। समाज हर विषय के लिए शिक्षकों को अपना आदर्श मानता है।

कला संस्कृति उत्सव में भाग लेती छात्राएं।

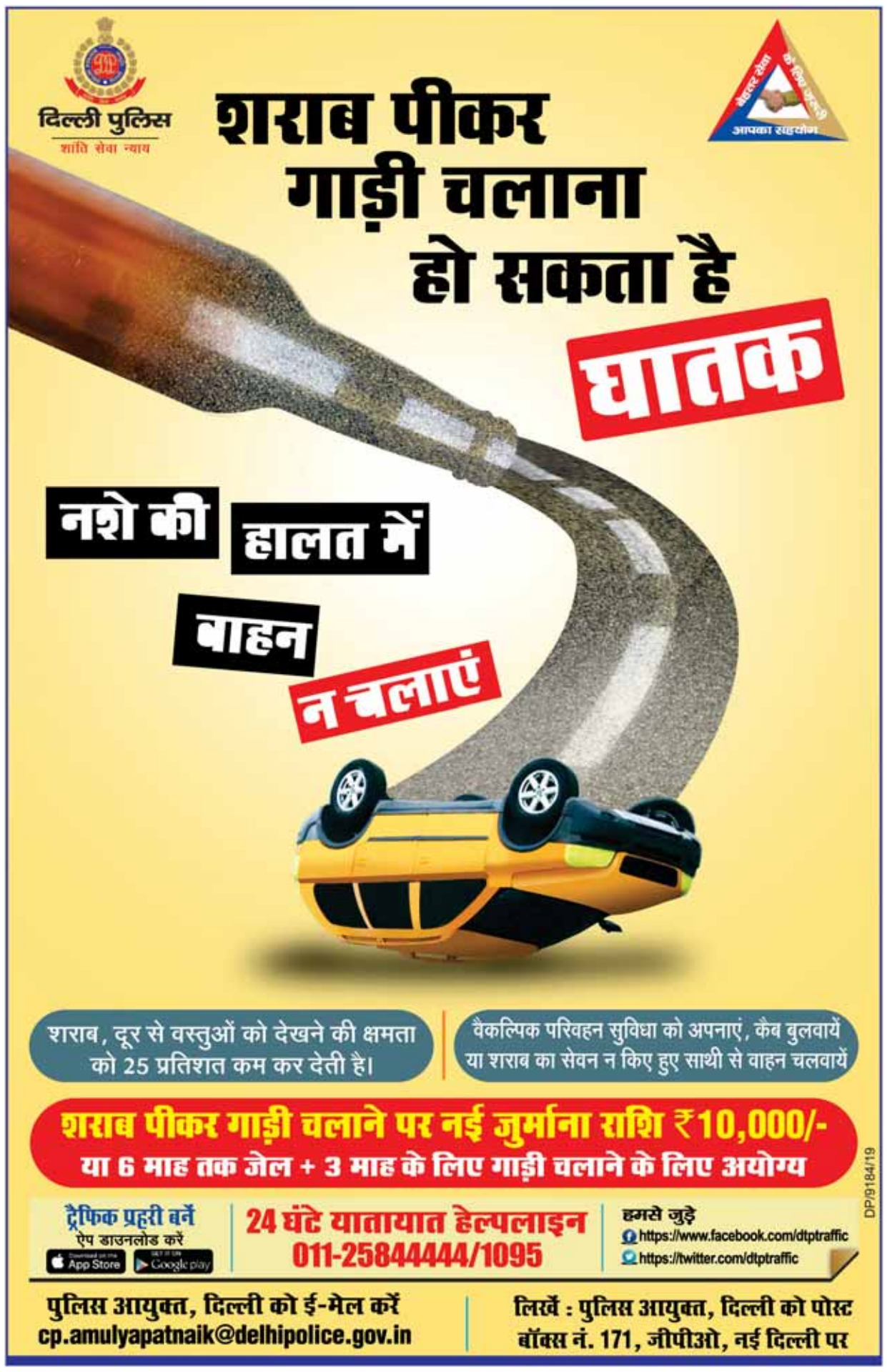

आरएसएस के प्रदेश संघचालक की मौजूदगी में बीजेपी ने खोजे हार के कारण

गुरुग्राम में देर रात संपन्न हुई मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में बैठक

सीएम ने सभी जीते व हारे प्रत्याशियों को जनता से जुड़े रहने का दिया संदेश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्वर्ण जयंती पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में बीजेपी के हारे व जीते प्रत्याशियों के साथ समीक्षा बैठक करते सीएम मनोहर लाल व अन्य नेता।

भारतीय जनता पार्टी किसी भी सूरत में हरियाणा विधानसभा 2019 के चुनावों की हार को पचा नहीं पा रही है। हारकर भी बेशक गठबंधन की सरकार बीजेपी बना चुकी है, लेकिन हार की टीस अभी पार्टी के भीतर बनी हुई है। यहां हार के कारण खोजने को हो रही बैठक में आरएसएस के प्रदेश संघचालक की मौजूदगी में हारे और जीते प्रत्याशियों के साथ हार पर मंथन के साथ आगे जीत सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई।

गुरुग्राम में शुक्रवार की देर रात तक चली बैठक में आरएसएस के प्रदेश संघचालक पवन जिंदल, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, हरियाणा प्रभारी अनिल जैन, प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपने-अपने हिसाब से सवाल पटल पर रखे और उन पर चर्चा की। चुनाव परिणामों की समीक्षा में आरएसएस के प्रदेश संघचालक पवन जिंदल ने सभी नेताओं को कार्यकर्ताओं की तरह जमीनी स्तर पर और अधिक मेहनत करने को कहा। इस चुनाव में कम सीटों को जेहन में रखकर इनको दोगुने में कैसे बदला जाए, इस पर उन्होंने टिप्स दिए। पवन जिंदल ने कहा कि चाहे हारे प्रत्याशी हों या जीते हुए, सभी को जनता के बीच रहना होगा। अगर आगे सफलता चाहिए तो ऐसा करना जरूरी है और करना ही होगा। बीजेपी एक अनुशासित पार्टी है। बेदाग सरकार पांच साल रही है।

अनिल जैन की ओर से चुनाव में बीजेपी की हार का कारण मतदान का दिन सोमवार होना बताया और साथ ही दिल्ली व हिमाचल प्रदेश में छुट्टी ना होना भी। अनिल जैन ने इसे सीधे तौर पर हार का तो नाम नहीं दिया, लेकिन इसे मतदान प्रतिशत कम होना कहा। सामान्य तौर पर जब कहीं मतदान अधिक होता है तो बीजेपी को अधिक फायदा होने का अनुमान लगाया जाता है और कम मतदान होने से बीजेपी को नुकसान। हरियाणा में कम मतदान हुआ और वही अनुमान सही भी निकला और बीजेपी को नुकसान हुआ। अनिल जैन ने बैठक में यह भी कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जन आशीर्वाद यात्रा से जनता का भरपूर समर्थन मिला था। इसी की बदौलत भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा में पहली बार किसी पार्टी ने बढ़े हुए मत प्रतिशत के साथ सरकार बनाई है। अब प्रदेश की जनता को साथ लेकर चलेंगे। कैसे प्रदेश में विकास कार्य करवाएं और पहले से अच्छा काम करवाएं, इस पर काम करना है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की 47 सीटें थीं, जबकि इस बार 40 सीटें आई हैं, लेकिन मतदाता प्रतिशतता ढाई पर्सेंट बढ़ा है। जिसका मतलब है कि ज्यादा लोग भाजपा के साथ जुड़े हैं।

गुरुग्राम से चीनी कंपनी का ठेका रद्द किया तो देने पड़ेंगे 300 करोड़ रुपये

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

पार्षद ब्रह्म यादव ने किया है इस बात का खुलासा

कुछ इसी तरह का चीनी कंपनी इको ग्रीन से है नगर निगम गुरुग्राम का करार

गुरुग्राम की गंदगी को साफ करने का दिया गया है इको ग्रीन कंपनी को ठेका

पार्षदों ने कंपनी के काम पर खूब उठाए सवाल, पर नहीं दिए गए ठोस जवाब

विश्व पटल तक अपनी पहचान रखने वाले गुरुग्राम को स्वच्छ रखकर देसी-विदेशियों को अच्छा अहसास कराने के उद्देश्य से विदेशी कंपनी (चीनी कंपनी) इको ग्रीन को शहर की सफाई का ठेका नगर निगम की ओर से दिया गया है। अक्सर कंपनी के काम पर सवाल उठते रहे हैं। अब नया खुलासा हुआ है कि अगर इको ग्रीन का ठेका रद्द किया गया तो नगर निगम को सैकड़ों करोड़ का नुकसान उठाना पड़ेगा।

नगर निगम के पार्षद एवं बीजेपी के युवा नेता ब्रह्म यादव ने खुलासा किया है कि इको ग्रीन कंपनी के साथ नगर निगम का ऐसा करार (एग्रीमेंट) है, जिससे चाहकर भी निगम इसे बाहर का रास्ता नहीं दिखा सकता। यानी कंपनी का ठेका रद्द नहीं कर सकता। जो करार निगम ने कंपनी के साथ किया हुआ है, उसके तहत अगर इको ग्रीन का ठेका बीच में ही रद्द किया जाता है तो नगर निगम की ओर से इको ग्रीन कंपनी को 300 करोड़ का भुगतान करना होगा। इस बात से मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की जनता वाकिफ नहीं है। ब्रह्म यादव ने कहा कि यह जनता के साथ धोखा है। पिछले दिनों कंपनी पर खुद सीएम साहब ने 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, लेकिन जुर्माना लगाने से कंपनी में कोई सुधार नहीं होने वाला। ब्रह्म यादव ने कहा कि शहर की सफाई के लिए कंपनी को ठेका दिया गया है, अगर वही काम नहीं हो रहा तो फिर कंपनी का यहां बने रहने का कोई हक नहीं है। लेकिन उसको रखना अब मजबूरी बन गई है।

उन्होंने बताया कि निगम के पूर्व आयुक्त यशपाल यादव को सभी पार्षदों ने एक स्वर में कहा था कि कंपनी का ठेका रद्द किया जाए। तब बात चली थी कि अगर कोई नई कंपनी आती है तो इको ग्रीन को हटा दिया जाएगा। जबकि हकीकत तो यह है कि कंपनी का ठेका रद्द करने की ऐवज में नगर निगम ही दिवालिया हो सकता है। कंपनी के साथ ऐसा करार करने का कौन दोषी है, उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह मांग भी पार्षदों की ओर से उठाई गई है। पार्षद ब्रह्म यादव ने कहा कि इस तरह का करार करके एक तरह से शहर को दांव पर लगाया है।

एनजीटी की टीम ने ग्राम पंचायतों का दौरा किया

एनजीटी की टीम ग्राम पंचायत में बादशाहपुर टैठड़ में बना कूड़ा निस्तारण केन्द्र का निरीक्षण करते हुए।

सोहना। एनजीटी की राज्यस्तीय टीम ने स्वच्छता अभियान के तहत सोहना और गुरुग्राम की तीन ग्राम पंचायतों का दौरा किया। दौरे के दौरान टीम ने गांवों में सफाई व्यवस्था से लेकर कूड़ा निस्तारण, कूड़े का उठाव, गांव की नालियों की जांच की। टीम ने दौरे के दौरान तैयार की गई गुप्त रिपोर्ट को राष्ट्रीय स्तर पर भेजने को कहा है।

शुक्रवार को एनजीटी की राज्य स्तरीय टीम ने सोहना की दो ग्राम पंचायत मंडावर व बादशाहपुर टैठड़ तथा गुरुग्राम ब्लॉक की ग्राम पंचायत हंसनपुर का औचक निरीक्षण किया। सोहना बीडीपीओ जगराम सिंह ने बताया कि टीम ने ग्राम पंचायतों में जाकर साफ-सफाई, गांव में निकलने वाले कूड़े का निस्तारण स्थान, नालियों की सफाई, घरों से निकलने वाले कूड़े का तरीका, गांवों में तैनात सफाई कर्मचारियों का कार्य आदि का औचक निरीक्षण किया। बीडीपीओ ने बताया कि इसके अलावा ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच व ग्रामीणों से मुलाकात करके जानकारी ली। ग्राम पंचायतों से निकलने वाले कूड़ा का किस प्रकार से निस्तारण किया रहा है। टीम में शामिल जिला रेवाड़ी के जिला पंचायत व विकास अधिकारी अमरचंद कोशिक ने बताया कि उन्होने तीनों ही ग्राम पंचायतों का निरीक्षण के दौरान गुप्त रिपोर्ट तैयार की है। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर जल्द से जल्द भेजा जाएगा।

मार्केट कमेटी उपभोक्ता भवन निर्माण प्रमाण-पत्र के लिए 30 तक करें आवेदन

सोहना। मार्केट कमेटी ने अपने सीमा क्षेत्र में दुकान/बूथ धारक उपभोक्ताओं को भवन निर्माण प्रमाण-पत्र विभाग से लेने के लिए 30 नवंबर तक अप्लाई करना होगा। 30 से 35 फीसदी उपभोक्ताओं ने बीते 45 वर्षों में भवन निर्माण का प्रमाण-पत्र नहीं लिया है।

मार्केट कमेटी विभाग ने अपने दुकान/बूथ उपभोक्ताओं को आखिरी बार भवन निर्माण का प्रमाण-पत्र लेने का आखिरी मौका दिया है। मार्केट कमेटी के सचिव राजेन्द्र सिंह ने बताया कि 1974 में पहली बार मार्केट कमेटी विभाग ने सोहना अनाज मंडी में दुकान/बूथ की निलामी खुली बोली के तहत की थी।

विभाग अब तक 166 उपभोक्ताओं को दुकान/बूथ दे चुका है। लेकिन 30 से 35 फीसदी उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने विभाग से भवन निर्माण का प्रमाण-पत्र नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि ऐसे उपभोक्ताओं को 30 नवंबर तक भवन निर्माण का प्रमाण-पत्र लेने के लिए आवेदन करना होगा।

ब्याज माफी में छूट

मार्केट कमेटी सचिव ने बताया कि आवेदन करने वाले उपभोक्ता पर अब तक लगा जुर्माना के ब्याज पर विशेष छूट मिलेगी। कुल ब्याज पर 20 फीसदी की छूट भी दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता को भवन निर्माण प्रमाण-पत्र प्राप्ति के लिए आवेदन के साथ में बिजली कनेक्शन, पानी कनेक्शन, टेलिफोन लैंडलाइन कनेक्शन आदि का नियमित बिल की कापी तथा नगरपरिषद में जमा किया जाने वाला हाउस टैक्स की रसीद लगाना जरूरी होगा। सचिव ने बताया कि जो उपभोक्ता आवेदन करने से रह जाएगा। उसका प्लॉट रद्द भी किया जा सकता है।

गुरुग्राम से चार विदेशी युवतियां गिरफ्तार

चारों के पास नहीं है वैध वीजा और पासपोर्ट, अदालत ने भोंडसी जेल भेजा

शुक्रवार-शनिवार की रात दो बजे मचा रही थीं हुड़दंग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गईं हुड़दंग मचाने वाली विदेशी युवतियां।

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम के एमजी रोड (महरौली-गुरुग्राम रोड) पर गाली-गलौच करके माहौल खराब कर रही चार विदेशी युवतियों को पुलिस ने शुक्रवार की देर रात गिरफ्तार किया। जब उनसे पूछताछ की गई तो वे यहां रहने का कोई वैद्य प्रमाण पुलिस के समक्ष पेश नहीं कर पाई। यानी वे बिना किसी वैध पासपोर्ट और वीजा के यहां रह रही हैं। शनिवार को उन्होंने अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया।

सप्ताह के अंत में यहां एमजी रोड पर बने पब-बार में युवाओं के हुड़दंग, देह व्यापार को लेकर पुलिस की टेढ़ी नजर रहती है। यहां पर काफी बार बड़ी वारदातें हो चुकी हैं। रेप, अपहरण जैसी वारदातों से पुलिस की खूब किरकिरी हो चुकी है। इसलिए पुलिस अपनी साख बचाने के लिए यहां पर सख्त पहरा दे रही है। कभी नाइट डोमिनेशन तो कभी छापेमारी के नाम पर अपराधों को होने से पहले ही पुलिस थाम देती है। इसी कड़ी में बीती देर रात एमजी रोड पुलिस चौकी और सेक्टर-29 पुलिस थाना का स्टाफ नाईट पेट्रोलिंग पर था। एसआई मुकेश को इस दौरान करीब दो बजे एमजी रोड पर ही चार विदेशी युवतियां हुड़दंग मचाती नजर आईं। वे गाली-गलौच करके यहां अशांति भंग कर रही थीं। पुलिस टीम द्वारा तुरन्त प्रभाव से उन युवतियों को हिरासत में लिया गया। जब उनसे पूछताछ की गई तो पता चला कि वे यहां पर बिना किसी वैध पासपोर्ट और वीजा के रह रही हैं।

युगांडा की रहने वाली हैं चारों युवतियां

पुलिस द्वारा हुड़दंग मचाते हुए हिरासत में ली गई युवतियां युगांडा देश की रहने वाली हैं। उनकी पहचान युगांडा के मुकोनो सिटी की नबवारे ग्लोरिया पुत्री ससेब ग्वालों, कामपाला सिटी निवासी मारिमा पुत्री पुरतपो, नामाकुला कुरौलीन पुत्री कुसौमा जोहन बापटीस्टा निवासी कामपाला सिटी, डरालू चिरटीन पुत्री डरालू निवासी कामपाला सिटी युगांडा के रूप में हुई है।

आरोपी युवतियों के पास कोई भी वैध पासपोर्ट व वीजा न मिलने पर उनके खिलाफ थाना डीएलएफ सेक्टर-29 गुरुग्राम में पासपोर्ट एक्ट, विदेशी एक्ट आदि में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को उन्हें यहां अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सोहना के फायर स्टेशन में संसाधनों और कर्मचारियों का अभाव

नरेश कुमार। सोहना

सोहना के दमकल विभाग कार्यालय।

सोहना का फायर स्टेशन संसाधनों के अभाव में पंगु बना हुआ है। कर्मचारियों की भारी कमी के चलते जैसे-तैसे आग की घटनाओं पर काबू पाया जा रहा है।

सोहना में स्थापित फायर स्टेशन पर 40 हजार की आबादी वाला सोहना शहर सहित खंड की 45 ग्राम पंचायतों में होने वाली आग की घटनाओं पर काबू पाने की जिम्मेदारी है। लेकिन कर्मचारियों से लेकर संसाधनों के अभाव में यह फायर स्टेशन जैसे-तैसे चल रहा है। उक्त फायर स्टेशन की टीम सोहना से 20 किलोमीटर दूरी तक आग की घटनाओं पर काबू पाने के लिए जाना होता है।

जबकि किसी भी फायर स्टेशन की जिम्मेदारी ग्रामीण क्षेत्र में 10 तथा शहरी क्षेत्र में पांच किलोमीटर दूरी तक होती है। इसके साथ तीन चरणों में ड्यूटी देने के दौरान आठ घंटा की ड्यूटी में एक गाड़ी के साथ छह कर्मचारी तैनात होने चाहिए। लेकिन सोहना फायर स्टेशन पर कुल 15 कर्मचारी ही तैनात है। जो तीनों चरण में चलने वाली ड्यूटी को करने के लिए मजबूर हैं।

स्टेशन पर संसाधन की कमी

सोहना के फायर स्टेशन पर एक वाटर फाउंडर और वाटर मिश गाड़ी से ही काम चलाना पड़ा है। जबकि फायर स्टेशन की मानक के अनुसार इतन बड़े क्षेत्र कंपनी, दवा या कैमिकल वाले पदार्थ में आग लगने पर फोम टैंडर गाड़ी उपयोग में आती है। पानी में डूबने वाली घटना में काम आने के लिए रेस्क्यू टैंडर गाड़ी की जरूरत होती है तथा पानी में डूबने वाले को बचाने के लिए कर्मचारी की सुरक्षा हेतु अन्य उपकरण होने चाहिए, जो स्थानीय फायर स्टेशन पर नहीं है। करीब डेढ़ वर्ष पहले रसोई या किसी तंग गली में आग की घटना पर काबू पाने के लिए विभाग द्वारा 10 किलो फोम सिलेंडर वाली बाइक तो दे दी है। लेकिन आज तक उसके कागजात तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

क्या कहना है स्टेशन प्रभारी का

सोहना फायर स्टेशन प्रबंधक जयवीर सिंह भड़ाना ने बताया कि जिन संसाधनों का स्टेशन पर अभाव है। उसको लेकर वह परिषद अधिकारियों से लेकर जिला स्तर पर मांग करेंगे। इसके अलावा हल्का विधायक कंवर संजय सिंह से भी कमियों को पूरा कराने के लिए मांग की जाएगी।

मासूम से अश्लील हरकत करने के आरोपी को 20 साल कैद

गुरुग्राम की फास्ट ट्रैक अदालत ने लिया ठोस निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मात्र सात साल की मासूस से अश्लील हरकत करके अपनी ओछी मानसिकता का परिचय देने वाले एक युवक को अदालत ने दोषी ठहराया। पॉक्सो एक्ट मामले की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज गुप्ता की फास्ट ट्रैक अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल की कैद व 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

बता दें कि 12 दिसम्बर 2017 को पश्चिम बंगाल मूल की एक महिला ने पालम विहार पुलिस थाना में शिकायत दी थी कि वह परिवार के साथ क्षेत्र की हंस कालोनी में रहती है। घरों में साफ-सफाई का कार्य करती है। दो दिन पूर्व 10 दिसम्बर को उसके ही पड़ोस में उन्नाव यूपी मूल के सोनू ने उसकी सात वर्षीय मासूम बच्ची को अपने कमरे में बुलाया। वह वहां पर उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। मासूम ने शोर मचाया तो उसे धमका कर चुप कर दिया। मासूम ने सोनू द्वारा की गई अश्लील हरकत के बारे में अपनी मां को बताया तो उसने शिकायत दर्ज करा दी।

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तभी से वह जिला जेल में बंद था। मामला अदालत में चला। अभियोजन पक्ष ने अदालत में जो सबूत व गवाह पेश किए, उनसे आरोपी पर लगे आरोप सिद्ध होना पाते हुए अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए उसे 20 साल की कैद व 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने का भुगतान न करने पर दोषी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

होंडा का पुराना विवाद सुलझा नहीं, अब नया विवाद हो गया खड़ा

होंडा कंपनी ने कर्मचारी यूनियन के छह सदस्यों को भी कर दिया निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मानेसर में होंडा कंपनी में निकाले गए श्रमिकों के चस्पाए गए पत्र।

दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का पहले से चला आ रहा विवाद अभी सुलझा भी नहीं था और कंपनी ने नया विवाद छह श्रमिकों को निलंबित करके खड़ा कर दिया। निलंबन के पत्र कंपनी के सहायक महाप्रबंधन जनरल अफेयर्स नवीन शर्मा की ओर से जारी किए गए हैं।

श्रमिकों का इन निलंबन पर कहना है कि इससे श्रमिक संगठन और श्रमिकों में काफी रोष पैदा हो गया है। उनका कहना है कि श्रमिक अशांति को भड़काने के ये प्रयास किए जा रहे हैं, जो कि सही नहीं है। होंडा कंपनी में श्रमिकों को निकाले जाने के विरोध में पिछले 16 दिनों से हड़ताल चल रही है। हड़ताली श्रमिक कंपनी के पास धरने पर बैठे हैं। कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन कोई हल नहीं निकला है। श्रमिक यूनियन के प्रधान सुरेश गौड़ का कहना है कि होंडा प्रबंधकों द्वारा समाधान करने की बजाय मजदूरों के खिलाफ षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। खुलेआम श्रम कानूनों की अवहेलना की जा रही है।

श्रमिक नेताओं का कहना है कि उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और श्रम विभाग के उच्चाधिकारियों का आश्वासन श्रमिकों को मिला तो लगा कि अब समाधान हो जाएगा। सबकी रोजी-रोटी बच जाएगी। लेकिन प्रबंधकों ने यूनियन के प्रधान सुरेश गौड़ समेत छह सक्रिय सदस्यों रमेश प्रधान, पंकज अहिरे, शेख अब्दुल साफी, राकेश शर्मा और चंद्रशेखर को निलंबित करके दिखा दिया कि उसे किसी नियम, कानून की चिंता नहीं है। इससे पूरे औद्योगिक क्षेत्र में रोष पैदा हो गया है।

होंडा प्रबंधकों द्वारा सरकार, प्रशासन व श्रम विभाग के अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है। समझौता वार्ताओं में न आकर कंपनी विवाद को बढ़ा रही है। इसमें कोई दोराय नहीं अब क्षेत्र में बड़ी श्रमिक अशांति पैदा हो सकती है और इसकी सीधे तौर पर जिम्मेदार कंपनी ही होगी। एक दिन पूर्व काफी संख्या में श्रमिकों ने मानेसर से गुरुग्राम तक पैदल मार्च करके डीसी को शांतिप्रिय तरीके से ज्ञान दिया था। अब कंपनी ने आंदोलन को भड़काने का प्रयास किया है। सोमवार तक श्रमिक आगे की रणनीति के बारे में निर्णय लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बेटियों के सपनों को पंख लगाने को ब्रेकथ्रू संस्था ने किया जागरूक

गुरुग्राम। लड़कियों को समान अधिकार व शिक्षा जरूरी, तभी वह अपने सपनों को पूरा कर पाएंगी। इसी को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से ब्रेकथ्रू संस्था की टीम ने गुरुग्राम के फर्रूखनगर ब्लॉक के गांव सिवारी में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस मौके पर आंगनवाड़ी वर्कर, सीमा, कुसुम, जगवंती, अनीता, हेल्पर सुनीता, प्रेमलता, कमला देवी तथा आशा व सिवारी गांव ने ब्रेकथ्रू संस्था का धन्यवाद किया। रात्रि चौपाल कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सुपरवाइजर रेखा ने कहा कि लड़कियों के सपनों को पंख लगने दें, तभी समाज आगे बढ़ पाएगा। हर बेटी को आगे बढ़ाने के लिए परिवार का सहयोग जरूरी है। कार्यक्रम में बड़ी सी आशा कार्यक्रम के माध्यम से समाज में लोगों की गलत धारणाओं को तोड़कर यह संदेश दिया जा रहा है कि समाज में लड़का-लड़की बराबर है। सबको बराबर के अधिकार मिले। नाटक में दिखाया गया कि कैसे घरों में लड़कियों को अलग-अलग बहाने बनाकर आगे पढ़ने से रोक देते है। नाटक इस बात पर जोर देता है कि बेटियों के सपने पूरे करने में पिता और समुदाय के लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। गांव सिवारी के अनेक लोगों से नाटक के पात्रों ने बातचीत की व समझाया कि लड़कियां आज लड़कों से कम नहीं हैं। वे हर क्षेत्र में अपना नाम बना रही है। और अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। ब्रेकथ्रू संस्था से सुशील ने कहा कि आज लड़कियां पढ़-लिखकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने साबित किया है कि अगर उनके पारिवारिक व सामाजिक सहयोग मिले तो वह शिक्षित होकर सपनों को पूरा कर सकती हैं।

नहीं थम रही विकास कार्यों में धांधली, अधिकारी मौन

नूंह। प्रदेश सरकार भले ही विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को रोकने के लाख दावे करती हो, लेकिन सरकार के ये सारे दावे नूंह जिले में सरपंचों व अधिकारियों की मिलीभगत के चलते खोखले साबित हो रहे हैं। जिसके चलते सरकार का सबका साथ, सबका विकास का नारा भी ढकोसला साबित हो रहा है। भ्रष्टाचार का ताजा मामला पुन्हाना के गांव मुबारिकपुर से सामने आया है, जहां पर ग्रामीणों ने सरपंच पर अधिकारियों से मिलीभगत करके विकास कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपये की राशि हड़पने का आरोप लगाया है। जिसमें एक करोड 38 लाख रुपये लघु सचिवालय के लिए अखबार की हुई जमीन का, सात लाख गांव की मैन चौपाल के नाम से, साढ़े चार लाख नलों के नाम पर, दो लाख लाइटों के नाम पर करोड़ों की राशि हड़पी है। जिसका खुलासा आरटीआई के माध्यम से हुआ। मुबारिकपुर गांव के जुबेर, सूबेदार अय्यूब खान सहित काफी लोगों का आरोप है कि सरपंच द्वारा किए गए घोटाले को लेकर वह कई बार अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन अभी तक सरपंच के खिलाफ कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द दोषी सरपंच के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो गांव के सभी लोग लघुसचिवालय पर अनिश्चितकालीन धरना देंगे। जब इस मामले में सरपंच से बात करनी चाही तो उन्होंने इस बारे में कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया।

पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव की माता का निधन

गुरुग्राम। पूर्व लोकसभा सांसद व भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुधा यादव की माता संतोष यादव का 75 वर्ष की आयु में बीमारी के चलते गत देर सायं एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही उनके सेक्टर 10 आवास पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने के लिए लोगों का तांता लग गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार की प्रात: मदनपुरी स्थित श्मशान घाट पर कर दिया गया। उनको श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए प्रदेश के केबिनेट मंत्री अनिल विज, पूर्व मंत्री ओपी धनखड़, पूर्व विधायक जाकिर हुसैन, भाजपा के कई वरिष्ठ नेता सूरजपाल अम्मू, अर्जुन शर्मा, अशोक आजाद, दलीप लूथरा, सुरेंद्र गहलोत, शिवानी, रोशनलाल यादव सहित बड़ी संख्या में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता भी शामिल हुए और उन्होंने सुधा यादव व उनके परिवार को सांत्वना भी दी।

परमात्मा के लिखे लेख को नहीं बदल सकता कोई: रामदेव

गुरुग्राम। आत्मा अजर और अमर है। मृत्यु एक शाश्वस्त सत्य है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। यह बात योग गुरु बाबा रामदेव ने शनिवार को कादीपुर के समासजेवी राजीव यादव की माता रामादेवी के निधन पर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मानव देह पुरानी होने के बाद नया रूप लेती है। मां का हाथ सिर से उठना, परिजनों के लिए एक बहुत ही बड़ी क्षति है, लेकिन परमात्मा के लिखे लेख को कोई भी बदल नहीं सकता।

बेहतर सुविधाओं से प्रदेश में नंबर वन है जच्चा-बच्चा वार्ड : डॉ. बंसल

सुविधाएं देख हुए खुश, फोटोथैरेपी बढ़ाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वास्थ्य निदेशक (मेटरनल एंड चाइल्ड हैड) डॉ. बीके बंसल ने बीके अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में जच्चा-बच्चा व गर्भवती महिलाओं को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यहां एफआरयू से शिफ्ट हुए कुपोषण से ग्रस्त बच्चों के लिए बने सेंटर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जच्चा-बच्चा के परिजनों से बातचीत की और अधिकारियों को कहा कि यही कारण है जिसके चलते आपका प्रसूति वार्ड हरियाणा में नम्बर वन है। इस मौके पर उनके साथ जिला सिविल सर्जन डॉ. गुलशन राय अरोड़ा, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश, बीके सिविल अस्पताल के कार्यकारी पीएमओ डॉ. जयंत आहूजा, डॉ. रचना, डॉ. विकास, डॉ. राजेश श्योकंद के अलावा पलवल के सीएमओं डॉ. प्रवीन शर्मा और मेवात के सीएमओं डॉ. राजीव बातिश मौजूद रहे।

स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. बंसल ने इस दौरान मेटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ से जुड़े वार्डों का निरीक्षण किया। प्रथम तल के प्रसूति वार्ड और बच्चों की नर्सरी और शिशु रोग वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां फोटोथैरेपी मशीनों की संख्या बढ़ाने के साथ बच्चों की नर्सरी को आधुनिक रूप देने की बात अधिकारियों से कही। वहीं यहां बने कंगारू मदर युनिट को देखकर वह काफी खुश हुए। उन्होंने यहां शिफ्ट किए गए एनआरसी कक्ष का दौरा किया। इसमें बने प्ले रूम से लेकर वार्ड सभी का दौरा कर काफी सरहाना की। कार्यकारी पीएमओं डॉ. जयंत आहुजा ने बताया कि प्रसूति वार्ड में मिल रही सुविधाओं की जांच के बाद उन्होंने जच्चा-बच्चा कक्ष का दौरा किया और वहां दाखिल मरीजों और उनके परिजनों से बात की। जिसमें उन्होंने उनसे पूछा कि आपकी डिलीवरी कैसे हुई और किसी तरह की कोई दिक्कत तो नहीं हुई। इस दौरान उन्होंने परिजनों के संतोषपूर्ण जबाव ने इतना खुश कर दिया कि उन्होंने कहा कि आज पता चला कि आपका प्रसूति वार्ड हरियाणा में पहले नम्बर पर कैसे है।

मुस्लिम बाहुल्य नूंह में मौलवियों की मदद से होगा टीकाकरण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अरावली गोल्फ क्लब में शनिवार को स्वास्थ्य निदेशक डॉ. बीके बंसल ने फरीदाबाद, गुरुग्राम, पलवल और नूंह के अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने मिशन इंद्रधनुष के तहत सभी को लाभ पहुंचाने की बात की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य निदेशालय ने नूंह एवं पलवल के ब्लॉक हथीन में बच्चों को इम्युनाइज करने के लिए आईएमआई (इंटेसिफाइड मिशन इंद्रधनुष) 2.0 लॉन्च किया है और इसकी शुरुआत दिसंबर के पहले सप्ताह से होगी। बैठक में नूंह और हथीन के बच्चों एवं गर्भवतियों को 100 फीसद इम्युनाइज्ड करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। सूत्रों का कहना है कि मिशन इंद्रधनुष योजना (यह प्रदेश भर में 25 दिसंबर 2014 को शुरू की गई थी) में हथीन एवं नूंह को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में 90 फीसदी से अधिक बच्चों एवं गर्भवतियों को टीके लगाए थे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हथीन एवं नूंह पीछे रह गए थे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अब आईएमआई 2.0 तैयार किया है। इस विषय में स्वास्थ्य निदेशक डॉ बीके बंसल ने बताया कि आईएमआई 2.0 की शुरुआत दिसंबर के पहले सप्ताह से की जाएगी। यह अगले वर्ष मार्च तक चलाया गया। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2020 तक शून्य से दो वर्ष तक के सभी बच्चों को टीकाकरण पूर्ण हो जाए। इसके तहत हथीन ब्लॉक में हजारों बच्चों एवं 475 महिलाओं का टीकाकरण किया जाएगा। इसके अलावा नूंह में 23 हजार बच्चों एवं छह हजार गर्भवतियों को इम्युनाइज्ड किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक स्वास्थ्य विभाग निर्धारित समय तक यह अभियान चलाता था। लेकिन इस बार बदलाव करते हुए लोगों की सुविधाओं के हिसाब से चलाया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति को देर शाम समय मिलता है कि उसके बच्चे का टीकाकरण उस समय ही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नूंह में जातिगत समस्याओं के लिए लोग अपने बच्चों का टीकाकरण नहीं कराते हैं। इस बार विभाग ने मस्जिद के मौलवियों, सरपंचों, मजदूर संगठनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जोड़ा है। यह बच्चों के टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शादी दो परिवारों को जोड़ने का काम करती है : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा युवा आयोग के चेयरमैन व शहीद-ए-आजम भगत सिंह के पौत्र एवं ऑल इंडिया शहीद भगत सिंह बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह सन्धू की वैवाहिक रिसेप्शन में शनिवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल सूरजकुण्ड रोड स्थित डिलाईट फोरएवर गार्डन में आशीर्वाद देने पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने यादवेन्द्र सिंह की माता को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं तथा वर यादवेन्द्र सिंह और वधु पवनदीप कौर दोनों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें सुखी जीवन का आशीर्वाद देते हुए कहा कि शादी एक अटूट बंधन है। उन्होंने कहा कि शादी दो परिवारों को जोड़ने का काम करती है। सात फेरों पर जीवन में एक दूसरे के साथ प्यार से जिंदगी व्यतीत करने के कसमे वायदे किए जाते हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नवदंपति को भगवान से जीवन में खुशियां मिलने की कामना की।

इस मौके पर केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, चेयरमैन अजय गौड, चेयरमैन धनेश अदलक्खा, बंटी भाटिया, पूर्व चेयरमैन अब्दुल गफ्फार कुरैशी, पार्षद ओमप्रकाश रक्षवाल, आरएन सिंह, बब्बू खत्री, चौधरी शरीफ, रंजीत सिंह, विपिन झा, बिमलेश गुप्ता, इरशाद कुरैशी भी मौजूद थे।

महिला की बेरहमी से हत्या कर शव हाईवे पर फेंका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीकरी गांव के पास शनिवार सुबह सड़क के किनारे 35 वर्षीय एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ था। महिला का चेहरा तेजाब से झुलसाया हुआ था। मौके से गुजर रहे लोगों ने शव को देखते ही पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए आसपास के इलाके के लोगों को मौके पर बुलाया। लेकिन उसे कोई नहीं पहचान पाया। अनुमान है कि अज्ञात लोगों ने किसी अन्य स्थान पर महिला की हत्या करने के बाद शव को यहां फेंका है। मृतका की पहचान छिपाने के लिए उसके चेहरे को तेजाब से जला दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने शव पहचान एवं पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल की मोरचरी में रखवा दिया है।

थाना सदर बल्लभगढ़ पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह सीकरी गांव के पास सड़क के किनारे एक महिला का शव पड़ा हुआ था। तभी वहां से गुजर रहे किसी व्यक्ति की नजर शव पर पड़ गई। उसने इस बारे में अन्य लोगों को बता दिया। थोड़ी ही देर में मौके पर लोगों की भी लग गई। सुबह करीब सात बजे किसी ने पुलिस को सूचना दी कि सीकरी गांव में सरकारी स्कूल के सामने हाइवे के किनारे एक महिला का शव पड़ा हुआ है। महिला ने गहरे नीले रंग का सूट और ऑरेंज कलर की सलवार पहनी हुई है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस टीम ने पाया कि मृतक महिला की उम्र करीब 35 साल के आसपास है। जिसका चेहरा काला पड़ा हुआ था। जिस वजह से उसकी पहचान मुश्किल हो रही थी। माना जा रहा है कि महिला की रस्सी से गला घोंटकर हत्या की गई। जिसके बाद उसके चेहरे पर तेजाब फेंक दिया। पुलिस टीम ने आसपास के लोगों से महिला की पहचान कराने का प्रयास किया। लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि शव के संबंध में एनसीआर के थानों को सूचना भेजी गई है। शव को पहचान के लिए बीके अस्पताल में रखवाया दिया गया है। शव की पहचान और पोस्टमॉर्टम के बाद हत्या के कारणों का पता चल सकेगा।

जीवा पब्लिक स्कूल में हुआ 'जीवा संदेश' पुस्तक का विमोचन

फरीदाबाद। सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुस्तिक 'जीवा संदेश' का विमोचन किया गया। विद्यालय की यह पुस्तिक प्रतिवर्ष विद्यालय के अनेक संदेशों के साथ प्रकाशित की जाती है। इस अवसर पर जीवा संस्थान के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, प्रशासनिका मुक्ता सचदेव, प्रधानाचार्या देविना निगम एवं अन्य सभी प्रमुख सदस्य जीवा आयुर्वेद यंग डायरेक्टर मधुसुदन, हेड इंटरनेशनल प्रोजेक्ट काजल चौहान, एचआर हेड मिनाक्षी सिंह, हेड ट्रेनिंग एंड डेवेलपमेंट नीरजा चौहान आदि उपस्थित रहे। यह पुस्तिका विद्यालय के मूल्यों एवं सिद्धान्तों का दर्पण है। इस अवसर पर विद्यालय के उन छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। जिन्होंने विभिन्न विषयों में इंटर स्कूल प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पर विद्यालय का नाम रोशन किया।

कोर्ट में एडीआर की बिल्डिंग बनने का वकीलों ने किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-12 स्थित जिला न्यायालय में वकीलों की सीटों को तोड़कर एडीआर बिल्डिंग बनाने को लेकर रविवार को बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन का अगमन है। सरकारी जिला अधिकारियों ने वकीलों की सीटों की जगह पैमाइश नई बिल्डिंग बनाने के लिए कर ली है। इसे लेकर वकीलों में गहरा रोष है। वकीलों के प्रतिनिधि मंडल ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता से मिलकर नई बिल्डिंग न बनाने के लिए बार के लैटरहैड पर एक रेजुलेशन बार एसोसिएशन के महासचिव नरेन्द्र पाराशर द्वारा दिया गया। टिन के शैड के नीचे लगभग 1500 वकील अपना काम करते हैं। अधिकतर वकीलों ने सत्र न्यायाधीश से मांग की है कि अगर इन टिन के शैडों की जगह नई बिल्डिंग बना दी गई, तो वे कहां बैठकर प्रैक्टिस करेंगे। अधिकतर अधिवक्ताओं ने मांग की है कि एडीआर बिल्डिंग को थाने के पीछे बनाया जाए और वकीलों की सीटों को न तोड़ा जाए।

इस बारे में एडवोकेट शिवदत्त वशिष्ठ ने कहा कि बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन के समक्ष सीटों की बात रखी जाएगी। वार के पूर्व प्रधान जेपी अधाना, बार काउसिंल पंजाब एंड हरियाणा के पूर्व मनोनित सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ ने कहा कि सीटों को न उठाया जाए और बिल्डिंग किसी अन्य जगह पर बनाने का प्रस्ताव पास किया जाए। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी शर्मा, राधे श्याम पाराशर, अनिल पाराशर, कंवर दलपत सिंह, डीएस रावत, राजेन्द्र शर्मा, सतेन्द्र अधाना, मनमीत कौर, विजय यादव, सुखराम जाखड़, देवेन्द्र खरब, रमन व रमेश आदि अधिवक्ता मौजूद थे।

बीके में बढ़ाई जाएगी बिस्तरों की संख्या

फरीदाबाद। शहर के एक मात्र 200 बेड के सरकारी अस्पताल में बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस बात की जानकारी शनिवार को स्वास्थ्य निदेशक डॉ वीके बंसल ने फरीदाबाद दौरे के दौरान प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि दवाओं सहित विभिन्न सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को खर्च करने की पावर भी बढ़ाई है। इसके तहत एनआरसी के लिए चार लाख 20 हजार रुपये, कंगारू मदर यूनिट के लिए एक लाख, जननी सुरक्षा योजना के तहत शून्य से दो साल तक के बच्चों के इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग एक दिन में 200 रुपये तक की राशि खर्च कर सकता है। इसी के साथ नागरिक अस्पताल में डिजीटल एक्सरे मशीन भेजी जाएगी। सीएमओ डॉ गुलशन अरोड़ा ने बताया कि सीएसआर के तहत नागरिक अस्पताल में एक और डिजीटल एक्सरे मशीन लगाई जानी है।

ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने का झांसा दे थमाया क्रिकेट देखने का वीजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने किया मामला दर्ज

ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर राजस्थान के एक ठग ने यहां के सेक्टर 10 में रहने वाले एक युवक से छह लाख रुपये ले लिए। आरोपी ने पीड़ित से नौकरी लगावाने के बदले में 12 लाख रुपये मांगे थे। शेष रकम नौकरी लगने के बाद देने की बात तय हुई थी। छह लाख रुपये लेकर आरोपी ने पीड़ित को फर्जी एयर टिकट और क्रिकेट मैच देखने का बीजा थमा दिया। युवक एंबेसी पहुंचा तो आरोपी की धोखाधड़ी का पता चला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर आठ में दर्ज मामले के मुताबिक सेक्टर दस की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले राजेश कुमार ने अपनी शिकायत में कहा है कि करीब एक साल पहले उसकी मुलाकात राजस्थान के श्रीगंगानगर में रहने वाले सुशील कुमार उर्फ सोनू के साथ हुई थी। जिसने उसे बताया था कि वह ऑस्ट्रेलिया में नौकरी कर चुका है। वहां उसकी काफी जान पहचान है। यदि वह चाहे तो उसे ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिला सकता है। आरोपी के झांसे में आकर पीड़ित वहां जाने के लिए तैयार हो गया। वहां पर जाने के लिए आरोपी ने उससे 12 लाख रुपये की मांग की। इस पर राजेश कुमार ने कहा कि एक साथ इतनी रकम देना कठिन है। जिस पर सुशील कुमार पहले छह लाख रुपये लेने के लिए तैयार हो गया। शेष छह लाख रुपये नौकरी लगने के बाद देने की बात तय हो गई। राजेश कुमार का कहना है कि 29 अगस्त को दोनों के बीच तय बातचीत के अनुसार एग्रीमेंट हो गया। गौरव शर्मा नामक व्यक्ति के सामने हुए एग्रीमेंट के अनुसार राजेश कुमार ने अलग अलग माध्यम से सुशील कुमार को छह लाख रुपये की रकम दे दी। जिसके बाद आरोपी ने उसे ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए वीजा और एयर टिकट दे दिया। जिसे लेकर वह दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया एंबेसी में गया। वहां पर उसे बताया गया कि यह वीजा नौकरी के लिए नहीं है, यह सिर्फ मैच देखने के लिए होता है। आरोप है कि सुशील कुमार अब न तो उसे रुपये लौट रहा और न नौकरी दिलवा रहा है। थाना प्रभारी अमन कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार बस की चपेट में आकर युवक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया

सूरजकुंड रोड पर गांव अनंगपुर के पास तेज रफ्तार से दौड़ रही एक बस के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

थाना सूरजकुंड में दर्ज मामले के मुताबिक गांव अनंगपुर में रहने वाले लक्ष्मण ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह यहां अपने परिवार के साथ रहता है। उसका 35 वर्षीय भाई रामवीर शहर में अपना कामधंधा करता है। अन्य दिनों की तरह शुक्रवार को भी रामवीर अपने काम पर गया हुआ था। शाम को काम से लौटते समय वह सूरजकुंड रोड पर स्थित महीपाल गार्डन के पास सड़क पार करने का प्रयास करने लगा। तभी तेज रफ्तार से दौड़ रही एक बस के चालक ने उसे टक्कर मार दी।

इस दुर्घटना में घायल रामवीर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने आरोपी चालक खानपुर, दिल्ली निवासी विपिन को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

द्वितीय किंक बॉक्सिंग प्रतियोगिता शुरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जवाहर कालोनी स्थित वीएम सीनियर सैकेंड्री स्कूल के प्रांगण में हरियाणा प्रदेश किंक बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा दो दिवसीय द्वितीय सब जूनियर, सीनियर (मेल-फीमेल) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता चेयरमैन डा. बलराम, आनन्द, प्रधान सुनील शर्मा, राजेश शर्मा, सचिव रविन्द्र गोला, कोषाध्यक्ष, यश आनन्द की देख-रेख में प्रारंभ की गई। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में समाजसेवी दर्शनलाल कुकरेजा, जिला टैक्स बार एसोसिएशन फरीदाबाद के अध्यक्ष संदीप सेठी ने प्रतियोगिता का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया। विशेष रूप से पार्षद मनोज नासवा, भाजपा नेता कविन्द्र चौधरी, पं. उमाशंकर, दिनेश महाजन, मैडम नीरज, सतपाल मुंजाल, सतेन्द्र यादव, सरदार बूटा सिंह, राजीव गोयल मौजूद थे। इस प्रतियोगिता में 15 जिलों के छात्रों ने भाग लिया व इसे चार भागों में प्रतियोगिता को रखा गया। 10-12 आयु वर्ग, 12 से 15 आयु वर्ग, 15-18 आयु वर्ग व 18 आयु वर्ग से ऊपर के करीब 250 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे है। प्रतियोगिता के जजों के रूप में चण्डीगढ़ से आए गौरव, गौरव कुमार, गौरव कम्बोज व लक्ष्य ओबराय शामिल हुए। प्रतियोगिता की सहयोगी संस्था के रूप में ब्रोकन स्कल्ल बॉक्सिंग क्लब के प्रधान अंकित तिवारी, यश मार्शल आर्ट एकेडमी के प्रधान यश आनन्द मौजूद थे। प्रधान सुनील शर्मा व चेयरमैन बलराम आनन्द ने आए हुए सभी अतिथियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया।

विद्या मंदिर में हर्षोल्लास के साथ वार्षिकोत्सव श्रृंखला की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 15 ए स्थित विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने वार्षिकोत्सव श्रृंखला की शुरुआत करते हुए नैतिक मूल्यों पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। प्रतिवर्ष होने वाले इस कार्यक्रम में विद्यालय के शत-प्रतिशत छात्र अपनी-अपनी रूचि के अनुसार अभिनय, नृत्य, गायन, वादन आदि गतिविधियों में भाग लेकर सभी का मन मोह लेते हैं। प्राइमरी विभाग के छात्रों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी- 'प्रयास: द कार्नीवल एग्जीविशन' पूरे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। जिसमें छात्रों ने अपने सीखे हुए ज्ञान को अनेक मॉडल्स और प्रोजेक्ट्स के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यालय के श्री हरि सभागार में कार्यक्रम की शुरुआत श्री कृष्ण वंदना 'जय- जय राधे कृष्ण से हुई। तत्पश्चात हनुमान चालीसा, इट्स मैजिक, कुछ तो बता जिन्दगी आदि गीतों पर बच्चों ने अपने नृत्य और अभिनय के माध्यम से दर्शाया कि शिक्षा पाकर आगे बढ़ने की दौड़ में हमें अपने संस्कारों, जीवन मूल्यों और छोटे- छोटे अहसासों को नहीं भूलना चाहिए। विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल द्वारा इस उत्सव के माध्यम से शिक्षा के साथ- साथ छात्रों के बहुमुखी विकास के लिए किये जाने वाले प्रयासों की सभी अभिभावकों ने तहे- दिल से सराहना की। प्रधानाचार्य आनंद गुप्ता ने सभी छात्रों की सुंदर प्रस्तुति की प्रशंसा की और योग्य छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत करके उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बाल सुधार गृह का निरीक्षण टीम ने किया दौरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी स्थित बाल सुधार गृह का जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता और मोना सिंह मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण एवं पूनम कंवर प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड, फरीदाबाद की टीम ने निरीक्षण किया।

प्राधिकरण से प्राप्त सूचना के अनुसार निरीक्षण के दौरान कुल 87 किशोर बाल सुधार गृह में पाए गए। जिनमें गुरुग्राम के 6, पलवल के 14, फरीदाबाद के 39, मेवात के 11, महेंद्रगढ़ के 15, रेवाड़ी के दो थे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने प्रत्येक किशोर से रूबरू होकर उनके रहन सहन खानपान और समस्याओं के बारे में जाना। हर एक किशोर की टिकट को देखते हुए यह भी गहनता से देखा कि कोई किशोर अधिक दिनों से तो नहीं है तथा टीम की निगरानी में शिकायत पेटी को खोला गया। जिसमें किसी प्रकार की कोई शिकायत न मिली। साथ ही साथ किशोरों को अवगत कराया गया कि यदि किसी किशोर की किसी भी प्रकार की कोई शिकायत है या कोई समस्या है, यदि वह सबके सामने नहीं कहना चाहता तो वह लिखकर इस शिकायत पेटी में डाल सकता है। ताकि उसकी शिकायत पर आगामी कार्रवाई हो सके। निरीक्षण टीम ने किशोरों के रहने वाले कमरों, उनके बिस्तरों व टॉयलेट वगैरह का भी निरीक्षण किया। जो ठीक व साफ सुथरे पाए गए। रविंद्र गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता द्वारा बाल सुधार गृह में स्थित किचन का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया जो साफ सुथरा और ठीक पाया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश ने किशोरों से कहा कि आप निराश न हो, जो जुर्म आपसे जाने अनजाने में यदि हो गया है तो उसका पश्चाताप करते हुए अपने भविष्य मे आगे से ऐसा न करते हुए अपने आने वाले भविष्य को सुधारें। यहां से जाने के बाद अच्छे से रहे। ताकि आप भी देश की मुख्यधारा से जुड़ सकें। निरीक्षण के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की टीम के साथ पैनल एडवोकेट लिखीराम, जयवीर नागर व आशा अरोड़ा उपस्थित रहे।

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to general public that I, Hashveen Kaur D/o Mr. Gurvinder Singh Kohli R/o 195, Pratap Khand, Vishwakarma Nagar, Delhi-110095 have changed my religion from Sikh to Islam on 16.10.2018 and I have also changed my name from Hashveen Kaur to Hayaa Khan and in future I shall be known by my new name i.e. Hayaa Khan w.e.f. 16.10.2018 for all purposes and in all regards.

Hashveen Kaur

सार्वजनिक सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कमलेश पत्नी श्री चाँदवीर सिंह निवासी गली नंबर-2, इज्जर रोड़, बहादुर गढ़ ने एक मकान रकबा 150 वर्ग गज दस्तावेज नंबर 8076 दिनांक 20/03/2017 से निर्मला पत्नी श्री मुकेश कुमार से खरीदा था जिसकी पुरानी रजिस्ट्री नंबर 2652 दिनांक 01/01/1985 जो की सब रजिस्ट्रार कार्यालय बहादुरगढ़ में मनोहर लाल द्वारा सुखबीर सिंह को बिक्री की हुई थी जो की दिनांक 10/09/2019 बहादुरगढ़ में कहीं गुम हो गई हैं। जिसके संदर्भ में एक प्राथमिकी संख्या 13257007190106 3 दिनांक 19/11/2019 को दर्ज करवा दी गई है अगर किसी को भी यह रजिस्ट्री नंबर 2652 दिनांक 01/01/1985 मिले तो कृपा उपरोक्त पते पर या मोबाइल नं0 9992022203 पर संपर्क करें।

कमलेश पत्नी श्री चाँदवीर सिंह

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Prachi Bhardwaj W/o Sh. Kapil Bhardwaj R/o B-297, Saraswati Vihar Pitam Pitampura Delhi-110034, hereby declare that I have changed my name from Suman Sharma to Prachi Bhardwaj for all future purposes.

PD(8687)C

I, Maryam, W/o. Salman Kasmi, R/o. R-202, Lane No.-05, Sir Syed Road, Jogabai Extn. Jamia Nagar, New Delhi-110025, have changed my name after marriage as Maryam Salman for all future purposes.

PD(8688)A

दबाई जाती हैं महिला पत्रकारों की आवाजें

महिला पत्रकारों की ओर से लैंगिक हिंसा पर कम ही खबरें प्रकाशित होती हैं। 2010 में प्रकाशित 41 प्रतिशत खबरों की तुलना में महिला पत्रकारों ने 2015 में 30 प्रतिशत प्रकाशित कीं जो पांच वर्षों में 11 प्रतिशत की गिरावट है।

स्वप्ना मजूमदार
(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पश्चिम बंगाल में 14 वर्ष की सीमा ने बेहतर जीवन की तलाश में अपना घर छोड़ दिया था। लेकिन, आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के उसके तथा उसके परिवार के सारे सपने टूट गए जो स्वयं को गरीबी से बाहर निकालना चाहता था। वह मुंबई के एक वेश्यालय में पहुंच गई। सौभाग्य से, इस किशोरी को दो साल बाद उस दलदल से निकाल लिया गया, लेकिन जब सीमा घर वापस पहुंची, तब भी उसकी समस्याओं का अंत नहीं हुआ। उसके प्रति पूर्वाग्रह तथा स्थानीय मानव व्यापारियों का खतरा बरकरार रहा, जो उसे पुलिस के समक्ष स्वयं को पहचानने पर यौन हिंसा की धमकी दे रहे थे। इससे, उस पर गंभीर मानसिक प्रभाव पड़ा और फिर वह अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाई।

भारत के सभी राज्यों में पश्चिम बंगाल बाल मानव व्यापार में सर्वोच्च स्तर पर है, और सभी पीड़ितों में 34 प्रतिशत यहीं से होते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो आंकड़ों के अनुसार, 86 प्रतिशत लड़कियों को मानव व्यापारी वाणिज्यिक उत्पीड़न के लिए अपहृत करते हैं। वास्तव में, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएचएफएस-4) के अनुसार, 15 वर्ष की आयु तक प्रत्येक तीसरी महिला को देश में किसी न किसी रूप से लैंगिक हिंसा का सामना करना पड़ता है।

अध्ययनों से पता चला है कि बलात्कार व अन्य यौन हिंसा का सामना कर चुकी महिलाओं व कन्याओं को न्याय पाने तथा महत्वपूर्ण सेवाएं मिलने में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही, उनके प्रति पूर्वाग्रह एक सबसे बड़ी बाधा है जो सूचनाओं व जागरूकता के अभाव में गंभीर हो जाती है। यौन व्यापार पर जारी एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल में 59 प्रतिशत किशोरियां यह नहीं जानतीं कि वो मानव व्यापार से स्वयं को कैसे बचा सकती हैं। इसी तरह 72 प्रतिशत उन सेवाओं के बारे में नहीं जानतीं जिससे उनको मदद मिल सकती है। न्याय व अन्य चिकित्सकीय सेवाओं की तलाश में अकसर उनको थानों व अस्पतालों में अपमान सहन करना पड़ता है। खासकर, यदि वे सामाजिक व आर्थिक रूप से हाशियाकृत समुदायों की होती हैं।

इस परिदृश्य में मीडिया क्या कर सकता है? क्या उसकी कोई भूमिका है? क्या वह अपने प्रभाव को प्रयोग कर महिला विरोधी हिंसा, मानवाधिकारों व सशक्तीकरण पर विमर्श को प्रभावित कर सकता है? क्या वह सीमा जैसी बचाई गई लड़कियों की मदद कर सकता है? दृष्टिकोण बदलने तथा लैंगिक हिंसा समाप्त करने में मीडिया कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है?

हाल ही में, नौरोबी में आयोजित जनसंख्या व विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीडी-25) में ऐसे कुछ सवाल सामने आए। इसका आयोजन जर्नलिज्म इंस्टीट्यूट आन जेंडर बेस्ड वायलेंस(जेआईजी) के तत्वावधान में वूमेन ग्लोगल सेंट फार वोमेन ग्लोबल लीडरशिप (सीडब्लूजीएल) ने किया था। इसमें संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि (यूएनएफपीए), राजनल सीरिया रिस्पांस हब व डाक सेंटर फार जर्नलिज्म एंड ट्रामा की साझीदारी थी। आयोजन लैंगिक हिंसा को आईसीपीडी के संदर्भ में मीडिया की भूमिका व उसके महत्व पर केंद्रित था।

कंबोडिया में महिला मामलों की मंत्री इंग कांता फावी ने कहा, ''महिला विरोधी हिंसा मानवाधिकारों का उल्लंघन है। यह हिंसा हमें खामोश करने के लिए है और मीडिया का काम इस चुप्पी को तोड़ना है। मीडिया को यह देखने में अहम भूमिका अदा करनी चाहिए कि यह चुप्पी टूटे तथा महिलाओं के स्वर मुखर रूप से सुनाई दें।''

फावी ने संकेत दिया कि कंबोडिया की सरकार आईसीपीडी-25 लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है, जिसमें सभी महिलाओं व लड़कियों को यौन व लिंग आधारित हिंसा से सुरक्षा व बचाव सुनिश्चित करने के साथ उनकी देखभाल सेवाएं भी शामिल हैं। लेकिन, सामाजिक पूर्वाग्रहों व महिलाओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण के कारण वे सहायता लेने व सेवाएं प्राप्त करने से कतराती हैं। इस मामले में, मीडिया उनकी मदद कर सकता है तथा वह वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मीडिया में जिस प्रकार लैंगिक हिंसा की कवरेज व रिपोर्टिंग होती है, उससे हमारे समुदायों का दृष्टिकोण इस मुद्दे पर बदल सकता है। समोवा की पुरस्कार विजेता एक पत्रकार, लागीपोवा चार्ली जैक्सन ने सहमत होते हुए कहा कि लिंग आधारित हिंसा से लड़ने में मीडिया एक शक्तिशाली भूमिका निभा सकता है, क्योंकि वो न केवल समाज को खबर देता है बल्कि दृष्टिकोण के आधार पर जनता की राय बदलने का प्रयास भी करता है। जेआईजी की प्रधान संपादक, जैक्सन ने कहा कि मीडिया द्वारा प्रयुक्त भाषा महत्वपूर्ण है और उसे सावधान रहना चाहिए कि वह यौन उत्पीड़न को सामान्य रूप से पेश करने के साथ महिलाओं या उत्पीड़न से मुक्त हुए पीड़ितों को दोषी न ठहराए।

अध्ययनों से पता चला है कि मीडिया की विषय वस्तु से लिंग आधारित असमानता बढ़ सकती है। यौन उत्पीड़न को तथा यौन हिंसा के अन्य रूपों को सामान्य रूप से पेश किया जा सकता है। पुरुषों द्वारा की जाने वाली हिंसा से जुड़े पूर्वाग्रहों को दोहराया जा सकता है, जो मर्दानगी व शक्ति का प्रतीक समझे जाते हैं। महिला विरोधी हिंसा की अनेक खबरों में महिलाओं को पीड़ित के बजाए हिंसा के लिए जिम्मेदार की तरह पेश किया जाता है। यूनएएफपीए संप्रेषण विशेषज्ञ, जफर इर्शाएदात के अनुसार, दुर्भाग्य से, ऐसा ही सीरिया में हुआ है। उनका कहना था कि, : ''हमने पाया कि मीडिया संकीर्णता पैदा करने एवं लैंगिक हिंसा को लेकर कुछ मिथक फैलाने में हानिकारिक भूमिका अदा कर सकता है। उनकी खबरें बचाकर निकाले गए लोगों की पहचान बताकर एवं दोषियों से दोष स्थानांतरित कर खतरे का कारण बन सकती हैं। इसलिए हम विमर्श को बदलने के इरादे से मीडिया के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' यहीं पर महिला पत्रकारों की भूमिका अहम हो जाती है। भारत में, सकारात्मक बदलाव लाने में मीडिया अपने प्रभाव का इस्तेमाल कैसे करता है इसमें महत्वपूर्ण उदाहरणों में से एक महिला पत्रकारों द्वारा प्रकाशित खबरों में देखा गया, खासकर दिसंबर 2012 में दिल्ली में हुए सामूहिक बलात्कार मामले में। इसके फलस्वरूप जनपरियोजन हुआ एवं अपराध कानून संशोधन अधिनियम पारित हुआ। इसके अंतर्गत पुलिस थानों में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करना अनिवार्य बना दिया गया, जिसमें पहले अनदेखी की जाती थी। इससे महिलाओं पर तेजाब हमले, पीछा करना, अनावृत करना आदि अन्य हमलों को भी अपराध का दर्जा दे दिया गया।

सीडब्लूजीएल की कार्यकारी निदेशक, कृष्णाती धर्मराज, का कहना है कि महिला पत्रकारों ने लैंगिक हिंसा पर अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम से विमर्श बदलने एवं मानवाधिकार की रक्षा करने में महत्वपूर्ण योगदान किए हैं। सीडब्लूजीएल, एक वैश्विक महिला अधिकार संगठन है जो रुटगर्स विश्वविद्यालय पर आधारित है जो लैंगिक हिंसा के विरुद्ध 16 दिवसीय सक्रियतावाद का संस्थापक व समन्वयकर्ता है, और दुनियाभर में अनेक एक्टिविस्टों ने सभी प्रकार की लैंगिक हिंसा को समाप्त करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय अभियान का प्रयोग किया है। महिला पत्रकार जो लिंग आधारित हिंसा पर खबरें प्रकाशित करती हैं वे अपने ही अधिकारों में मानवाधिकारों की रक्षक का काम करती हैं। उन्हें प्राय: चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें आनलाइन व आफलाइन महिला विरोधी हमले शामिल हैं।

वैश्विक मीडिया निगरानी परियोजना (जीएमएमपी) से जुड़ी सराह मचारिया, का कहना है कि महिला पत्रकारों को अन्य लड़कियों अथवा महिलाओं को न्याय दिलाने के प्रयासों के फलस्वरूप स्वयं चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जीएमएमपी विश्व के समाचार मीडिया में लैंगिक समता पर शोध एवं हिमायत करने वाली सबसे बड़ी पहल है। जमीनी तथा राष्ट्रीय स्तर के महिलाधिकार समूहों, अन्य नागरिक समाज संगठनों, संघों एवं मीडिया पेशेवरों के संघों के सहयोग के साथ, जीएमएमपी मीडिया के माधम से लैंगिक समता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, पुरुषों की तुलना में महिलाओं के साथ भेदभाव, प्रतिनिधान एवं उनकी आवाज उठाने के मामले में भेदभाव के प्रमाण जुटाने का काम करता है। जीएमएमपी के ताजा अध्ययनों में बलात्कार, यौन हमले, परिवार में हिंसा, महिला यौन अंग विच्छेदन एवं महिला व्यापार समेत सभी मुद्दों पर प्रकाशित होने वाली खबरों में गिरावट नजर आई है। साथ ही साथ, स्रोतों के तौर पर लिंग आधारित हिंसा संबंधी खबरों में महिलाओं का अनुपात ज्यादा है।

''2005 मे, खबरो में देखी, सुनी जाने वाली और बोलने वाली महिलाओं की संख्या 38 प्रतिशत थी जबकि 2015 में 46 प्रतिशत थी, जो 10 वर्षों में 10 अंकों की बढ़ोतरी दर्शाता है। लैंगिक हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं में से कम से तीन चौथाई महिलाएं हैं और फिर भी, इन खबरों के के विषय के तौर पर साक्षात्कारित लोगों में उनकी संख्या आधे से कम है, यह कहना था जीएमएमपी समन्वयकर्ता, सराह मचारिया का।' हालांकि, महिला पत्रकार भी कम खबरे प्रकाशित कर रह हैं। मचारिया ने उल्लेख किया कि 2010 में प्रकाशित 41 प्रतिशत खबरों की तुलना में महिला पत्रकारों ने 2015 में 30 प्रतिशत प्रकाशित कीं जो पांच वर्षों में 11 प्रतिशत की गिरावट है। पिछले वर्ष, अंतरराष्ट्रीय महिला फाउंडेशन एंड ट्रोल बस्टर द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि महिला पत्रकारों, जिनको आनलाइन अपशब्दों का सामना करना पड़ा, ने अल्पकालीन व दीर्घकालीन भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ने की बात कही। इन घटनाओं के चलते, लगभग 40 प्रतिशत ने खबरें छापने से परहेज करना प्रारम्भ कर दिया।

भारत में, मीटू आंदोलन मीडिया में लैंगिक हिंसा से निबटने की प्रवृत्ति पैदा करने के मामले में उत्प्रेरक रहा है जहां बहुत सी महिला पत्रकार यौन उत्पीड़नों की कहानियां साझा करने आगे आई हैं। हालांकि, शायद ही किसी मीडिया संगठन ने यौन उत्पीड़न एवं प्रताड़नाओं से प्रभावित महिलाओं को भौतिक सुरक्षा, कानूनी सलाह एवं मनोवैज्ञानिक सहयोग मुहैया कराया है। महिला पत्रकारों के समक्ष तिहरा जोखिम होता है : हर अन्य महिला की तरह जोखिम, समान जोखिम उनके पुरुष सहयोगियों के कारण एवं वह जोखिम जो विशिष्ट रूप से उन्हें प्रभावित करता है क्योंकि वे महिला पत्रकार हैं। जब तक महिला पत्रकारों पर हमले से सुरक्षा नहीं सुनिश्चित होगी, जोखिम उनके काम को प्रभावित करता रहेगा।

भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में व्याप्त विषमताएं

यद्यपि किसी भी देश ने मुक्त उद्यमों के साथ विनियमनों से समझौता नहीं किया है मगर रास्ता निकालना अनिवार्य है। दूरसंचार में बिजनेस को सुगम बनाने के लिए विवादों का समाधान आवश्यक है।

बिन्दू डाल्मिया
लेखिका नीति आयोग की एक समिति की अध्यक्ष हैं।

जब भारतीय कारपोरेट जगत के बड़े लोग तीन वर्षों से दूरसंचार क्षेत्र में चल रही खींचतान के बीच दरकिनार हो गए, यह ऐसा क्षेत्र है जो आगे बढ़ने के मामले में भय के संकेत देता है। ऐसे में सरकार अंतर्गत दूरसंचार विभाग, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण एवं सचिवों की उच्च शक्ति प्राप्त समिति के पास ही समय रहते एवं न्यायपूर्ण ढंग से हस्तक्षेप करने की क्षमता निहित है। क्योंकि पूर्व में लाभकारी रहे इस क्षेत्र को संकट से उबारने के मामले में पहले से ही काफी देर हो चुकी है, जो अब 7 लाख करोड़ से अधिक कर्ज के बोझ से लदा है।

दूरसंचार क्षेत्र इतना विशाल है कि उसे विफल होने नहीं दिया जा सकता, एक सिद्धांत जिसने जोर दिया जब क्षेत्र के निर्माणकर्ता कुछ बड़े लोग इतने बड़े व परस्पर अंतरसंबंधित हैं कि उनका भविष्य महान आर्थिक व्यवस्था के लिए विनाश का सबब बन सकता है और इसलिए उनकी संभावित विफलता को देखते हुए सरकार को मदद का हाथ बढ़ाना होगा। बढ़ती दूरसंचार सघनता एवं इंटरनेट के प्रसार के साथ, दूरसंचार सेवाएं आज उपभोक्ता के लिए अनिवार्य हो गई हैं, एफएमसीजी अथवा औषधि वस्तुओं की तरह, और इनका उपभोग समाज के प्रत्येक तबके के द्वारा किया जाता है। बिजली की तरह, दूरसंचार एवं इंटरनेट अब अनिवार्य रूप से उपयोगी चीजें मानी जाती हैं और ये डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने वाले वाहकों की तरह हैं। वर्तमान समय में भारत दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है जहां उपभोक्ता आधार 1.20 अरब है और यह देश में पांच शीर्ष रोजगारसृजनकर्ता क्षेत्रों में से एक है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 1 लाख करोड़ के कर्ज की सीमा पार करने संबंधी आदेश दिए जाने के बाद चिंता उत्पन्न होती है सूचीबद्ध दूरसंचार कम्पनियों द्वारा पोस्ट किए गए दूसरी तिमाही के घाटों के साथ, वोडाफोन, रिलायंस कम्युनिकेशंस, एयरटेल और टाटा टेली को जबर्दस्त नुकसान पहुंचा है।

प्रधानमंत्री के 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के आशावाद को सराहा जाता है, और वित्तमंत्री के अंतरक्रियात्मक समाधान तरीके को भी, जो निर्णय क्रिया को उद्योग के सरोकारों को संबोधित करने के लिए वार्षिक बजट आने तक विलंबित रखने की उनके पूर्ववर्ती की प्रवृत्ति के विपरीत है। समस्याएं बहुत सी हैं, ढुलमुल बैंकिंग, आटोमोबाइल, रियलिटी, बिजली एवं उड्डयन क्षेत्र से लेकर, वर्तमान दूरसंचार क्षेत्र की ताजा विकराल समस्या तक।

जबकि विश्व बैंक के बिजनेस सुगमता सूचकांक में भारत की स्थिति सुधरना मोदी सरकार की सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है, बिजनेस सुगमता सूचकांक में एक पैमाना जिसमें सुधार की आवश्यकता है वह है विवादों का समाधान, खासकर लचर हो चुके दूरसंचार क्षेत्र में। सुधार और राहत केंद्र के स्वविवेक के अंतर्गत आते हैं, क्योंकि वे इस मामले में विजेता है और उन्हें क्षेत्र के संपूर्ण हित में रियायत किए जाने की आवश्यकता है। दबावग्रस्त क्षेत्र में विनियमन की अनिश्चितताएं पहले से ही दमित बिजनेस भावनाओं पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। यद्यपि भारतीय बिजनेस ताजा पूंजी व्यय निवेश का वादा करने के प्रति अनिच्छुक रहा है, हम विदेशी प्रत्यक्ष निवेशकों के बीच नकारात्मक धारणाएं पैदा होने नहीं दे सकते। राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति 2018 में 2022 तक दूरसंचार क्षेत्र में 100 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने की बात कही गई थी, जो केवल अनुकूल माहौल में ही संभव है, जहां समय आग से लड़ने के बजाए वृद्धि पर समय खर्च किया जाता है। यह देखते हुए कि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के चलते व्यापार के विचलन के लाभभोगी भारत की तुलना में वियतनाम और ताइवान रहे हैं, देश को वैश्विक प्रभाव बनाने के लिए, हमें और अधिक प्रोत्साहनकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिससे कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियां उसे संभावित लाभार्जन केंद्र के तौर पर देखें। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए, भारत को फ्लिपकार्ट जैसे ताजा प्रवेश करने वालों को नुकसान से बचाना होगा जो वालमार्ट के लिए मुसीबत का कारण बने हुए हैं, अलीबाबा और वोडाफोन को पेटीएम और यूके की उसकी मातृ कम्पनी के लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हैं।

वोडाफोन देश का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेशक है और आइडिया सेल्युलर के साथ उसके संयुक्त उद्यम को भारी चोट पहुंची है, जिसका शुद्ध घाटा 50,922 करोड़ है। संप्रग-2 द्वारा पूर्वकालिक प्रभाव से करों में 2 अरब के दावे के साथ टैक्स कानूनों में संशोधन किए जाने के बाद यह वोडाफोन के लिए दूसरा बड़ा झटका है। गिरी हुई क्रेडिट रेटिंग के साथ संपूर्ण क्षेत्र जोखिम में है, जिससे बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता खतरे में पड़ रही है जिपका एक्सपोजर 1 लाख करोड़ का है। इससे गैर निष्पादन परिसंपत्तियों का वर्तमान संकट और ज्यादा गहरा होगा, क्योंकि कर्ज लेने वाले आकस्मिक देयताओं के कारण सेवा कर्ज चुकाने में असमर्थ हो जाते हैं।

दूरसंचार क्षेत्र में पैदा संकट का कारण तीन वर्ष पूर्व हुए रिलायंस जिओ के प्रवेश को बताया जाता है जिसने इस क्षेत्र के अर्थशास्त्र को बिगाड़ कर रख दिया। जियो के अतिप्रतिस्पर्धी कीमतों ने भारी संख्या को उपभोक्ताओं को आकर्षित किया जिससे उसे खासकर ग्रामीण इलाकों में फायदा मिला और प्रतिस्पर्धियों का प्रति उपभोक्ता राजस्व एवं उपभोक्ता संख्या में भारी कमी आने लगी। सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से उद्योग की समस्याएं और बढ़ गईं जिसने डॉज एवं टेलीकोस के बीच विवाद में सरकार का पक्ष लिया। समायोजित सकल राजस्व को गणना करते हुए गैर कोर वस्तुओं को शामिल करने की सरकार की मांग का 15 टेलीकॉम कम्पनियों पर 1.3 लाख करोड़ पारगमन करने में नकारात्मक असर पड़ा। याद रखें कि सर्वोच्च न्यायालय निष्पक्ष है मगर ऐसा नहीं कि कभी गलती नहीं कर सकता।

साथ ही साथ, भारतीय दूरसंचार बाजार, जो आंकड़ा उपभोग के मामले में दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, मगर इतना ज्यादा बड़ा है कि पूर्व कार्टेलों का बंधक नहीं बन सकता, अथवा दोहरी नीति परिदृश्य के संभावित उदय, अथवा एकल खिलाड़ी वर्चस्व जैसी परिणिति को प्राप्त नहीं कर सकता। मगर हम उसी दिशा में बढ़ गए हैं यदि सरकार तीन में से दो खिलाड़ियों, वोडाफोन-आइडिया और भारती एयरटेल, के समक्ष अस्तित्वमान मुद्दों का समाधान करने में विफल हो जाती है। आदर्श रूप में, सरकार का ध्येय दो गैर राज्य खिलाड़ी हैं, साथ ही एक सार्वजनिक क्षेत्र दूरसंचार कम्पनी, क्योंकि भारत को डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए बहुल वाहकों की आवश्यकता है। सरकार एकाधिकार के पक्ष में नहीं है यह निर्णय उचित दिशा में लिया गया है। लेकिन एकाधिकारपूर्ण स्थितियों को टालने के लिए, या दो-अधिकार, सहयोगात्मक कार्रवाई के माध्यम से इरादों को जाहिर किया जाना होगा।

अत: उद्योग ने किन राहत उपायों का प्रयास किया है? उन्हें क्षेत्र की सेहत सुधारने के लिए सीओएस समिति से सकारात्मक सिफारिशों की उम्मीद है जिसमें विनियामक द्वारा मोबाइल सेल एवं आकड़ों के लिए न्यूनतम फ्लोर टैरिफ तय किए जाने चाहिए, स्पेक्ट्रम भुगतानों पर रोक लगाने की आवश्यकता है तथा भुगतानों के माध्यम से स्पेक्ट्रम देयताएं पूर्ण करने के लिए लंबा समय चाहिए, एजीआर संबंधित देय पर ब्याज एवं अर्थदंड से मुक्ति दी जानी चाहिए, टैक्स तथा लेवी कम की जानी चाहिए, बाधित वस्तु एवं सेवाकर का 7,000 करोड़ मुक्त किया जाना चाहिए, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का सकारात्मक पुनरीक्षण किया जाना चाहिए, जिसमें विफल होने पर उनकी पांच न्यायाधीशों की खंडपीठ के समक्ष उपचार याचिका दायर करने की योजना है जो 24 अक्टूबर की दिए गए फैसले के बजाए बेहतर फैसला दे सकता है, और अंत में ट्राई को तटस्थ भूमिका अदा करके अपनी विश्वसनीयता बहाल करनी चाहिए।

आर्थिक इतिहास में अनुभवमूलक प्रमाण कैंसर जैसी व्याधि के विकराल रूप धारण कर लेने से पहले संकट के संकेत देते हैं। यहां तक कि 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट से पहले स्टाकों के परिसंपत्ति मूल्य एवं रियल इस्टेट बुलबुले उठने जैसे संकेत मिलने लगे थे। देश, क्षेत्र अथवा कारपोरेट रातोरात नहीं गिर जाते लेकिन आगामी संकट के आने से पहले लक्षण नजर आने लगते हैं।

सरकार जोखिमों की पहचान करके क्षेत्रों की गिरती सेहत का आंकलन करने में अहम भूमिका निभाती है, चाहे वे कारपोरेट कुशासन, दोषपूर्ण नीतियों, अथवा चक्रीय बाजार दशाओं, अथवा वि-वैश्वीकरण के कारण आने वाली मंदी की वजह से पैदा हुई हों। इस मामले में एक चीज यह हुई है कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने सही समय पर हस्तक्षेप किया जब उन्होंने हाल ही में शिकारी गतिविधियों में लिप्त ई-वाणिज्य कम्पनियों को फटकार लगाई जिससे छोटे खुदरा व्यापारियों पर बुरा असर पड़ रहा है, जबकि ट्राई को तीन वर्ष पूर्व कीमत तय करके विनियामक भूमिका निभानी चाहिए थी। क्योंकि शिकारी मूल्य निर्धारण नुकसानदेह होता है जिस तरह कीमतें बढ़ती हैं।

भारत के निजी क्षेत्र के खिलाड़ी समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम हैं यदि विनियामक, अदालतें एवं सरकार की नीतियां बिजनेस करना सहज एवं सरल बनाएं। यद्यपि किसी भी देश ने विनियमन एवं मुक्त उद्यम के बीच सुनिश्चित एवं आदर्श संतुलन नहीं स्थापित किया है, मगर गतिरोध का समाधान निकालना अनिवार्य है, साथ ही साथ आधुनिक औद्योगिक आपूर्ति श्रंखला में अंतरसंबंध प्रभावित होते हैं और जोखिम जो शेष अर्थव्यवस्था से निकलकर आता है उस क्षेत्र पर हावी होते हैं। यदि समाधान नहीं निकलता, तो व्यवधान वर्षों तक जारी रह सकते हैं और सभी संलिप्त घटकों का मूल्य क्षरण होता है।

राज्यपाल, उपराज्यपाल की देश की संवैधानिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका: कोविंद

राज्यपालों व उपराज्यपालों के 50वें सम्मेलन में बोले राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि देश की संवैधानिक व्यवस्था में राज्यपाल और उपराज्यपाल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, खास तौर पर तब जब सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद की बात होती है। राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों के राज्यपालों एवं उपराज्यपालों के 50वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा, आज जब देश की प्रगति के हित में सहकारी संघवाद और स्वस्थ प्रतिस्पर्धी संघवाद पर जोर दिया जा रहा है तो राज्यपाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने आदिवासियों के कल्याण के संदर्भ में कहा कि आदिवासियों का विकास एवं सशक्तिकरण समावेशी विकास के साथ-साथ हमारी आंतरिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल विकास के मामले में अपेक्षाकृत पीछे रह गए इन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी संवैधानिक शक्तियों के उपयोग कर उचित मार्गदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी राज्यपालों को सार्वजनिक जीवन का पर्याप्त अनुभव प्राप्त है। देश के लोगों को उनके अनुभव का अधिक से अधिक लाभ मिलना चाहिए। अंततः हम सब जनता के लिए काम करते हैं और उनके प्रति जवाबदेह भी हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राज्यपाल की भूमिका केवल संविधान की रक्षा और संरक्षण तक सीमित नहीं है। उनकी अपने राज्य के लोगों की सेवा और कल्याण के लिए निरंतर काम करने की संवैधानिक प्रतिबद्धता भी है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों का इष्टतम उपयोग एवं संरक्षण हमारे देश की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हमें जल शक्ति अभियान को स्वच्छ भारत मिशन की तरह एक जन आंदोलन बनाना चाहिए। कोविंद ने कहा कि हमारी नई शिक्षा नीति का लक्ष्य भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमारे सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुलपति के रूप में राज्यपाल संरक्षक की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। इसलिए उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे भावी पीढ़ियों को कौशल एवं ज्ञान की प्राप्ति के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करें।

प्रधानमंत्री ने राज्यपालों एवं उपराज्यपालों से वंचित वर्गों की जरूरतों पर ध्यान देने को कहा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राज्यपालों एवं उपराज्यपालों से अल्पसंख्यक समुदायों और वंचित वर्गों की जरूरतों पर ध्यान देने और उनके उत्थान के लिए काम करने का आग्रह किया। राज्यपालों एवं उपराज्यपालों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघीय ढांचे को साकार करने में राज्यपाल की विशेष भूमिका है। यह सम्मेलन राज्यपालों और उपराज्यपालों के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने के साथ-साथ प्रत्एक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश की विशिष्ट एवं विविध आवश्यकताओं और उनके अनुकूल सर्वोत्तम अंर्ताष्ट्रीय प्रथाओं को अपनाने का अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने राज्यपालों और उपराज्यपालों से अनुरोध किया कि वे आम लोगों की जरूरतों पर ध्यान दें और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का समुचित निर्वहन करें। उन्होंने राज्यपालों से आग्रह किया, आप अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यक समुदायों, महिलाओं और युवाओं सहित कमजोर तबकों के उत्थान की दिशा में काम करें। मोदी ने कहा कि इसके लिए वे राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने के अलावा वर्तमान योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वनयन पर ध्यान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों का विशेष उल्लेख किया जहां रोजगार सृजन और गरीबों एवं दलितों की बेहतरी के लिए नए अवसर मौजूद है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल कार्यालय का उपयोग विशिष्ट उद्देश्यों जैसे तपेदिक के बारे में जागरूकता फैलाने और 2025 तक भारत को इस बीमारी से मुक्त बनाने के लिए भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने प्रशासनिक ढांचे के कारण केंद्र शासित प्रदेश विकास के मोर्चे पर आदर्श स्थापित कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि 2022 में भारत अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ और 2047 में 100वीं वर्षगांठ मनाएगा। ऐसे में प्रशासनिक तंत्र को देश के लोगों के करीब लाने और उन्हें सही राह दिखाने में राज्यपाल की भूमिका कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय संविधान के लागू होने की 70वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। ऐसे में राज्यपालों और राज्य सरकारों को भी भारतीय संविधान में विभिन्न सेवा पहलुओं को उजागर करने की दिशा में काम करना चाहिए, विशेष रूप से नागरिकों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में। उन्होंने कहा कि इससे सही मायने में सभी की भागीदारी वाला शासन स्थापित करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल हम महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहे है। इसलिए राज्यपाल एवं उपराज्यपाल इस अवसर का उपयोग गांधीवादी विचारों और मूल्यों की प्रासंगिकता बताने के लिए कर सकते हैं जो हमारे संविधान के एक महत्वपूर्ण आधार हैं। मोदी ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में अपनी भूमिकाओं में राज्यपाल हमारे युवाओं के बीच राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को विकसित करने और उन्हें अधिक से अधिक उपलब्धियों की ओर प्रेरित करने में मदद कर सकते हैं।

आरसीईपी समझौता हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं था: सीतारमण

एजेंसी। चेन्नई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करने के निर्णय के बारे में शनिवार को कहा कि इसके तहत की गई पेशकश हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं थी। आरसीईपी वार्ता में काफी लंबे समय तक शामिल रहने के बाद भारत ने इसी महीने बैंकाक में आरसीईपी शिखर सम्मेलन में समझौते पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। सीतारमण ने कहा, कुछ खास क्षेत्रों में हमारे लिए की जा रही पेशकश हमारी उम्मीदों के अनुरूप नहीं थीं। सीतारमण यहां छठा जी. रामचंद्रन स्मृति व्याख्यान दे रही थीं। आरसीईपी, दक्षिण पूर्वी एशिया के 10 देशों के समूह आसियान और भारत, चीन समेत उसके छह मुक्त व्यापार साझेदारों के साथ होने वाला एक वृहद आर्थिक समझौता है। इस समझौते पर बातचीत नवंबर 2012 में शुरू हुई थी। सीतारमण ने पीएमसी बैंक और आईएलएफएस में गड़बड़ियों के मुद्दे पर कहा कि सरकार बैंकिंग क्षेत्र के लिए और बेहतर नियामक व्यवस्था तैयार करने में लगी है ताकि खाताधारकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी निगरानी और पर्यवेक्षण भूमिका को और कारगर तथा मजबूत बनाने के उपाय शुरू कर दिए हैं। उन्होंने साथ ही कहा, इसके लिए किसी विधाई बदलाव या संशोधन की जरूरत हुई तो मैं वह करूंगी जिससे रिजर्व बैंक को अपने इस काम के लिए थोड़ी और शक्ति मिल सके। यह एक ऐसा मसला है जिस पर हम सब बात कर रहे हैं।

पिथौरागढ़ उपचुनाव के लिए प्रचार खत्म

देहरादून। पिथौरागढ़ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार शनिवार को थम गया। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। प्रचार के दौरान भाजपा ने लोगों से वोट मांगने के लिए खुद को ऐसी पार्टी बताया जो खाली ढोल पीटने के बजाय जनता की सेवा में यकीन रखती है। वहीं, कांग्रेस ने बढ़ती बेरोजगारी, बढ़ती कीमतें और उसकी सरकार के दौरान शुरू की गईं विकास योजनाओं के पूरा नहीं होने का मुद्दा दोहराया। पिथौरागढ़ में रामलीला मैदान में भाजपा उम्मीदवार चंद्र पंत के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दो साल में इस विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 350 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं जो इतने कम समय में किसी सरकार द्वारा जिले के लिए जारी की गई सबसे अधिक राशि है।

महाराष्ट्र का दंगल

दल-बदल विरोधी कानून को लेकर एकराय नहीं विशेषज्ञ

एजेंसी। नई दिल्ली

कानून के विशेषज्ञों का इस बारे में अलग-अलग विचार है कि दल-बदल विरोधी कानून कब प्रभावी होगा। एक विशेषज्ञ का कहना है कि सरकार गठन के समय इसका कोई प्रभाव नहीं होगा, जबकि दूसरे विशेषज्ञ का मानना है कि यह लागू होगा और यह मायने नहीं रखता कि विधायकों ने शपथ ली है या नहीं।

महाराष्ट्र में शनिवार सुबह भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और राकांपा नेता अजित पवार के क्रमशः मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद दल-बदल विरोधी कानून का मुद्दा सामने आया है। राज्य में आज सुबह तेजी से बदले घटनाक्रम के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि फडणवीस का समर्थन करने का फैसला उनके भतीजे अजित पवार का व्यक्तिगत निर्णय है और यह पार्टी का रुख नहीं है। साथ ही, जिन विधायकों ने अपना पाला बदला है उन पर दल-बदल विरोधी कानून के प्रावधान लागू होंगे। यह पूछे जाने पर कि महाराष्ट्र के मामले में कब और कैसे दल-बदल विरोधी कानून लागू होगा, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं संवैधानिक कानून विशेषज्ञ राकेश द्विवेदी ने कहा कि सरकार गठन के समय इसका कोई प्रभाव नहीं होगा, जो विधानसभा में विधायकों के शपथ ग्रहण से पहले हो चुका है।उन्होंने कहा, दल-बदल विरोधी कानून का सरकार गठन के समय कोई प्रभाव नहीं होगा। हमेशा ही विधायकों और सांसदों के शपथ ग्रहण से पहले सरकार का गठन होता है। उन्होंने कहा, बाद में कोई व्यक्ति दल-बदल का आरोप लगाते हुए स्पीकर के समक्ष अर्जी देता है। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि दल-बदल विरोधी कानून लागू होगा। उन्होंने कहा, दल-बदल विरोधी कानून लागू होगा। यह मायने नहीं रखता कि विधायकों ने शपथ ले ली है या नहीं। सिंह ने कहा कि अब तक सौदेबाजी जारी है और यही कारण है कि यह हो रहा है। उन्होंने कहा, इस (महाराष्ट्र के) मामले में मान लीजिए कि पार्टी (राकांपा) का एक धड़ा वास्तविक राकांपा होने का दावा कर रहा है। तब एक सवाल उठता है और चुनाव आयोग को इस बारे में फैसला करना होगा कि दल-बदल विरोधी कानून के उद्देश्य के लिए कौन सा धड़ा मुख्य राकांपा है। यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। मुख्य राकांपा वह होगी जिसके पास अधिक संख्या में विधायक होंगे। द्विवेदी ने कहा कि सरकार गठन के बाद राज्यपाल मुख्यमंत्री से विधानसभा में बहुमत साबित करने को कहते हैं, जिसके लिए सदन की बैठक बुलाई जाती है और अस्थाई विधानसभा अध्यक्ष विधायकों को शपथ दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर के चुनाव के बाद सदन में शक्ति परीक्षण होता है और तब यदि दल-बदल विरोधी कानून के सिलसिले में स्पीकर के समक्ष कोई अर्जी दी जाती है तो दल-बदल विरोधी कानून प्रभावी होता है। वहीं, एक अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता अजित कुमार सिन्हा ने कहा कि यदि अजित पवार का समर्थन कर रहे राकांपा विधायकों की संख्या दो - तिहाई या इससे अधिक है तो विधायकों की अयोग्यता का मुद्दा नहीं उठता। उन्होंने कहा, यदि दो-तिहाई या इससे अधिक विधायकों के साथ विलय होता है तो अयोग्यता लागू नहीं होगी। महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने के लिए अपनाए गए तरीके के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यदि वे लोग राज्यपाल के समक्ष बहुमत साबित करने में सक्षम हैं तो राज्यपाल इस पर आगे बढ़ने के लिए आबद्ध हैं। राज्यपाल को विधायकों के बहुमत के साथ समर्थन का पत्र दिया गया और उन्होंने इस पर कार्य किया तथा शपथ ग्रहण कराया। हालांकि, द्विवेदी ने महाराष्ट्र में सत्ता के लिए रस्साकशी के संभावित नतीजे और इस मामले में दल-बदल विरोधी कानून के प्रभाव पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर रहा क्योंकि मैं नहीं जानता कि किसके पास कितने विधायकों का समर्थन है।

पेज एक का शेष

फडणवीस बने ...

के नेतृत्व में अल्पमत वाली भाजपा सरकार बनाने के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के फैसले को चुनौती देते हुए इसे गैरकानूनी और एकपक्षीय बताया है। तीनों पार्टियों ने ऊपरी अदालत से गुजारिश की है कि सदन में 24 घंटे के मिलाने का फैसला उनका अपना निर्णय है, पार्टी का नहीं। शुक्रवार को संयुक्त बैठक के बाद, जब पवार ने उद्धव के मुख्यमंत्री बनने का ऐलान कर दिया था तब भी चर्चा शनिवार को भी जारी रखने की बात कहने वाली कांग्रेस भी हक्का बक्का रह गई। उसने फडणवीस सरकार के गठन को जनादेश के साथ विश्वासघात और भारतीय राजनीति के इतिहास का सबसे काला अध्याय करार दिया। यह सरकार गैरकानूनी तरीके से बनी है, यह कहते हुए उम्मीद जताई कि शिवसेना-राकांपा व कांग्रेस सरकार बनाने में कामयाब होंगी। विपक्षी दलों की आलोचनाओं का कड़ा जवाब देती भाजपा ने कहा कि उसके पास सरकार बनाने का चुनावी व नैतिक जनादेश है। इससे पहले, शनिवार सुबह पांच बजकर 47 मिनट पर राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के बाद महाराष्ट्र में राकांपा नेता अजीत पवार के सहयोग से फडणवीस सरकार ने कार्यभार संभाला। राज्य में 12 नवंबर को राष्ट्रपति शासन लागू हुआ था। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के (कार्य संचालन) नियमों के एक विशेष प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन हटाने के लिए कैबिनेट की मंजूरी दी। इस नियम के तहत प्रधानमंत्री के पास विशेष अधिकार होते हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा हस्ताक्षरित उद्घोषणा में कहा गया-संविधान के अनुच्छेद 356 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसार, मैं भारत का राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, मेरे द्वारा 12 नवंबर 2019 को महाराष्ट्र राज्य के संबंध में की गई उद्घोषणा को निरस्त करता हूं, जो 23 नवंबर 2019 से प्रभावी है। उद्घोषणा पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने शनिवार सुबह पांच बजकर 47 मिनट पर राजपत्र अधिसूचना को जारी किया। इसके साथ ही महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन खत्म हो गया और सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ। राष्ट्रपति शासन हटाने के लिए राष्ट्रपति को केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश की आवश्यकता होती है। चूंकि, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक नहीं हुई इसलिए केंद्र सरकार ने भारत सरकार के (कार्य संचालन) नियमों (12) को लागू किया। राष्ट्रपति शासन हटने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के देवेंद्र फड़णवीस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार ने महाराष्ट्र के क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में तड़के हुए शपथ ग्रहण समारोह के बारे में किसी को आभास तक नहीं हुआ और कुछ लोगों ने इसे गुप्त घटना बताया। फडणवीस के 2014 में शपथ ग्रहण समारोह में वानखेड़े स्टेडियम में हजारों लोग मौजूद थे।यह शपथ ग्रहण ऐसे समय में हुआ है जब मात्र एक दिन पहले शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के नाम पर सहमति बनी थी।फडणवीस की मुख्यमंत्री के तौर पर वापसी के साथ ही राज्य में महीने भर से चल रहा राजनीतिक गतिरोध खत्म हो गया।

राकांपा विधायक...

रही थी। कुछ ही देर बाद वे गायब हो गए और उनका फोन अनुपलब्ध। शरद पवार की बेटी और अजीत पवार की बहन सुप्रिया सुले (लोकसभा सांसद) ने व्हाट्सअप संदेश में लिखा कि वे ठगा हुआ सा महसूस कर रही हैं। उनका परिवार और पार्टी दोनों टूट गए हैं। इससे पहले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते पवार ने भाजपा से हाथ मिलाने को अजीत पवार का व्यक्तिगत निर्णय करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए उनके भतीजे अजीत पवार का भाजपा से हाथ मिलाने का फैसला अनुशासनहीनता है और यह दल-बदल विरोधी कानून के दायरे में आता है। पवार के मुताबिक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का कोई कार्यकर्ता राकांपा-भाजपा सरकार के समर्थन में नहीं है। साथ ही आगाह किया कि भाजपा का समर्थन करने वाले राकांपा विधायकों को पता होना चाहिए कि उनके इस कदम पर दल -बदल विरोधी कानून के प्रावधान लागू होते हैं। इन विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में जब कभी चुनाव होंगे तो कांग्रेस राकांपा औ शिवसेना मिलकर उन्हें हराएंगी। जहां तक अजीत पवार का सवाल है तो पार्टी की अनुशासन समिति उनके बारे में उचित निर्णय लेगी। भतीजे अजीत पवार ने किस भांति दगा दिया इसका ब्योरा देते पवार ने कहा कि राकांपा के 54 नव निर्वाचित विधायकों ने अंदरूनी उद्देश्यों के लिए अपने नाम और निर्वाचन क्षेत्रों के साथ एक पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। जाहिर है कि समर्थन पत्र के लिए इन हस्ताक्षरों का दुरुपयोग किया गया होगा तथा इसे राज्यपाल को सौंपा गया होगा। यदि यह सच है तो राज्यपाल को भी गुमराह किया गया है। चूंकि अजीत पवार राकांपा विधायक दल के नेता हैं लिहाजा यह पत्र उन्होंने इसी हैसियत से लिया होगा। पवार ने बताया कि पार्टी के विधायकों को धोखे में रखकर राजभवन ले जाया गया। शपथ ग्रहण समारोह की जानकारी के बगैर राजभवन ले जाए गए विधायकों ने बाद में उनसे संपर्क किया और बताया कि उन्हें कैसे गुमराह किया गया। बुलढाणा से राजेंद्र शिंगणे और बीड से संदीप क्षीरसागर समेत ऐसे तीन विधायक संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थे। विधायकों ने बताया कि उन्हें सुबह सात बजे पार्टी नेता धनंजय मुंडे के आवास बुलाया गया और फिर उन्हें कार से राजभवन ले जाया गया। पवार ने कहा कि उन विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी जो अनजाने में राजभवन गए थे और पार्टी में लौट आए हैं। शाम को धनंजय मुंडे भी लौट आए।

तिकड़ी पहुंची ...

भीतर ही शक्ति परीक्षण सुनिश्चित कराया जाए ताकि प्रदेश में खरीद-फरोख्त को रोका जा सके। साथ ही याचिका पर देर रात सुनवाई का भी आग्रह किया गया है। याचिका के मुताबिक, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल के 23 नवंबर 2019 को देंवेद्र फडणवीस की अगुवाई में भाजपा की अल्पमत सरकार का गठन कराने के एकपक्षीय एवं गैरकानूनी कदम से पैदा हुई गंभीर स्थिति में राहत पाने के लिए याचिकाकर्ता संविधान की धारा 32 के तहत तत्काल याचिका दायर करने पर मजबूर हो गए। सार्वजनिक तौर पर ऐसा कुछ भी नहीं है और, इसके बाबत भी कोई जानकारी नहीं है कि किस भांति देवेंद्र फडणवीस और भाजपा ने 22 और 23 नवंबर की मध्य रात्रि में सरकार बनाने का दावा पेश किया। ऐसी कोई सामग्री भी नहीं है जिससे पता लगे कि देवेंद्र फडणवीस ने 144 विधायकों का समर्थन पत्र (जो कि किसी भी हाल में कानूनन संभव नहीं है) सौंपा होगा। तीनों पार्टियों ने जोर देकर कहा है कि राकांपा के अजीत पवार को छोड़कर शिवसेना, राकांपा व कांग्रेस के सभी विधायक पूरी तरह और पूरी निष्ठा के साथ अपने दलों के साथ खड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट में जाने पर अंतिम मुहर राकांपा विधायक और अजीत पवार के करीबी धनंजय मुंडे के वाईवी चव्हाण सेंटर में हो रही पार्टी की बैठक में शामिल होने पहुंच गए। इससे पहले राकांपा प्रमुख शरद पवार के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने यह कहकर भाजपा पर वार किया कि पहले ईवीएम का खेल चल रहा था और अब यह नया खेल है। उन्हें नहीं लगता कि अब से चुनाव कराने की कोई आवश्यकता भी होगी। इसके बाद परोक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि हर कोई यह जानता है कि जब छत्रपति शिवाजी महाराज को धोखा देकर उन पर पीछे से वार किया गया था तो उन्होंने क्या किया था। शिवसेना के कार्यकर्ता पार्टी के विधायकों के दल-बदल कराने की सभी कोशिशें नाकाम कर देंगे।

शाह के हिटमैन ...

फडणवीस ने जनता से वादा किया था कि अजित पवार को जेल में डालेंगे लेकिन आज उन्हें उप मुख्यमंत्री बना दिया गया। इससे पहले मुंबई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने कहा कि देवेन्द्र फडणवीस ने जिस गुपचुप तरीके से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसे राज्य के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बेशर्मी की सारी हदें लांघ दी है। जब मुख्यमंत्री को गुपचुप तरीके से शपथ दिलाई गई तो न तो बैंड-बाजा था, न ही बराती थे। शिवसेना और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बनाने में कांग्रेस के चलते विलंब हुआ, इस आरोप को निराधार बताकर खारिज दिया। हालांकि अन्य पार्टी नेता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा को तीन दिनों के भीतर बातचीत पूरी कर लेनी चाहिए थी। बातचीत बहुत लंबी चली। मौका दिया गया तो फायदा उठाने वालों ने इसे तुरंत लपक लिया। सिंघवी ने अजीत पवार के उप मुख्यमंत्री बनने पर तंज कसते हुए कहा कि पवार जी तुस्सी ग्रेट हो। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविद से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है जबकि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व दिग्गज कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सुझाव दिया कि शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा को अपनी ताकत जमीन पर दिखाते हुए मुंबई की सड़कों पर उतरना चाहिए। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जी ए मीर ने भाजपा का उपहास उड़ाते हुए कहा कि अजित पवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाने के बाद भाजपा ने एक ही रात में अपने गंगाजल से उन्हें शुद्ध कर दिया।

रिजॉर्ट राजनीति...

बेहद जरूरी है। पिछले 24 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भी कांग्रेस ने अपने विधायकों को पार्टी शासित राजस्थान भेज दिया था। वहां उन्हें संभालने का दायित्व सोनिया गांधी के भरोसेमंद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निभाया था। शिवसेना ने भी अपने विधायकों को ऐहतियातन मुंबई के एक होटल में टिकाया था।

चोर दरवाजे...

बाला साहब ठाकरे के आदर्शों को जीवित नहीं रख सके उनके विषय में कुछ कहना बेमानी होगा। उनका (बाला साहब) कांग्रेस विरोध जग जाहिर है, उनकी राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रवाद और भारत की संस्कृति-संस्कार के प्रति समर्पण प्रमाणिक है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जनादेश भाजपा और शिवसेना गठबंधन को था और मुख्यमंत्री का मैनडेट (जनादेश) बड़ी पार्टी भाजपा और देवेंद्र फडणवीस को मिला था। चुनाव नतीजे आने पर शरद पवार और कांग्रेस ने कहा था कि उन्हें विपक्ष में बैठने का जनमत मिला है। फिर विपक्ष में बैठने का जनमत कुर्सी के लिए मैच फिक्सिंग कैसे बन गया। भाजपा नेता ने कहा कि कुछ लोग छत्रपति शिवाजी की विरासत की बात कर रहे हैं उन्हें यह सलाह है कि सत्ता के लिए अपने विचारों से समझौता करने वाले लोग कम से कम छत्रपति शिवाजी की बात न करें। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि भ्रष्टाचार का पर्यायवाची बन चुकी कांग्रेस के साथ जाकर शिवसेना ने राज्य के लोगों को धोखा दिया। कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की विरोधी रही है, फिर भी शिवसेना ने उसके साथ हाथ मिलाने का फैसला किया। जावडेकर ने एक ट्वीट में कहा, देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की बधाई। उनका मुख्यमंत्री बनना जनादेश का सम्मान करना है जबकि शिवसेना और कांग्रेस द्वारा पकाई जा रही खिचड़ी जनादेश के खिलाफ थी।

कच्ची कॉलोनियों ...

को सुगम बनाने के लिए डीडीए अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में 25 से 30 सहायता केन्द्र एक दिसंबर से शुरु कर देगा। इन केन्द्रों में लोगों को पंजीकरण की आवेदन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए निः शुल्क मदद की जाएगी। ग्रामीण इलाकों में मौजूद अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया में कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल ने 20 दिसंबर को ऐसे 79 गांवों को शहरी क्षेत्र में घोषित कर दिया है। इसके अलावा अनधिकृत कॉलोनियों के जुड़ी जमीन पर भू -उपयोग में बदलाव से जुड़े मुकदमों को भी सरकार वापस लेगी, उपराज्यपाल जल्द ही इस आशय के फैसले की घोषणा कर देंगे।

सीवर में...

पर कुछ लोग खड़े थे जब दो मजदूर नाले में सफाई करने के लिए उतरे थे। उनमें से एक भी बाहर वापस नहीं आया। उनके साथियों ने आवाज लगाकर उन्हें बुलाया लेकिन अंदर को कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद एक-एक करके बाहर खड़े तीन अन्य मजदूर भी अपने साथियों को बचाने के लिए सीवर में बिना किसी सुरक्षा उपकरण उतर गए लेकिन वो भी बाहर नहीं आए। बाहर खड़े कुछ अन्य लोगों को किसी अनहोनी का शक हुआ तो उन्होंने पुलिस नियंत्रण कक्ष को घटना की जानकारी दी। इस बीच लोगों ने खुद भी मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश भी की। विभाग के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। इस बीच ठेकेदार वहां से भाग गया। कुछ मजदूरों ने बताया कि सीवर में पहले भी कई बार इसी तरह से मजदूर हादसे का शिकार हो चुके हैं। लेकिन विभाग अपने मजदूरों की सुध नहीं लेता है। घटना की जानकारी मिलने पर लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन अस्पताल में भर्ती मजदूरों का हालचाल लिया और उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया। डॉक्टरों ने बताया कि दो श्रमिकों को इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई है।

सिविल सोसाइटी प्रतिनिधिमंडल को पुलवामा जाने की नहीं मिली अनुमति

श्रीनगर (भाषा)। पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के नेतृत्व में सिविल सोसाइटी के पांच सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल को आतंकी हमले की संभावना के चलते पुलिस ने शनिवार को पुलवामा जिले में प्रवेश करने की अनुमति प्रदान नहीं की। पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त और कन्सर्न्ड सिटीजन ग्रुप के सदस्य वजाहत हबीबुल्लाह ने यहाँ संवाददाताओं से कहा, हमारी पुलवामा जाने की योजना थी लेकिन वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (सुरक्षा) ने कहा कि स्थिति अनुकूल नहीं है और आतंकी हमले की संभावना है। इसलिए समूह ने वहां न जाने का निर्णय लिया। हमें श्रीनगर से बाहर कहीं भी न जाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि कश्मीरियों की समस्याओं को जानने के लिए समूह ने कई लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमने कई लोगों से मुलाकात की जिन्होंने हमें अपनी समस्याओं और मुद्दों से अवगत कराया। यहाँ आने का हमारा लक्ष्य शेष भारतीयों को उन मुद्दों से अवगत कराना है। कश्मीर घाटी के लोग जिन दिक्कतों का सामना कर रहे हैं हम उन्हें देश के लोगों के सामने रख सकते हैं।

पंजाब सरकार ने डेरा बाबा नानक से करतारपुर गलियारे तक बस सेवा शुरू की

चंडीगढ़ (भाषा)। श्रद्धालुओं की परेशानी को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार ने गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से करतारपुर गलियारे तक बस सेवा की शुरुआत की है। परिवहन मंत्री रजिया सुल्ताना ने कहा कि बसों का परिचालन शनिवार से शुरू हो गया है। उन्होंने बयान में कहा, बस सेवा डेरा बाबा नानक बस स्टैंड से सुबह आठ बजकर 45 मिनट पर शुरू होगी और करतापुर गलियारे के प्रवेश द्वार पर सुबह नौ बजे पहुंचेगी। शाम को बस करतारपुर गलियारे से चलकर करीब सवा पांच बजे बस स्टैंड पर पहुंचेगी। रजिया सुल्ताना ने बताया कि यात्रियों की संख्या के आधार पर बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

कम हुआ गुस्सा

पश्चिम बंगाल की राजनीति में जिस तरह ममता बनर्जी को दीदी कहा जाता है, ठीक इसी तरह यह यूपी की राजनीति में भी एक दीदी हैं। दीदी पिछले काफी दिनों से बहुत नाराज चल रही थीं। होती भी क्यों न भला। चुनाव जीतने का खामियाजा उन्हें कैबिनेट मंत्री जैसा पद गंवा कर चुकाना जो पड़ा था। दीदी की राजनीति का पूरा बचपना और जवानी भी यूपी की धरती पर गुजरी लेकिन अब दिल्ली जाने से सखी-सहेलियां भी छिन गई हैं। इससे उनकी नाराजगी और भी बढ़ गयी है। दीदी के इस गुस्से को उनके अपने यानि यूपी के राजनेताओं ने नहीं समझा लेकिन शीर्ष नेतृत्व ने जरूर सूंघ लिया। इससे पहले की दीदी का गुस्सा विस्फोटक होता उन्हें सम्माजनक पद थमा दिया गया। केन्द्र सरकार में नयी जिम्मेदारी पाने के बाद दीदी के गुस्से का उबाल जरूर थमा है लेकिन भूख अभी खत्म नही हुई है। दीदी को अभी केन्द्र में और कुछ जिम्मेदारी मिलने का इंतजार है। इसके लिये वह अपने करीबियों से राजनीति में अपनी वरिष्ठता को गिनाती हैं। परन्तु दीदी यह भूल गयीं कि जिस पार्टी में वह अपनी वरिष्ठता को गिना रही हैं वहां तो वह काफी जूनियर हैं। यह अलग बात है कि दूसरे दलों में उन्होंने राजनीति की अपनी जवानी को कुर्बान किया था।

रास्ता सूझे न

खाकी वाले महकमे में जैसे-जैसे मुखिया का रिटायरमेंट करीब आता जा रहा है अफसरों में बेसब्री और कन्फ्यूजन दोनों ही बढ़ते जा रहे हैं। बेसब्री जहां इस बात को लेकर है कि भगवा सरकार का अगला भरोसेमंद कौन होगा? किसे मिलेगी महकमे की कमान? वहीं कन्फ्यूजन की वजह यह है कि मुखिया का रिटायरमेंट होगा कि उन्हें सेवा विस्तार मिलेगा? दरअसल महकमे के अफसर भविष्य की संभावनाओं पर पैनी दृष्टि रखते हैं। संभावित नए मुखिया के घर और कार्यालय में ये अफसर काफी समय पहले से ही चक्कर लगाकर अपनी गणित बिठाने में जुट जाते हैं लेकिन इस बार मुखिया जिस प्रकार अपना दम खम दिखा रहे हैं और बड़े महाराज उन्हें मान रहे हैं उससे कोई भी पुख्ता तरीके से दावा नहीं कर पा रहा कि उन्हें सेवा विस्तार मिलेगा कि रिटायरमेंट।

भैंसों के पीछे साहब

शहर के नये मंत्री की फटकार के बाद नगर निगम के बड़े साहब निकल पड़े तबेले को हटाने। वर्षों से हाईकोर्ट के आदेश पर भी विभाग के कान पर जूं नहीं रेंगी थी। जहां देखो भैंसों का जमघट, कतारबद्ध जाती भैंसें मिल जातीं। बहुधा भैंसों के निकलने पर रास्ता जाम की

भयंकर समस्या का सामना जनता को करना पड़ता। भैंसो के मालिक कहीं प्लाट और सड़क के किनारे डेरा डाले मिल जाते लेकिन अचानक मंत्री की फटकार ने साहब को खड़बड़ा दिया है। आबादी से लेकर पार्क तक, कुकरैल बंधे के नीचे से लेकर जंगल तक खाक छानने में जुट गए। बेचारे पुलिस के साथ कैटिल कैचिंग दस्ते पूरे शहर में भैंसो को ढूंढने में जुट गए। आलम यह कि डरे डेरी संचालक जंगलों और बंद घरों में जानवरों को छुपाते फिर रहे हैं। उनके पीछे बड़े साहब भैंसों को गिरफ्त में लेने को तैयार बैठे हैं। जिधर देखो उधर भैंस प्रेमी नगर निगम के साथ मंत्री पर खफा हैं। कुछ तो यहां कहते फिर रहे हैं कि यह दिनन खातिर इनका जितवाएन रहन। बेचारे तबेले वाले, मरता क्या न करता वाले हाल में हैं। इनके सामने इधर कुआं, उधर खाईं से परेशान डेरी संचालक साहब के डंडे से दूर भागते फिर रहे हैं। कहने वाले यहां तक कह रहे हैं, घरों से कूड़ा उठाया नहीं जा रहा है, लेकिन जंगलों से भैंसे उठाने में अधिकारी जुटे हैं।

कुर्सी की किचकिच

यूपी की नौकरशाही में इस समय कुर्सी के लिए खींचतान चरम पर है। हाल यह है कि प्रमुख पदों पर आसीन होने के लिए अधिकारियों में गुटबाजी जमकर सामने आई है। मजेदार बात है कि सूबे के चीफ साहब की कुर्सी पाने के लिए जोड़-तोड़ थमी नहीं है। मौजूदा चीफ साहब ने जहां नागपुर दरबार को सेट कर लिया है तो वहीं दूसरी तरफ यूपी में एक वरिष्ठ अधिकारी जो इस पद के लिए लालायित हैं उनको रोकने के लिए प्रतिनियुक्ति पर जा रहे एक साहब का कार्यकाल प्रदेश सरकार ने बढ़ा दिया है। यानि अब वह साहब दिल्ली नहीं जाएंगे। यह तो स्पष्ट हो गया कि यूपी के चीफ पद का नाम अब दिल्ली दरबार से ही तय होगा। वहीं वित्त विभाग के सर्वे-सर्वा एक साहब से सभी विभागों के प्रमुख इतने परेशान हो गए हैं कि अब सब ने मिलकर उनको इस कुर्सी से हटाने का बिगुल फूंक दिया है। यह बिगुल अब शीात युद्ध की तरह सामने आ रहा है। यह सही है कि जनवरी तक जो गणित इस समय नौकरशाही में चल रही है उसके परिणाम हर हाल में आ जाएंगे।

देख दिनन के फेर

अपने संस्थान में पुराने मुखिया को सलाम ठोकने में जो लोग अपनी तौहीन समझते थे, वहीं अब वैकल्पिक सरकार के मुखिया को सलाम ठोकते नहीं थक रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि पुराने मुखिया के जाते ही उनके पुराने दिन लौट आये हैं, मगर उनको इस बात का जरा भी मलाल नहीं है कि वह कहां खड़े हैं। बताने वाले बताते हैं कि एक वो दौर था जब विवि की कमान संभाले आचार्य जी से मिलने के लिए ब्यूरोक्रेसी के सबसे बड़े मुखिया को परमीशन लेनी पड़ती थी। आचार्य जी केवल राजभवन की बैठकों में ही जाया करते थे। यह हनक एक दशक पहले तक कायम रही। उसके बाद धीरे-धीरे सियासत के गलियारे की चकाचौंध ने कई चक्कर काटे। अधिकतर शासन स्तर की बैठकों में शिरकत करने लगे। बैठकों में शिरकत तक तो ठीक रहा मगर अब जो हो रहा है उसे गरिमा के लिहाज से उचित नहीं माना जा सकता है। वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर कमॉन संभाल रहे मुखिया के आगे शिक्षक ऐसे नमतस्तक हो रहे हैं, जैसे भगवान के सामने मांगने की मुद्रा में खड़े हों। चाय पर चर्चा का दौर और नई प्लानिंग में सेंटिंग, बस यही रोज का एजेंडा बन गया है। ऐसे में नये मुखिया को भी वाहवाही रास आ रही है।

पूरे देश में लागू होगा एनआरसी: राजनाथ

● महाराष्ट्र में चल रही राजनैतिक उठापटक पर बोले रक्षा मंत्री, यह राज्यपाल का विशेषाधिकार है कि वह किसे आमंत्रित करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महाराष्ट्र में चल रहे सियासी ड्रामे के बीच लखनऊ में अपने तीन दिन के प्रवास के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह राज्यपाल का विशेषाधिकार है कि वह किसे आमंत्रित करते हैं। शनिवार को राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। महिला संगठन फिक्की के कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद मीडिया से बात करते हुए शिवसेना-राकांपा और कांग्रेस के बीच उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर सहमति बनने के बाद नाटकीय ढंग से देवेन्द्र फडणवीस के मुख्यमंत्री और अजित पवार के उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बीच उन्होंने कहा कि इस समय जिस कार्यक्रम में यहां आया हूं, कोई राजनीतिक बात नहीं कहना चाहता। यह राज्यपाल का विशेषाधिकार था। संतुष्ट होने पर राज्यपाल को जिसे आमंत्रित करना था, उन्होंने आमंत्रित किया। फिक्की महिलाा संगठन के कार्यक्रम में एक महिला उद्यमी द्वारा एनआरसी के मसले पर पूछे गए सवाल को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूरे देश में एनआरसी लागू करेगी पिछली बार जब मैं गृहमंत्री था तो इसे सबसे पहले आसाम में लागू किया गया था। अब मौजूदा गृहमंत्री अमित शाह इसे पूरे देश में लागू करने का प्लान बना रहे हैं। सेना में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जब वह राष्ट्रीय अध्यक्ष थे तो उन्होंने संगठन में जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक महिलाओं को संगठन में आरक्षण दिया गया था। जो महिलाएं जीतकर आती हैं उनका स्वागत है और अन्य दल भी महिलाओं को आरक्षण देते हैं।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही सरकार

● राजनाथ सिंह ने फेस टू फेस में महिला उद्यामियों से किया संवाद

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन लखनऊ के चैप्टर ने महिला उद्यामियों से संवाद किया। कार्यक्रम कैंट में आयोजित किया गया था। राजनाथ सिंह ने लखनऊ में 16 से अधिक फ्लो चैप्टरों से आये 300 फ्लो प्रतिनिधियों के साथ यहां बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण में सामाजिक परिवर्तन के प्रतिनिधियों के रूप में फ्लो जैसे संगठनों की भूमिका हमारे राष्ट्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान दे सकती हैं। सिंह ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं। महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उन्हे पूर्ण रूप से मिले जिसके लिए सामाजिक संगठनों की भूमिका बहुत ही अहम है। हमारा यही प्रयास रहेगा कि फिक्की फ्लो के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर हमारी सरकार की योजनाओं का लाभ उन महिलाओं को दिलाएं जो इनकी पात्र हैं। कार्यक्रम के दौरान सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका, संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले विधेयक, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित रूप से सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपाय और कृषि में सुधार और अन्य चीजों के साथ महिलाओं द्वारा अधिक भागीदारी करने के लिए कई विषयों पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष फ्लो हरजिंदर कौर ने सरकार में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए कहा कि हम महिलाओं के उत्थान से संबंधित विषयों को बढ़ावा देने के लिए राजनाथ सिंह के योगदान को सराहा और कहा कि उरनके मार्गदर्शन में हम सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

संगठन की मजबूती व बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर हुई चर्चा

● कांग्रेस मुख्यालय में हुई मानवाधिकार विभाग की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस मानवाधिकार विभाग की समीक्षा बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के साथ ही प्रदेश की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चर्चा हुई। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव एवं प्रभारी फ्रंटल एवं विभाग शबाना खंडेलवाल ने की। संचालन विभाग के चेयरमैन वीरेन्द्र नाथ त्रिपाठी एडवोकेट ने किया।

खंडेलवाल ने कहा कि आम जनता के हितों एवं उनके अधिकारों के लिए मानवाधिकार विभाग को पूरी तत्परता के साथ कार्य करते हुए संघर्ष करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में होने वाले मानवाधिकार हनन के मामले में उत्तरप्रदेश कांग्रेस मानवाधिकार विभाग को पूरी ताकत के साथ आवाज उठानी है।

विभाग के चेयरमैन वीरेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने विभाग के सभी पदाधिकारियों से पूरे जोश और उत्साह के साथ संगठन को मजबूत बनाने व प्रदेशवासियों के मानवाधिकारियों की रक्षा का संकल्प लिया।

बैठक में प्रमुख रूप से मानवाधिकार विभाग के संयोजक मोहम्म मुर्तजा खान एडवोकेट, राम प्रसाद गुप्ता एडवोकेट, आलोक कुमार वर्मा मंडल अध्यक्ष लखनऊ, ओम प्रकाश शर्मा, मोहम्मद रईस, डॉ. अहमद, किरन बाला, चमन सिंह, रामनाथ अवस्थी, विमलेश, अबू लैस, आयशा खान एडवोकेट सहित प्रदेश व जिलों से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झण्डा दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने शनिवार को सीएम आवास पहुंचकर योगी आदित्यनाथ को झण्डा लगाया। इस मौके पर सीएम योगी ने झण्डा दिवस पर पुलिस बल को बधाई दी।

यूपी पुलिस के प्रत्येक जवान ने झंडे की आन-बान-शान को बढ़ाया: डीजीपी

● पुलिस मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया झंडा दिवस समारोह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी ओपी सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश पुलिस दृढ़ प्रतिज्ञ है कि हम अपने प्रदेश एवं लोगों की सुरक्षा करते हुए अपने ध्वज के सम्मान को बनाए रखेंगे। हम अपने ध्वज की गरिमा को आगे ले जाने के लिये कर्तव्य के पथ से किसी भी स्थिति में विचलित नहीं होंगे। एक प्रदेश, एक बल, एक ध्येय एवं एक ही कर्तव्य सिर्फ लोक सेवा यही हमारा उद्देश्य है।

डीजीपी शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजि पुलिस झंडा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस ध्वज को ध्वज स्तम्भ के निकट ससम्मान लाया गया। डीजीपी सहित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने ध्वज का अभिवादन किया गया एवं बैण्ड द्वारा 'भारत के जवान' धुन बजायी गयी। अपने संबोधन में डीजीपी ने कहा कि शक्ति एवं निष्ठा के प्रतीक, लाल एवं नीले रंग के ध्वज ने उत्तर प्रदेश पुलिस को एक गौरवमयी पहचान दी है। ब्रिटिश उपनिवेश के पुलिस-बल से पुलिस-विभाग तक की यात्रा उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए एक गौरव गाथा है। उत्तर प्रदेश पुलिस का इतिहास वस्तुत: आधुनिक भारत के जनसंघर्ष के साथ सामाजिक-आर्थिक एवं राजनैतिक विकास का प्रामाणिक इतिहास है जो धीरे-धीरे परन्तु लगातार लोक व्यवस्था के प्रति अधिक जवाबदेह होता जा रहा है।

पुलिस प्रमुख ने कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से 2 सितम्बर 2019 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में नवीन पुलिस मुख्यालय का लोकार्पण किया गया। इस भवन में मुख्यालय डीजीपी सहित कुल 13 शाखायें स्थापित हैं। संगठनात्मक विकास के चरण में राज्य आपदा मोचन बल के भवन, जनपद सुल्तानपुर एवं जालौन में दो पुलिस ट्रेनिंग स्कूल एवं लखनऊ में एकीकृत आपात सेवा 112 का शुभारम्भ मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। पुलिस बजट का समायोजन पारदर्शी तरीके से करने के उद्देश्य से बजट मॉनीटरिंग सिस्टम को भी लागू किया गया है। शीघ्र ही पुलिस एवं फ ारेसिंक विश्वविद्यालय की स्थापना की जएगी।

प्रदेश पुलिस की उपलब्धियां बताते हुए डीजीपी ने कहा कि हमने संगम के पावन तट पर भव्य कुम्भ एवं वाराणसी में प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन व लोकसभा चुनाव 2019 को कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराया है। जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हुई है। अभी हाल ही में अयोध्या प्रकरण में प्रदेश में पूर्ण शान्ति व सुदृढ़ कानून-व्यवस्था की स्थापना करके उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रत्येक जवान ने झण्डे की आन-बान-शान को बढ़ाया है।

एससी-एसटी छात्रों को मुख्यधारा से वंचित कर रही भाजपा सरकार

● सरकार के दमनकारी फैसले के खिलाफ सपा 26 को करेगी आन्दोलन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी 26 नवम्बर को प्रदेश के प्रत्येक जिले में बड़ा आन्दोलन करने जा रही है। इसका एलान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए सरकारी और निजी शिक्षण संस्थाओं में नि:शुल्क प्रवेश की व्यवस्था समाप्त कर उन्हें उच्च शिक्षा तथा रोटी-रोजगार से वंचित करने की साजिश की है।

उन्होंने कहा कि इस दमनकारी फैसले को वापस कराने के लिए समाजवादी पार्टी संविधान दिवस के लिए 26 नवम्बर को बड़ा आन्दोलन करेगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि अनुसूचित जाति/जनजाति के अधिकांश छात्रों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। यही कारण है कि इस वर्ग के छात्र प्राइवेट संस्थानों के प्रोफेशनल कोर्सेज में प्रवेश नहीं ले पाते थे। ऐसे में इस वर्ग के छात्रों का ध्यान रखते हुए पूर्व की सरकारों ने जीरो फीस की व्यवस्था की थी।

जिसके अंतर्गत इन वर्ग के गरीब छात्रों की फीस का निर्वहन सरकार करती थी। वर्तमान भाजपा सरकार ने जीरो फीस की इस महत्वपूर्ण सुविधा को खत्म कर दिया है। इतना ही नहीं अब सरकारी संस्थानों में भी सिर्फ 60 फीसदी से ज्यादा अंक पाने वाले छात्रों को ही

छात्रवृत्ति दिए जाने का प्रावधान कर दिया गया है। यह गरीब छात्रों के लिए बड़ा आघात है। शिक्षा के साथ ही साथ सरकारी नौकरी, प्राइवेट नौकरी और रोजगार के अवसरों को भी सीमित कर दिया गया है। इसका नकारात्मक असर वंचित समाज के सभी वर्गों पर पड़ रहा है। सरकार द्वारा ऐसा करने के पीछे का मकसद साफ है।

वह अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों को मुख्यधारा से वंचित कर रही हैं जिससे कि समाज में समानता-असमानता जैसी कुरीति विद्यमान रहे। शिक्षा से वंचित कर सरकार, अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों को अपराधी बनाना चाहती है। उदाहरण के तौर पर जिन राज्यों में क्षेत्रों में शिक्षा, रोजगार की कमी है वहां पर अपराध का ग्राफ काफी अधिक होता है। वर्तमान समय में सरकार की इस गलत नीति से एक पीढ़ी ही नहीं बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के जीवन को बर्बाद करने का निर्णय लिया जा चुका है। मौजूदा सरकार के इस दमनकारी फैसले को वापस करवाने की पक्षधर समाजवादी पार्टी है।

सपा के समस्त विधायकों की बैठक कल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी मुख्यालय में सोमवार 25 नवम्बर को पार्टी के समस्त विधायकों की बैठक बुलाई गई है।

इस बैठक में पार्टी विधायकों के साथ ही पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। पार्टी मुख्यालय में पूर्वाह्न 11 बजे से होनी वाली इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव करेंगे। माना जा रहा है कि अचानक पार्टी विधायकों की बुलाई गई इस बैठक में 26 नवम्बर को हो रहे विशेष सत्र के दौरान विपक्ष की मजबूत भूमिका दर्शाने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी।

खालिस्तानी आतंकियों को हथियार व गोला बारूद सप्लाई करने वाले दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खालिस्तानी आतंकवादियों को हथियार और गोला-बारूद की सप्लाई करने वाले वांछित चल रहे अभियुक्त राज सिंह को उसके एक साथी सहित आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने शामली से गिरफ्तार किया। एटीएस को गोपनीय जानकारी मिली कि राज सिंह निवासी गोगवान, जलालपुर, शामली खालिस्तानी आतंकियों को हथियार सप्लाई करने जा रहा है। एसटीएफ तुरंत सक्रिय हुई और शामली के गुरुद्वारा तिराहे के पास से राज सिंह और उसके एक अन्य साथी आसिफ को गिरफ्तार किया।

जिनके कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल, 315 बोर का एक तमंचा और कारतूस व मोबाइल फोन बरामद हुए। एटीएस के अनुसार ज्ञात हुआ कि राज सिंह निवासी गोगवान ए जलालपुर, शामली मोहाली पंजाब के थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल के मुकदमे में वांछित चल रहा है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में गिरफ्तार अभियुक्त लखवीर सिंह पुरहरजिन्दर सिंह निवासी दुदियाना कलान, पोस्टहरीयाना, जनपद होशियारपुर, पंजाम व अन्य की पूछताछ में यह बात प्रमाणित हुई थी कि अभियुक्त राज सिंह, मुख्य अभियुक्त लखवीर सिंह को पैसा लेकर 10 हैण्ड ग्रेनेड, 1 पिस्टल और 20 जिन्दा कारतूस देने वाला था। राज सिंह हथियार और गोला-बारूद कहां से प्राप्त करता था और अभी तक किस-किस को सप्लाई किया है? इस संबंध में विस्तृत पूछताछ जारी है।

ग्यारह डिप्टी एसपी के तबादले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी ओपी सिंह ने प्रांतीय पुलिस सेवा के डिप्टीएसपी स्तर के 11 अधिकारियों का तबादला कर दिया। इनमें आठ ऐसे डिप्टीएसपी भी शामिल हैं जिन्हें पिछले दिनों कोर्ट के आदेश पर इंस्पेक्टर पद पर रिवर्ट कर दिया गया था। जिन्हें वापस डिप्टी एसपी बनाते हुए नई तैनाती प्रदान की गयी है। इंस्पेक्टर पद पर रिवर्ट हुए जिन अफसरों को पुन: डिप्टी एसपी पद पर तैनाती प्रदान की गयी है उनमें दीपचंद्र को बलिया, वैद्यनाथ प्रसाद को 15वीं वाहिनी पीएसी आगरा, राम सागर को मुरादाबाद, विनय कुमार गौतम को गाजीपुर, योगेंद्र सिंह मलिक को फतेहपुर, धर्मेश कुमार शाही को प्रतापगढ़, अखिलेश कुमार सिंह को ईओडब्लू वाराणसी और गिरिजाशंकर त्रिपाठी को मुजफ्फरनगर में डिप्टी एसपी बनाया गया है। इनके अलावा श्वेता आशुतोष ओझा को मऊ से मंडलाधिकारी प्रयागराज, वंदना मिश्रा को पीटीएस मेरठ से उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड आगरा और कुलभूषण ओझा को 10 वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी से गाजीपुर जिले में डिप्टी एसपी पद पर भेजा गया है।

शरद पवार को राजग में शामिल होना चाहिए, पुरस्कार मिलेगा: अठावले

भाषा। पटना

महाराष्ट्र की राजनीति में नाटकीय मोड़ के लिए शिवसेना को जिम्मेदार ठहराते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार से राजग के खेमे में शामिल होने का अनुरोध किया और संकेत दिया कि ऐसा करने से उन्हें केंद्र में महत्वपूर्ण पद का पुरस्कार मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि पवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले अपने बागी भतीजे अजित पवार का भी समर्थन करना चाहिए। तीस नवंबर को होने वाले शक्ति परीक्षण से पहले अजित पवार नीत खेमे के समक्ष कठिनाई के बारे में पूछे जाने पर अठावले ने कहा, शरद पवार को भी अपने रुख में बदलाव लाने के बारे में सोचना चाहिए और राजग में शामिल होना चाहिए। उन्हें केंद्र में कोई अच्छा पद मिल सकता है। महाराष्ट्र आधारित दलित समर्थक पार्टी आरपीआई का नेतृत्व करने वाले अठावले यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। अठावले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री हैं। महाराष्ट्र में महीने भर चले गतिरोध के बाद सियासी उलटफेर में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और राकांपा के अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने हैं। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि समय आने पर शिवसेना की चिंताओं का निराकरण हो सकता था। लेकिन उसने नाराजगी दिखाई और इससे गतिरोध हुआ।

आखिरकार आज के समय के चाणक्य अमित शाह ने उन्हें मात दे दी। घटनाक्रम पर तुकबंदी करते हुए अठावले ने कहा, भाजपा ने कांग्रेस को लटका दिया है, शिवसेना को झटका दिया है और राकांपा को सरकार में अटका दिया है।

शिवसेना ने भ्रष्ट कांग्रेस के साथ जाकर लोगों को धोखा दिया: जावड़ेकर

भाषा। पुणे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी बार कमान संभालने के लिए देवेंद्र फड़णवीस को बधाई देते हुए केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को कहा कि भ्रष्टाचार का पर्यायवाची बन चुकी कांग्रेस के साथ जाकर शिवसेना ने राज्य के लोगों को धोखा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की विरोधी है, फिर भी शिवसेना ने उसके साथ हाथ मिलाने का फैसला किया। फड़णवीस ने शनिवार की सुबह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस घटनाक्रम से राजनीतिक गलियारों में भूचाल आ गया है क्योंकि शविसेना, राकांपा और कांग्रेस राज्य में सरकार बनाने के लिए पिछले कुछ दिन से चर्चा कर रही थीं। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने घोषणा भी कर दी थी कि मुख्यमंत्री पद के लिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे तीनों दलों की पसंद हैं। जावड़ेकर ने एक ट्वीट में कहा, देवेंद्र फड़णवीस को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की बधाई और मुख्यमंत्री बनना लोगों के जनादेश का सम्मान करना है। उन्होंने कहा कि (शिवसेना और कांग्रेस) द्वारा पकाई जा रही खिचड़ी लोगों के जनादेश के खिलाफ थी।जावड़ेकर ने एक अन्य ट्वीट में कहा, लोगों ने भाजपा गठबंधन को वोट दिया था। शिवसेना ने लोगों और जनादेश को धोखा दिया तथा राम मंदिर और वीर सावरकर का विरोध करने वाली कांग्रेस के साथ जाने का फैसला किया।

क्रिकेट और राजनीति में कुछ भी हो सकता है: गडकरी

भाषा। नागपुर (महाराष्ट्र)

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि क्रिकेट और राजनीति में कुछ भी हो सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली नई सरकार सदन में विश्वासमत जीतेगी। भाजपा के देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को महाराष्ट्र में दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्हें राकांपा नेता अजित पवार के समर्थन मिला है। फडणवीस के साथ पवार ने भी उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

इस पूरे नाटकीय घटनाक्रम पर पत्रकारों ने जब भाजपा के वरिष्ठ नेता गडकरी की प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने कहा, जैसा मैंने पहले भी कहा था, क्रिकेट और राजनीति में कुछ भी हो सकता है। अब आप मेरे बयान

की अहमियत समझ पाएंगे। गडकरी ने कहा, मैं देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को बधाई देना चाहता हूं। वे राज्यपाल द्वारा दिए गए समय अवधि में सदन में बहुमत साबित करेंगे। उन्होंने कहा कि फडणवीस और अजित पवार के नेतृत्व में महाराष्ट्र में स्थिर सरकार बनेगी तथा राज्य में विकास होगा।

बालासाहब ने कहा था, संख्याबल वाली पार्टी को मिले मुख्यमंत्री पद : गिरिराज

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र में सरकार बनाने के भाजपा के फैसले का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दावा किया कि शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे ने कहा था कि संख्याबल वाली पार्टी को मुख्यमंत्री पद मिलना चाहिए। भाजपा के देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को राकांपा नेता अजित पवार का समर्थन पा कर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली जबकि अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। केंद्रीय पशुपालन, दुग्धोत्पादन एवं मत्स्य मंत्री ने पत्रकारों से कहा, देश ने यह देखा है कि भाजपा ने (महाराष्ट्र में) 105 सीटें जीती हैं, बालासाहेब ठाकरे ने कहा था कि लोकतंत्र में किसी पार्टी के पास अगर अधिक संख्याबल है तो मुख्यमंत्री पद उसे ही मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, हमलोग बालासाहेब ठाकरे और लोकतंत्र का सम्मान करते हैं। सिंह ने कहा कि राज्य में नवगठित देवेंद्र फडणवीस सरकार का मुख्य एजेंडा विकास होगा। उन्होंने कहा, फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में एक स्थिर सरकार मिलेगी। जो कुछ हुआ और जो कुछ हो रहा है, देश ने उसे देखा है, इस सरकार का एजेंडा विकास होगा, न कि सत्ता। उन्होंने कहा, यह सरकार देश के हित में नि:स्वार्थ भाव से लंबित कार्यों को पूरा करने की दिशा में काम करेगी। महाराष्ट्र की जनता को मेरी शुभकामनाएं जिन्हें इस सरकार से लाभ मिलेगा।

भाजपा के पास महाराष्ट्र में सरकार बनाने का चुनावी और नैतिक जनादेश : भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र में सरकार गठन के संबंध में आलोचनाओं पर पलटवार करते हुए भाजपा ने शनिवार को शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस गठबंधन को चोर दरवाजे से देश की वित्तीय राजधानी पर कब्जा करने की साजिश बताया और कहा कि भाजपा के पास सरकार बनाने का चुनावी और नैतिक जनादेश है।

भाजपा ने यह भी कहा कि देवेन्द्र फड़णवीस के नेतृत्व में अजित पवार के साथ नई युती (गठबंधन) और सरकार स्थाई और प्रमाणिक होगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, एक स्थाई सरकार के लिए देवेन्द्र फड़णवीस के नेतृत्व में सरकार गठन के लिए अजित पवार के साथ राकांपा का एक बड़ा तबका आया। आज सुबह भाजपा और अजित पवार ने साथ आवेदन दिया कि हमारे पास बहुमत है।

उन्होंने सवाल किया, क्या शिवसेना और राकांपा का कोई आवेदन राज्यपाल के पास अब तक था ? शिवसेना पर निशाना साधते हुए कि प्रसाद ने कहा जा रहा है कि लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब शिवसेना स्वार्थ से प्रेरित होकर अपनी 30 साल पुरानी दोस्ती तोड़कर, अपनी विचारधारा की घोर विरोधी राकांपा और कांग्रेस का दामन थाम ले तो यह लोकतंत्र की हत्या नहीं है क्या? शिवसेना, राकांपा, कांग्रेस के गठबंधन पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि महाराष्ट्र देश का बड़ा राज्य है और मुम्बई देश की वित्तीय राजधानी। चोर दरवाजे से देश की वित्तीय राजधानी पर कब्जा करने की साजिश थी। प्रसाद ने जोर दिया कि हम प्रमाणिक, स्थाई और ईमानदार सरकार देंगे। प्रसाद ने कहा कि जो आदरणीय बाला साहब ठाकरे के आदर्शों को जीवित नहीं रख सके उनके विषय में कुछ नहीं कहना है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनका (बाला साहब) प्रमाणिक कांग्रेस विरोध जग जाहिर है, उनकी राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रवाद और भारत की संस्कृति-संस्कार के प्रति समर्पण प्रमाणिक है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जनादेश भाजपा और शिवसेना गठबंधन को था और मुख्यमंत्री का मैनडेट (जनादेश) बड़ी पार्टी भाजपा और देवेंद्र फड़णवीस को था। प्रसाद ने कहा कि शरद पवार और कांग्रेस ने परिणाम के बाद बयान दिया था कि हमें विपक्ष में बैठने का जनमत मिला है। तो ए विपक्ष में बैठने का जनमत कुर्सी के लिए मैच फिक्सिंग कैसे हो गया था ? भाजपा नेता ने कहा कि कुछ लोग छत्रपति शिवाजी की विरासत की बात कर रहे हैं, उनसे मैं बस इतना कहूंगा कि सत्ता के लिए अपने विचारों से समझौता करने वाले तो कम से कम छत्रपति शिवाजी की बात न करें। उन्होंने पूछा कि चुनाव परिणाम के बाद शिवसेना किसके इशारे पर उग्र हो गई थी ?

फडणवीस का गुपचुप तरीके से शपथग्रहण महाराष्ट्र के लिए काला दिन: पटेल

भाषा। मुंबई

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने शनिवार को कहा कि देवेन्द्र फडणवीस ने जिस गुपचुप तरीके से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसे राज्य के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा।

पटेल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने बेशर्मी की सीमा लांघ दी। उन्होंने कहा कि राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के भतीजे अजित पवार के साथ हाथ मिलाकर भगवा दल द्वारा सरकार बनाने के बाद लोकतंत्र बिखर गया है। पटेल ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने भाजपा, शिवसेना और राकांपा को सरकार बनाने के लिए निमंत्रित किया, लेकिन उन्होंने कांग्रेस को सरकार बनाने के लिए निमंत्रण नहीं दिया। पटेल ने यहां संवाददाताओं से कहा, जब मुख्यमंत्री को गुपचुप तरीके से शपथ दिलाई गई तो न तो बैंड-बाजा था, न ही बराती थे और यह घटना को महाराष्ट्र के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल को सौंपी गई अजित पवार की विधायकों की सूची का सत्यापन नहीं किया गया और राज्यपाल ने किसी से बात भी नहीं की। पटेल ने कहा, जिस मनमाने तरीके से शपथ ग्रहण कराई गईए मुझे लगता है कि यह गलत है, उन्होंने बेशर्मी की हदें लांघ दीं। उन्होंने इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि राज्य में शिवसेना और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बनाने में कांग्रेस ने विलंब की।उन्होंने कहा, ए आरोप निराधार हैं। पटेल ने कहा कि तीनों दल राजनीतिक और कानूनी मोर्चे पर लड़ाई लड़ेंगे।

महाराष्ट्र के राज्यपाल को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए: गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाराष्ट्र में हुए राजनीतिक घटनाक्रम की निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे देना चाहिए।

उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल पर भाजपा के साथ मिलीभगत कर देवेन्द्र फड़णवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा कि महाराष्ट्र से जो रिपोर्ट मिल रही है वह हौरान करने वाली है और वह बताती है कि राज्यपाल ने भाजपा के साथ मिलीभगत कर राकांपा विधायकों के हस्ताक्षरों की बिना प्रमाणिक सूची के आधार पर देवेन्द्र फड़णवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई।

राष्ट्रपति शासन के हटाए जाने की नैतिकता पर सवाल उठाते हुए गहलोत ने कहा, महाराष्ट्र के राज्यपाल को नैतिकता के आधार पर निश्चित तौर पर त्यागपत्र देना चाहिए। उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। भाजपा पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि भाजपा गलत मिसाल कायम कर रही है और लोकतंत्र को गलत दिशा में ले जा रही है। उन्होंने कहा, देश में भाजपा गलत मिसाल कायम कर रही है।

राष्ट्रपति शासन को सुबह पौने छह बजे हटाया गया। ऐसी क्या जरूरत थी कि इतनी सुबह राष्ट्रपति शासन हटाया गया। यह स्पष्ट करना चाहिए कि यह सब छिपकर करने की क्या आवश्यकता थी। शपथ सुबह दिलाई गई जबकि ऐसा दिन चढ़ने पर किया जा सकता था। उन्होंने केन्द्र और भाजपा नेतृत्व से इस मामले में सफाई देने की मांग की है। उन्होंने कहा, इस माहौल में फड़णवीस मुख्यमंत्री के रूप में कामयाब हो पाएंगे, इसमें संदेह है, मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री, दोनों ने अपराधबोध के साथ शपथ लिया है। वे सुशासन दे पाएंगे, इसमें संदेह है। इसका नुकसान महाराष्ट्र की जनता को होगा। उन्होंने कहा कि सही समय पर जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। देश का लोकतंत्र खतरे में है और जनता को यह समझना होगा।

पुणे में देवेंद्र फडनवीस को दूसरे कार्यकाल के लिए महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री चुने जाने पर जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता

कांग्रेस-राकांपा-शिवसेना को तीन दिन में बातचीत पूरी कर लेनी चाहिए थी: सिंघवी

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने महाराष्ट्र के अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम पर हैरानी जताते हुए शनिवार को कहा कि कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा को तीन दिन के भीतर बातचीत पूरी कर लेनी चाहिए थी।

सिंघवी ने ट्वीट किया, महाराष्ट्र के बारे में पढ़कर हैरान हूं। पहले लगा कि यह फर्जी खबर है। निजी तौर पर बोल रहा हूं कि तीनों पार्टियों की बातचीत तीन दिन से ज्यादा नहीं चलनी चाहिए थी। यह बहुत लंबी चली। मौका दिया गया तो फायदा उठाने वालों ने इसे तुरंत लपक लिया। उन्होंने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले अजित पवार पर तंज कसते हुए कहा," पवार जी तुस्सी ग्रेट है। अगर यही सही है तो आश्चर्यजनक है। अभी यकीन नहीं है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम में राज्यपाल ने देवेंद्र फड़णवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उप मुख्यमंत्री पद के लिए शपथ दिला दी।

महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाई गई

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में हो रहे नाटकीय घटनाक्रम को देखते हुए राजनीतिक दलों और नेताओं के कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह कदम शहर में अप्रिय घटनाओं की संभावनाओं को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। शनिवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

देवेंद्र फड़णवीस ने शनिवार सुबह राजभवन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राकांपा प्रमुख शरद पवार के निवास सिल्वर ओक के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस तैनात है। अधिकारियों के अनुसार पुलिस ने क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित करने के लिए बैरिकेड लगा दिए हैं। मुंबई पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, राज्य में हाल ही में हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शहर में सुरक्षा स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए सभी उचित उपाय किए जा रहे हैं। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि राजनीतिक स्थिति को देखते हुए नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था का विश्लेषण किया जा रहा और परिस्थिति के अनुसार सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है। दादर में शिवसेना भवन, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास स्थान मातोश्री , नरीमन प्वाइंट स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय, यशवंतराव चाव्हाण प्रतिष्ठान और मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुणे में वरिष्ठ पुलिसकर्मी होंगे नागरिकों से सीधे संपर्क में

पुणे। पुलिस और नागरिकों के संपर्क को बेहतर बनाने के लिए पुणे पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष फोन नंबरों वाले मोबाइल फोन देने की पहल की है। ए मोबाइल फोन 10 संभागों का प्रभार देखने वाले पांच जोनल पुलिस उपायुक्तों (डीसीपी) और 10 संभागीय सहायक आयुक्तों (एसीपी) को आवंटित किए जाएंगे। साथ ही पुणे के विभिन्न थानों के प्रमुख 30 पुलिस निरीक्षकों को भी विशेष फोन नंबर वाले मोबाईल फोन दिए जाएंगे। एसीपी सुनील देशमुख ने कहा, जोनल डीसीपी, संभागीय एसीपी और पुलिस थानों के प्रभारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों से अब नागरिक, शिकायतकर्ता और पीड़ित आसानी से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य लोगों और पुलिस के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है जिससे शिकायतों का प्रभावी तरीके से समाधान हो सके। अधिकारी ने कहा, जिन पुलिस अधिकारियों को यह मोबाइल फोन आवंटित किए गए हैं वे पूरे समय मोबाइल फोन अपने साथ रखेंगे। अधिकारियों के बदलने पर भी यह स्थाई फोन नंबर थानों के पास ही रहेंगे।

उत्कल विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचा विकास के लिए मिलेंगे 100 करोड़: पटनायक

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने यहां उत्कल विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपए की सहायता देने की शनिवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ओडिशा के प्रमुख विश्वविद्यालय के 75 साल पूरा होने पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद यह घोषणा की। पटनायक ने कहा कि शिक्षा प्रणाली में सभी स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार उनकी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, छह उत्कृष्टता केंद्र खोले जाने के लिए राज्य सरकार ने उत्कल विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री ने ओडिशा के विकास के लिए छात्रों से योगदान करने और इस अभूतपूर्व विकास प्रक्रिया का गवाह बनने का आह्वान किया।

जबलपुर में जम्मू-कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट सेन्टर में पासिंग आउट परेड के दौरान शपथ लेते प्रशिक्षण पूरा कर चुके जवान

अरुणाचल प्रदेश में परिवार के चार सदस्यों की जलकर मौत

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में गोहपुर तिनाली के पास डोकोइसो कॉलोनी में शनिवार तड़के एक घर में आग लगने से एक परिवार के चार सदस्यों की जलकर मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक तुम्मे अमो ने कहा कि आग की घटना में एक दंपति ने अपनी दो बेटियों के साथ जान गंवा दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान हा तसांग (35), उनकी पत्नी हा यानिंग (30) और उनकी बेटियां हा यापी (8) और हा यामा (6) के रूप में हुई है। एसपी ने कहा कि आग से परिवार का एक टेम्पो भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। यह परिवार मूल रूप से अरुणाचल प्रदेश के क्रा दादी जिले के पिप्सोरांग से था। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल सेवा मौके पर पहुंची और आग को बुझाया। एसपी ने बताया कि घटना को लेकर एक मामला दर्ज किया गया है और आग के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

लक्ष्मण सावदी सरकार का कार्यकाल पूरा होने तक उपमुख्यमंत्री बने रहेंगे : एदियुरप्पा

भाषा। बेंगलुरू

कर्नाटक में पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनाव के बाद लक्ष्मण सावदी के उप मुख्वयमंत्री बने रहने के बारे में जारी अटकलों के बीच मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने शनिवार को आश्वस्त किया कि वह पूरे समय तक उप मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

भाजपा ने सावदी को उप मुख्यमंत्री बनाया था, जबकि वह किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे। पार्टी ने अथानी में होने वाले उप चुनाव के लिए उन्हें टिकट नहीं दिया है इसके बाद मंत्रिमंडल में उनके बने रहने पर अटकलबाजी शुरू हो गई है। एदियुरप्पा ने कहा, मैं इस क्षेत्र के मतदाताओं तथा अपने कार्यकर्ताओं को यह साफ कर देना चाहता हूं कि वह उप मुख्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बने रहेंगे। उन्होंने अथानी में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, अगर यहां के मतदाता यह सोचते हैं कि उप चुनाव के बाद उप मुख्यमंत्री के रूप में लक्ष्मण सावदी को कोई कठिनाई होगी तो इसका कोई मतलब नहीं है, राष्ट्रीय अध्यक्ष (भाजपा के अमित शाह) ने स्वयं आश्वासन दिया है कि वह पूरे कार्यकाल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, अथानी में शुरूआत में कुछ मतभेद और भ्रम था। सावदी ने सब सुलझा लिया है। एक बागी ने पर्चा दाखिल किया था, जिसने वापस ले लिया। दोनों सीटें (अथानी एवं कगवाड़) सीट जीतने की जिम्मेदारी सावदी की है। भाजपा इस सीट से अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस विधायक महेश कुमातल्ली को मैदान में उतारा है। राज्य में 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के कुमातल्ली ने भाजपा के सावदी को इसी सीट पर हराया था। प्रदेश के एक अन्य विधानसभा क्षेत्र कगवाड़ से भाजपा ने अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस के एक अन्य विधायक श्रीमंत पाटिल को अपना प्रत्याशी बनाया है।

मुठभेड़ में एक नक्सली की मौत

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने शनिवार को यहां बताया कि जिले में फुलबगड़ी थाना क्षेत्र के मुलेर गांव के जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। सिन्हा ने बताया कि फुलबगड़ी क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना पर डीआरजी के दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था। दल जब मुलेर गांव के जंगल में था, तभी नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्वाई की।

विजेंदर ने लगातार 12वां पेशेवर खिताब जीता

भाषा। दुबई

भारतीय मुक्केबाजी स्टार विजेंदर सिंह ने घाना के पूर्व राष्ट्रमंडल चैम्पियन चार्ल्स अडामू को हराकर लगातार 12वीं जीत दर्ज की। इसके साथ ही पेशेवर सर्किट में उनका चार साल का अपराजेय अभियान कायम रहा। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता 34 बरस के विजेंदर डब्ल्यूबीओ एशिया पेसीफिक और ओरिएंटल सुपर मिडिलवेट खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने आठ दौर के मुकाबले में अडामू को हराया। विजेंदर ने जीत के बाद कहा , यह अच्छा मुकाबला था। चार्ल्स अडामू अच्छा मुक्केबाज है लेकिन मैं पूरी तरह से तैयार था। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। विजेंदर की नजरें अगले साल विश्व खिताब जीतने पर लगी है।

ओलिम्पिक क्वॉलिफाइंग से पहले बिग बाउट लीग वरदान : अमित पंघाल

नई दिल्ली। विश्व चैम्पियनशिप मे रजत पदक जीतने वाले मुक्केबाज अमित पंघाल का कहना है कि फरवरी मे होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप से पहले बिग बाउट लीग मे खेलना सभी भारतीयो केलिए अहम होगा। बिग बाउट लीग दो दिसम्बर से देश के कई शहरो मे आयोजित की जा रही है। अमित इन दिनो बैंगलुरुमे राष्ट्रीय शिविर मे पसीना बहा रहे है। फरवरी मे एशियाई चैम्पियनशिप ओलिम्पिक के लिए क्वॉलिफाइंग प्रतियोगिता होगी और उससे पहले उन्हे अपनी ताकत को आंकने का अवसर चाहिए और इसके लिए बिग बाउट लीग एक बेहतरीन मंच साबित हो सकता है जहां प्रतियोगियो का स्तर काफी कड़ा है। अमित बिग बाउट लीग मे अडानी गुजरात की ओर से फ्लाईवेट वर्ग मे खेलेगे।

आनंद का फिर मिश्रित सफलता वाला दिन

कार्लसन ने बढ़त मजबूत की

भाषा। कोलकाता

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के लिए टाटा स्टील रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में शनिवार का दिन भी मिश्रित सफलता वाला रहा तथा उन्होंने एक बाजी जीती, एक में उन्हें हार मिली जबकि एक बाजी ड्रा कराई। विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन ने टूर्नामेंट के दूसरे दिन अपनी बढ़त तीन अंक की कर दी है। यह टूर्नामेंट ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है। रैपिड में अभी तीन बाजियां खेली जानी हैं जबकि ब्लिट्ज में 18 बाजियां होंगी ऐसे में कोई भी जीत सकता है लेकिन कार्लसन ने अभी अपना दबदबा बना रखा है। कार्लसन ने दिन की अपनी पहली दो बाजियों में अमेरिका के हिकारू नकामुरा और नीदरलैंड के अनीश गिरी को हराया और आखिर में भारत के विदित गुजराती के खिलाफ कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद बाजी ड्रा कराई। कार्लसन के संभावित 12 में से दस अंक हैं तथा वह संयुक्त दूसरे स्थान पर काबिज नकामुरा और वेस्ली सो से तीन अंक आगे हैं। आनंद के छह अंक हैं और वह चीन के डिंग लीरेन और गिरी के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। हरिकृष्णा और गुजराती दोनों के समान पांच अंक हैं और वे संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। आनंद ने शनिवार को पहली बाजी में लेवोन आरोनियन को हराया जबकि नकामुरा के साथ उन्होंने बाजी ड्रा खेली। आनंद को हालांकि गिरी से दिन की अपनी आखिरी बाजी में हार का सामना करना पड़ा।

राशिद संयुक्त दूसरे स्थान पर

कोटा किनाबालू (मलेशिया)। भारतीय गोल्फर राशिद खान ने यहां शनिवार को खराब मौसम के कारण खेले रोके जाने तक सबाह मास्टर्स के तीसरे दौर में 10 होल मे तीन अंडर का स्कोर बना लिया था। राशिद टूर्नामेंट मे आठ अंडर के स्कोर पर नौ खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए है और वह थाईलैंड के युवा फव्वारा खोंगवाटमाई से तीन शाट पीछे है। तीसरे दौर का खेल रविवार की सुबह शुरू होगा। दूसरे दौर मे 69 खिलाड़ियों ने कट मे प्रवेश किया था, इन सभी को तीसरे दौर का खेल पूरा करना है।

लाहिड़ी ने की वापसी, कट में जगह बनाई

सी आईलैंड (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने यहां आरएसएम क्लासिक टूर्नामेंट मे शानदार वापसी करते हुए कट मे प्रवेश किया। उन्होने पांच होल मे चार बर्डी लगाई। वह 71 और 67 के राउंड से संयुक्त रूप से 59वे स्थान पर चल रहे है जबकि हमवतन गोल्फर अर्जुन अटवाल कट मे जगह बनाने मे असफल रहे। उन्होने पहले दो दौर मे 71 का कार्ड खेला। लाहिड़ी पहले दिन एक अंडर का शाट लगाया था। वह पहले ही होल मे बोगी कर बैठे। लेकिन 14वे होल मे बर्डी से वह वापसी करने मे सफल रहे।

फैसला लेने के लिए सीजीएफ की आईएसएसएफ से बैठक का इंतजार करेगा आईओए

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शनिवार को कहा कि आईओए के 2022 राष्ट्रमंडल खेलों से हटने के प्रस्ताव को कार्यकारी परिषद की मंजूरी के लिए नहीं रखा गया क्योंकि इसके लिए वह सीजीएफ और आईएसएसएफ के शीर्ष अधिकारियों के बीच होने वाली अहम बैठक का इंतजार करेंगे। बत्रा ने जुलाई में बर्मिंघम खेलों का बहिष्कार करने का प्रस्ताव दिया था क्योंकि इसके कार्यक्रम से निशानेबाजी को हटा दिया गया है। इस महीने के शुरू में बत्रा ने राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के अधिकारियों के दौरे पर बैठक भी की थी। बत्रा ने कहा कि कार्यकारी परिषद और आईओए की आम सभा इस मामले पर फैसला करेंगे। कार्यकारी परिषद की आज बैठक हुई। बत्रा ने कहा कि आईओए सीजीएफ के शीर्ष अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी संस्था (आईएसएसएफ) के बीच अगले महीने म्यूनिख में होने वाली बैठक का इंतजार करने के बाद फैसला लेंगे। बत्रा ने यहां कार्यकारी परिषद की बैठक के बाद कहा, सीजीएफ अधिकारी सात दिसंबर को म्यूनिख में आईएसएसएफ अधिकारियों से मिलेंगे। हमने उनसे कहा कि कि वे राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान जो भी निशानेबाजी टूर्नामेंट का आयोजन कर रहे हैं, उसके पदक भारत की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की अंतिम पदक तालिका में जोड़ दिए जाएं। सीजीएफ हमें बताएगा और हम इसका इंतजार करेंगे। अभी तक हम उसी स्थिति में हैं। हमने कार्यकारी परिषद के समक्ष हटने का मुद्दा मंजूरी के लिए नहीं रखा। हम सीजीएफ के जवाब के बाद ही फैसला करेंगे।

एआईएफएफ, नाडा डोपिंक रोधी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन करेगा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के साथ मिलकर डोपिंक रोधी जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। एआईएफएफ की शीर्ष घरेलू लीग आई-लीग और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) भी इस कार्यशाला का हिस्सा होंगे। इस कार्यशाला का मकसद सहयोगी सदस्यों और फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ भारतीय फुटबाल के हितधारकों को डोपिंग को लेकर जागरूक करना है। नाडा का डोपिंग के खिलाफ बडे स्तर का जागरूकता कार्यक्रम 2019-20 सत्र से नियमित तौर पर आयोजित होगा। नाडा ने इस कार्यक्रम को भारतीय फुटबाल के लिए तैयार किया है जिसका पहली बार रविवार को आयोजन होगा।

ई–निविदा प्रेस सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी अभियंता, सिविल मंडल–4, सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली 31 कार्य के लिए सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग से पंजीकृत अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों से आनलाईन प्रतिशत दर और क्रम न 3 मद दर दिनांक 23.11.2019 और अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं।

एच.ओ.ए.: विलिज डिवलमेंन्ट अंडर आईडीआरयुवी

1. एन आई टी न0 157/ई ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183845_1)
कार्य का नामः कृष्णा नगर विधान सभा क्षेत्र, एसी–60 खुरेझी गॉव में मेन रोड़ पर कब्रिस्तान का सुधार कार्य। अनुमानित लागत 91,91,020/– धरोहर राशि रू 1,83,820/– समापन की अवधि 180 दिन।

एच.ओ.ए.: एमएलएएलएडी फंडस् अंडर डिवलमेंन्ट ओफ अर्बन डिवलमेन्ट

2. एन आई टी न0 158/ई ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183820_1)
कार्य का नामः बाबरपुर विधान सभा क्षेत्र, एसी–67 में गॉव बाबरपुर वाटर बोडी (खसरा न0 137) पर रैन वाटर हरवेस्टिंग चैम्बर का निर्माण कार्य। अनुमानित लागत 3,78,553/– धरोहर राशि रू 7,571/– समापन की अवधि 30 दिन।

एच.ओ.ए.: 701 रिवन्यू रिसिप्ट

3. एन आई टी न0 159/ई ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183817_1)
कार्य का नामः गाधी नगर विधान सभा क्षेत्र, एसी–61 में गॉव पुराना सीलमपुर में ट्रंक डैन न 1 की दोनो साइड ब्रिज आर डी 6300 मी पर कार पर्किंग। अनुमानित लागत 44,52,000/– धरोहर राशि रू 89,040/– समापन की अवधि 365 दिन।

एच.ओ.ए.: एमएलएएलएडी फंडस् अंडर डिवलमेंन्ट ओफ अर्बन डिवलमेन्ट

4. एन आई टी न0 160/ई ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183900_1)
कार्य का नामः मुस्ताफाबाद विधान सभा क्षेत्र, एसी–69 शिव विहार फेस 4, ओ ब्लॉक गली नं0 2, 3, और 15 का सुधार का कार्य। अनुमानित लागत 48,03,487/– धरोहर राशि रू 96,070/– समापन की अवधि 90 दिन।

नोटः–

1) ठेकेदारों की सूचीबद्धता निविदा खुलने की अन्तिम तिथि को वैध होनी चाहिए अगर निविदा खोलने की तिथि आगे बढाई जाती है तो उसी वैधता तारीख निविदा खुलने वाले दिन तक समझी जायेगी।
2) निम्नलिखित की प्रतियाँ भी ई निविदा पर डालना अनिवार्य है।
1 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति अप टू डैटुफाईल रिटैन प्रुफ।
2 सूचीबद्धता पंजीकरण उपयुक्त वर्ग में।
3 धरोहर राशि की छाया प्रति।
4 ईएसआईसी/ईपीएफओ पंजीकरण की छाया प्रति।
5 पेन नं0/स्थायी खाता संख्या की छाया प्रति।
6 वैध फोन न0, वटसप न0/ई मेल आई डी।
3) धरोहर राशि डीडी/एफडीआर के रूप में जो कि देय होगी ई ई, सी डी–4 के संदर्भ में निविदा खोलने के 3.00 बजे तक भौतिक रूप में कार्यालय ई ई, सी डी–4 जमा की जायेगी। यदि धरोहर राशि भोतिक रूप से जमा नहीं की गयी तो निविदा रद्द समझी जायेगी। उपरोक्त उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाईट http://govtprocurement.dlehi.gov.in से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
4) निविदा दस्ती जमा नहीं की जाएगी। केवल वेबसाईट ई प्रोक्योरमेन्ट पर अपलोड की हुई मान्य है।

हस्ता/–
कार्यकारी अभियंता, सी डी–4

DIP/Shabdarth/1030/19-20

दूसरे दिन भारत ने जीते छह स्वर्ण

● एशियाई अंडर-15 कुश्ती चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारतीय पहलवानों ने चीन के ताइजुंग में चल रही एशियाई अंडर-15 कुश्ती चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को भी शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण पदक जीते। विश्व कैडेट चैम्पियन कोमल ने (39 किग्रा) स्वर्ण जीतकर शुरुआत की। कोमल के अलावा लड़कियों के वर्ग में सलोनी (33 किग्रा) और बबली (36 किग्रा) ने भी सोने के तमगे जीते। भारतीय लड़कों ने फ्रीस्टाइल में दूसरे दिन भी वर्चस्व कायम रखा। आकाश ने 48 किलोग्राम भारवर्ग में जापान के डाइकी ओग्वा को 8-3 से हराकर जीत हासिल की। पदार्पण कर रहे उदित कुमार ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में भारत को रजत पदक दिलाया। कपिल ने 52 किलोग्राम भारवर्ग में कपिल ने कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम में शामिल सभी छह फ्री-स्टाइल पहलवानों ने पदक अपने नाम किए जिससे भारत टीम रैंकिंग सूची में 125 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। कजाकिस्तान 120 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। ग्रीको-रोमन में चार भारतीय पहलवानों ने पदक जीते।

पशु आहार निर्माण शाला
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
किच्छा बाईपास रोड, रूद्रपुर (उधमसिंहनगर)
Phone No. 05944-242552 Fax No. 05944-244510

पत्रांकः1551–52/निविदा सूचना/2019–20 दिनांकः 23.11.2019

ई-प्रोक्योरमैन्ट नोटिस

निविदा सूचना संख्या–01/Raw Material/CFP/2019-20 ,Date 25/11/2019

निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा के द्वारा Two Bid System के अर्न्तगत पशु आहार निमार्णशाला रूद्रपुर (उधमसिंहनगर) में प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं /निर्माताओं/ फर्मों से दिनांक 09.12.2019 के सांय 05.00 बजे तक निविदा आमन्त्रित की जाती है, जो दिनांक 10.12.2019 की प्रातः 11.00 बजे यू0सी0डी0एफ0 कार्यालय मंगल पडाव हल्द्वानी में खोली जायेगी।

तालिका कम संख्या 01

क्र. सं0	कच्चा माल विवरण	कुल मात्रा कि0 ग्राम	धरोहर धनरशि ₹	निविदा शुल्क GST सहित ₹	आपूर्ति शैड्यूल
01	डी0ओ0आर0बी0	5000	12,50,000.00	4720.00	निविदा प्रपत्र के अनुसार
02	राईस पालिस	1000	4,00,000.00	4720.00	

नोट– निविदा की शर्ते तथा उपलब्धता एवं प्रस्तुतीकरण का तरीका–
निविदा प्रपत्रों का मूल्य उपरोक्त तालिका के अनुसार जी.एस.टी. सहित, प्रति आइटम, निविदा प्रपत्र Online Internet वेबसाइट https://uktenders.gov.in पर उपलब्ध है, तथा यहीं से Download एवं Upload किये जा सकते हैं। ई–निविदा से सम्बन्धित अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती हैं। ई–निविदा वेबसाइट पर दिनांक 25.11.2019 की पूर्वाहन 10.00 बजे से उपलब्ध रहेगी।

सामान्य प्रबन्धक,
पशुआहार निर्माणशाला, रूद्रपुर (उधमसिंहनगर)

नडाल ने स्पेन को सेमीफाइनल में पहुंचाया

● डेविस कप : सर्बिया बाहर

भाषा। मैड्रिड

रफेल नडाल ने लगातार दो मैच जीतकर स्पेन को अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाकर डेविस कप सेमीफाइनल में पहुंचाया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नडाल ने डिएगो श्वार्त्जमैन को 6-1, 6-2 से मात दी। इससे पहले गुइडो पेला ने पाब्लो कारेनो को 6-7, 7-6, 6-1 से हराकर अर्जेंटीना को बढत दिलाई थी। नडाल ने इसके बाद मार्सेल ग्रानोलेर्स के साथ मिलकर मैक्सिमो गोंजालेस और लियोनार्डो माएर को 6-4, 4-6, 6-3 से हराया। इस बीच ब्रिटेन ने जर्मनी को 2-0 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। काइल एडमंड ने फिलीप कोलश्रेइबर को 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। इसके बाद डेनियल इवांस ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 7-6, 3- 6, 7-6 से हराया। वहीं रूस ने नोवाक जोकोविच की सर्बिया को शिकस्त दी।

शशि मुकुंद ने पाक के खिलाफ डेविस कप मुकाबले से नाम वापिस लिया

नई दिल्ली। युवा शशि कुमार मुकुंद ने पैर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले से नाम वापिस ले लिया। मुकुंद टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल थे। उन्हें पुर्तगाल में एक टूर्नामेंट खेलते हुए चोट लगी। भारत के डेविस कप कोच जीशान अली ने कहा , शशि हमारे साथ नहीं जाएगा। उसने बताया कि उसे पूरव राजा के साथ युगल मैच खेलते हुए चोट लगी। इससे पहले रोहन बोपन्ना भी कंधे की चोट के कारण पीछे हट गए थे। जीशान ने कहा कि वह एन श्रीराम बालाजी को नूर सुल्तान ले जाना चाहते हैं लेकिन इतने कम समय में वीजा मिलना मुश्किल है। बालाजी को आठ सदस्ईय टीम में शामिल नहीं किया गया था लेकिन वह यहां गुरूवार से शुरू हुए अभ्यास शिविर में टीम के साथ है। कप्तान रोहित राजपाल ने कहा , बाहर होने वाले मुकाबले के लिए अभ्यास के अलग जोड़ीदार होना अच्छा रहता है। मुकुंद का नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

Chola चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड
Enter a better life

शुद्धिपत्र

ऊपर वर्णित कम्पनी के लिए वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। दिनांक 23.11.2019 को नियम 8(1) के अन्तर्गत कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु) के इस विज्ञापन में दिनांक : 00.11.2019 असावधानीवश गलत प्रकाशित हो गई। कृपया इसे अब 23.11.2019 के रूप में सही पढ़ें। परिवर्तन पूर्व प्रकाशन के भाग तथा अंश के रूप में पढा जाना चाहिए।

हस्ता./–
(प्राधिकृत अधिकारी)
स्थान : दिल्ली, एनसीआर, दिनांक : 24.11.2019
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड

अश्विनी का ध्यान फिटनेस और ओलंपिक कोटा हासिल करने पर

भाषा। मुंबई

तोक्यो ओलंपिक 2020 का टिकट हासिल करने की कोशिश में लगी युगल विशेषज्ञ भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा ने शनिवार को कहा कि वह आगामी सत्र के लिए फिटनेस और ताकत हासिल करने पर काम कर रही है। बैडमिंटन के लिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन का समय 29 अप्रैल 2019 से शुरू हुआ है जो 26 अप्रैल 2020 तक चलेगा जबकि कोटा तय करने के लिए 30 अप्रैल को रैंकिंग सूची का प्रकाशन होगा। महिला युगल में एन सिक्की रेड्डी के साथ जोड़ी बनाकर खेलने वाली अश्विनी ने पीटीआई से कहा, मेरा ध्यान शरीर को मजबूत बनाने और फिट रहने के साथ ऐसे बुनियादी अभ्यासों पर अधिक काम करने का जिससे मजबूती मिले। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह साल अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 20 टूर्नामेंटों में भाग लिया है जिसमें 13 में वे पहले और तीन में दूसरे दौर में बाहर हो गए। लंदन ओलंपिक 2012 और रियो ओलंपिक 2016 में ज्वाला गुट्टा के साथ जोड़ी बनाकर भाग लेने वाली अश्विनी ने कहा, सिक्की रेड्डी के साथ मेरी जोड़ी अच्छी है। हमने शीर्ष 10 खिलाड़ियों के साथ करीबी मुकाबले खेले है। दुर्भाग्य से हमें पहले दौर में मुश्किल मैच मिले जिसमें हम ज्यादातर मुकाबले हार गए। राष्ट्रमंडल खेलों 2010 में स्वर्ण पदक जीतने वाली इस खिलाड़ी ने कहा कि युगल में दोनों खिलाड़ियों को सामंजस्य बैठाने में थोड़ा समय लगता है। नतीजा हासिल करने में समय लगता है। खासकर युगल में यह थोड़े समय में नहीं होता है। अब खेल में भी काफी बदलाव आ गया है। पहले ज्यादातर जोड़िया डिफेंस या आक्रमण में से किसी एक में अच्छी होती थी लेकिन अब वे दोनों विभाग तें अच्छे हैं।

COURT NOTICE

In The High Court of Delhi At New Delhi
Notice Under Order V Rule 20 Code of Civil Procedure
Case NO. MACA-471/2017 & CM No. 19037/2017 (Stay)
Apeal Against order dated 28-03-2017 Passed by Mr. Arunj Bhardwaj, PO MACT (SE-01), Saket Courts, New Delhi
In Suide NO. 3511/2016

Shri Ram General Insurance Co. Ltd. Appellant
Vs.
Poonam & Ors. Respondents

Notice to : R. No. 3
Shri Govardhan, S/o Sh. Chandrika, R/o 68, Lal Kuan, Pul Prahladpur, New Delhi.
R. No. 4
Sh. Giri Raj, S/o Sh. Sumera, R/o Vill. & PO Maneshar, Gurgaon, Haryana.
Presently at : H. No. 59, Vill. & PO Lal Kuan, Pul Prahladpur, New Delhi.

Whereas the above noted appellant has presented an appeal Under Section 173 of M.V. Act along with application for stay which hwere listed before the Court on 19-05-2017 and Court ordered issurance of notice to you. And whereas it has been proved to the satisfaction of Court that you cannot be served in the ordinary manner. NOtice is hereby issued that if you wish to defend the above mentioned applications & appeal you may cause an appearance to be entered on you behalf either in person or through an advocate duly appointed by you for the purpose before the Court of Joint Registrar(J) on 25-11-2019 at 11.00 A.M.

If no appearance is made on you behalf, by your pleader or someone by law authorised to act for you in the said applications & appeal on the aforementioned date, no further notice of the subsequent date hearing of the said applications & appeal will be given and the same will be heard and determined exparte in you absence.

Given under my hand and the seal of this Court, this the 15th day of Nov. 2019.

Assistant Registrar
For Regirar General

कार्यालय ग्राम पंचायत गालंद, विकास खण्ड – धौलाना, हापुड़

पत्रांक मी0मो0/निविदा प्रकाशन/ग्रा0प0अ0/2019–2020 दिनांकः– 22.11.2019

–: अल्पकालीन निविदा सूचना :–

ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/चौहदवा वित्त योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यो के लिये पंजीकृत ठेकेदारो से बन्द निविदायें दिनांक 28.11.2019 की सॉय 2.30 बजे तक आमन्त्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 28.11.2019 तक कार्यालय समय में सम्बन्धित ग्राम पचांयत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्ति किये जा सकते है। निविदा अधिकृत अधिकारीयो द्वारा इच्छुक ठेकेदारो की उपस्थिति मे दिनांक 29.11.2019 को सॉय 3.00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 स0	कार्य का नाम	कार्य का स्थल	कार्य की माप	अनुमानित	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
1.	सी0सी0 रोड़ व नाली निर्माण कार्य	सी0सी0 रोड़ से मुकेश के मकान तक	–	287800	5756	300	3 माह
2	"	अशोक के मकान से राजबल के मकान तक	–	188200	3764	200	3 माह
3	"	काली सड़क से फौजी के मकान तक	–	143300	2866	100	3 माह
4	"	सी0सी0 रोड़ से श्रीचन्द के मकान तक	–	213400	4268	200	3 माह
5	"	शशी के मकान से प्रेमपाल के मकान तक	–	147800	2956	100	3 माह
6	"	सक्की मुखिया के मकान से लखीरा के मकान तक	–	184100	3682	200	3 माह
7	"	मैन रोड़ से अशोक के मकान तक	–	122000	2440	100	3 माह
8	"	ग्राम गालंद में तिराहे पर सी0सी0 कार्य	–	218400	4368	200	3 माह
9	खड़जा निर्माण कार्य	दुर्गपाल के मकान से चौखर के मकान तक	–	227500	4550	200	3 माह
10	"	कल्लन के मकान से अशोक के आवास तक	–	239400	4788	200	3 माह

नियम व शर्तेः–

1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/पास बुक के रूप मे दी जा सकती है सम्बन्धित ग्राम पंचायत के नाम से बन्धन हो अथवा नकद जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सम्बन्धित ग्राम पंचायत को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त हापुड़ के यहा होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय हापुड़ में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100/– का नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाने।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान
ग्राम पंचायत गालंद
वि0ख0 हापुड़

सचिव
ग्राम पंचायत गालंद
वि0ख0 हापुड़

कोहली का शतक, एक बार फिर तेज गेंदबाजों का कहर

इशांत का चव्वा पर मुशफिकुर ने बढ़ाया इंतजार

- भारत दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच को जल्द खत्म करने की राह पर अग्रसर
- दिन रात्रि टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने विराट
- भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 347 रन बनाकर घोषित की और बढ़त हासिल की

कोहली व रहाने रन लेते हुए

भाषा। कोलकाता

विराट कोहली ने गुलाबी गेंद की परीक्षा में खरा उतरते हुए शनिवार को यहां बेहतरीन शतक जमाया जबकि इशांत शर्मा ने लगातार दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की लेकिन अनुभवी मुशफिकुर रहीम की प्रतिबद्ध पारी ने शनिवार को यहां भारत का बांग्लादेश पर गुलाबी गेंद से खेल जा रहे दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत का इंतजार तीसरे दिन तक बढ़ा दिया।

कोहली ने 194 गेंदों पर 136 रन बनाए और वह दिन रात्रि टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 347 रन बनाकर घोषित की और इस तरह से 241 रन की बढ़त हासिल की। पहली पारी में केवल 106 रन बनाने वाले बांग्लादेश की शुरुआत फिर से खराब रही और उसने चार विकेट 13 रन पर गंवा दिए। इसके बाद मुशफिकुर (नाबाद 59) ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली जिससे बांग्लादेश ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने छह विकेट पर 152 रन बनाए हैं। उसे पारी की हार से बचने के लिए अब भी 89 रन की जरूरत है। मुशफिकुर को छोड़कर केवल महमुदुल्लाह (रिटायर्ड हर्ट 39) ही भारतीय गेंदबाजों का सामना कर पाए। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले इशांत ने फिर से कातिलाना गेंदबाजी की और अब तक वह 39 रन देकर चार विकेट ले चुके हैं। उमेश यादव (40 रन देकर दो) ने बाकी दो विकेट लिए हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों का बांग्लादेश के बल्लेबाजों में आतंक का यह आलम था कि मोहम्मद मिथुन सिर पर चोट खाने वाले उसके तीसरे बल्लेबाज बने। वह इशांत के बाउंसर को झुककर नहीं खेल पाए। इससे पहले मोहम्मद शमी के बाउसंर पर उसके दो बल्लेबाज (लिटन दास और नईम हसन) चोटिल हो चुके हैं और उनकी जगह स्थानापन्न खिलाड़ियों को लेना पड़ा। भारत ने दूसरी पारी की शुरुआत में स्लिप में चार क्षेत्ररक्षकों को रखकर अपने इरादे जतला दिए थे। इशांत ने शादमान इस्लाम को पगबाधा करके भारत को पहली सफलता दिलाई। तब बांग्लादेश का खाता भी नहीं खुला था। इस तेज गेंदबाज ने कप्तान मोमिनुल हक को खाता भी नहीं खोलने दिया। मोहम्मद मिथुन (छह) और सलामी बल्लेबाज इमुरूल काएस (पांच) भी चाय के विश्राम के तुरंत बाद पवेलियन लौट गए। इसके बाद मुशफिकुर और महमुदुल्लाह ने जिम्मेदारी संभाली और दोनों स्कोर 82 रन तक ले गए। ऐसे समय में जबकि बांग्लादेश को इन दोनों से लंबी साझेदारी की उम्मीद थी तब आत्मविश्वास के साथ खेल रहे महमुदुल्लाह को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। रविचंद्रन अश्विन को आखिर में दूसरी पारी के 23वें ओवर में गुलाबी गेंद से पहला ओवर करने का मौका मिला। वह इस ओवर में विकेट ले लेते लेकिन अजिंक्य रहाणे ने मेहदी हसन का स्लिप में आसान कैच छोड़ दिया। मुशफिकुर ने इसके बाद इशांत की गेंद पर चौका लगाकर अपना 21वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। इशांत ने मेहदी हसन (15) को इसी ओवर में स्लिप में कैच कराकर अपना चौथा विकेट लिया। उमेश ने दिन के आखिरी ओवर में ताईजुल इस्लाम (11) को रहाणे के हाथों कैच कराया। इससे पहले कोहली ने 59 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। वह शानदार लय में दिखे। उन्होंने अपना 27वां टेस्ट शतक पूरा किया। कोहली ने ताइजुल इस्लाम पर स्क्वेयर लेग में शाट लगाकर अपना शतक पूरा किया। उपकप्तान रहाणे ने भी 51 रन की पारी खेली जो उनका लगातार चौथा अर्धशतक है। वह इस्लाम की गेंद पर प्वाइंट में कैच देकर आउट हुए। वहीं टेस्ट क्रिकेट में बतौर कप्तान 5000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बने कोहली ने अपने करियर का 70वां अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया। उन्होंने शतक पूरा करने के बाद तेजी दिखाई और अबू जाएद पर लगातार चार चौके लगाए। ताईजुल ने सीमा रेखा पर बेहतरीन कैच लेकर उनकी पारी का अंत किया जिसमें 18 चौके शामिल हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारूपों को मिलाकर बतौर कप्तान सबसे ज्यादा 41 शतक के आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के रिकार्ड की बराबरी कर ली। कोहली ने हालांकि उनसे आधी पारियों (188) में यह रिकार्ड बनाया। कोहली उस समय क्रीज पर आए जब भारत का स्कोर दो विकेट पर 43 रन था। कप्तान ने संभलकर खेलते हुए ईडन गार्डन्स पर लगातार दूसरा शतक लगाया। उन्होंने नवंबर 2017 में यहां श्रीलंका के खिलाफ भी शतक बनाया था। कोहली के आउट होने के बाद भारत के पुछल्ले बल्लेबाज ज्यादा देर तक नहीं टिके जिसके बाद कप्तान ने पारी समाप्त घोषित करने का फैसला किया। बांग्लादेश की तरफ से इबादत हुसैन और अल अमीन हुसैन ने तीन – तीन जबकि अबू जाएद ने दो विकेट लिए। इससे पहले पूर्व विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद और मौजूदा चैम्पियन मैग्नस कार्लसन ने ईडन की घंटी बजाकर दूसरे दिन का खेल शुरू किया।

स्क्वेरबोर्ड

बांग्लादेश पहली पारी : 106

भारत पहली पारी : मयंक अग्रवाल का मेहदी हसन बो अल अमीन 14 , रोहित शर्मा पगबाधा बो इबादत हुसैन 21, चेतेश्वर पुजारा का शादमान इस्लाम बो इबादत हुसैन 55, विराट कोहली का ताईजुल इस्लाम बो इबादत हुसैन 136, अजिंक्य रहाणे का इबादत हुसैन बो ताईजुल इस्लाम 51, जड़ेजा बो जाएद 12, साहा नाबाद 17, उमेश यादव का शादमान इस्लाम बो जाएद 00,इशांत शर्मा पगबाधा अल अमीन 00, शमी नाबाद 10, **अतिरिक्त** : (बाई 12, लेग बाई 2, वाइड 8) 22 , **कुल योग** : 89.4 ओवर में नौ विकेट पर 347 रन, **विकेट पतन** :1-26, 2-43, 3-137, 4-236, 5-289, 6-308, 7-329, 8-330, 9-331, **गेंदबाजी** : अल अमीन हुसैन 24.4-3-85-3,अबु जाएद 21-6-77-2, इबादत हुसैन 21-3-91-3, ताईजुल इस्लाम 25-2-80-1

बांग्लादेश दूसरी पारी : शादमान इस्लाम पगबाधा बो इशांत 00, इमरूल काएस का कोहली बो इशांत 05, मोमीनुल हक का साहा बो इशांत 00, मोहम्मद मिथुन का शमी बो यादव 06, मुशफिकुर रहीम खेल रहे है 59, महमूदुल्लाह रिटायर्ड हर्ट 39, मेहदी हसन मिराज का कोहली बो इशांत 15, ताईजुल इस्लाम का रहाणे बो यादव 11, **अतिरिक्त** : 17, **कुल योग** : 32.3 ओवर में छह विकेट पर 152 रन, विकेट पतन :1-0, 2-2, 3-9, 4-13, 5-133, 6-152, **गेंदबाजी** : इशांत 9-1-39-4, यादव 10.3-0-40-2, शमी 8-0-42-0, अश्विन 5-0-19-0

उम्मीद है कि भारतीय टीम एडीलेड में दिन रात का टेस्ट खेलेगी : वार्न

मेलबर्न। भारतीय टीम के दिन रात के पहले टेस्ट के बीच आस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न ने उम्मीद जताई है कि विराट कोहली की टीम आस्ट्रेलिया मे अगले साल दिन रात का टेस्ट खेलेगी। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट शुक्रवार से कोलकाता मे शुरूहुआ। दोनो टीमो पहली बार गुलाबी गेद से खेल रही है। वार्न ने बीसीसीआई के नए अध्यक्ष सौरव गांगुली और कप्तान कोहली को बधाई दी। उन्होने गांगुली के एक ट्वीट पर जवाब दिया , आपको और कोहली को दिन रात का टेस्ट खेलने पर राजी होने के लिए बधाई। मुझे उम्मीद है कि एडीलेड मे फिर टीम दिन रात का टेस्ट खेलेगी। यह शानदार होगा। इंग्लैड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा , शाबास सौरव। उम्मीद है कि टीम अगली बार आस्ट्रेलिया मे भी दिन रात का मैच खेलेगी। भारतीय टीम अगले साल नवंबर से आस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जहां उसे चार टेस्ट खेलने है।

पीसीए अच्छा प्रदर्शन करने वाले 30 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध देगा

चंडीगढ़। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) के सचिव पुनीत बाली ने शनिवार को कहा कि पीसीए अपने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले 30 घरेलू खिलाड़ियो को 2020-21 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध देगा। संघ की पहली शीर्ष परिषद की बैठक शनिवार को मोहाली के पीसीए स्टेडियम मे अध्यक्ष राजिंदर गुप्ता की अध्यक्षता मे हुई। बाली ने बताया कि खिलाड़ियो को ए, बी और सी वर्गों मे अनुबंध दिए जाएंगे। ए वर्ग मे 10 खिलाड़ियो को प्रत्एक वर्ष आठ लाख रूपए मिलेगे जबकि बी वर्ग मे 10 खिलाड़ियो को प्रत्एक वर्ष छह लाख रूपए दिए जाएंगे। सी वर्ग मे 10 खिलाड़ी अंडर-16 और अंडर-19 वर्ग के होगे जिन्हे मासिक रूप से 10,000 रूपए के भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

तोक्यो ओलंपिक से पहले लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए फिटनेस जरूरी : मारिने

बेंगलुरू। भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिने ने शनिवार को कहा कि तोक्यो ओलंपिक से पहले लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए फिटनेस भारतीय टीम की सफलता की कुंजी होगी। तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय हाकी टीम अगले साल जनवरी मे न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। हमने अगले सात महीने के लिए रणनीति बनाई है। हमे प्रदर्शन मे सुधार करना होगा और उस स्तर तक पहुंचना होगा जो हम ओलंपिक मे चाहते है। हमे ओलंपिक से पहले कुछ बहुत अच्छी टीमो से खेलना है। हम लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगे। हमने साइ बेंगलुरू मे बेस रखने का फैसला किया है क्योकि यह हमारे लिए बिल्कुल घर जैसा हो गया है। अभ्यास का माहौल और यहां उपलब्ध सहयोगी व्यवस्था काफी मायने रखती है। इस सप्ताह हुई समीक्षा बैठक के बारे मे मारिने ने कहा , समीक्षा बैठक मे सिर्फ पीठ नही थपथपाई गई। बात इस पर हुई कि हमने कैसे दूसरा मैच गंवा दिया था।

इडन में विश्वनाथन आनंद ने घंटी बजाई

कोहली ने पोंटिंग के रिकार्ड की बराबरी की

कोलकाता। क्रिकेट मे बल्लेबाजी के रिकार्डों के पर्याय बनते जा रहे विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां दूसरी पारी मे शतक लगाकर कप्तान के रूप मे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपो को मिलाकर सबसे ज्यादा 41 शतक लगाने वाले आस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोटिंग की बराबरी की। कोहली के करियर का यह कुल 70वां जबकि टेस्ट मे 27वां शतक है। उन्होने भारत मे गुलाबी गेद से खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन पारी के 68वे ओवर मे ताईजुल इस्लाम की गेद पर स्क्वेयर लेग मे शाट लगाकर अपना शतक पूरा किया। भारतीय कप्तान के तौर पर टेस्ट मे कोहली की यह 20वी शतकीय पारी है उन्होने इस मामले मे पोटिंग को पछाड़ दिया जिन्होने कप्तान के तौर पर 19 शतक लगाए थे। इस मामले मे वह दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (25 शतक) के बाद दूसरे स्थान पर है। इससे पहले शुक्रवार को कोहली ने कप्तान के रूप मे सबसे कम पारियो मे 5000 टेस्ट रन पूरे करने का नया रिकार्ड बनाया था। कोहली पहले भारतीय कप्तान है जिन्होने कप्तान के रूप मे 5000 टेस्ट रन पूरे किए। विश्व क्रिकेट मे हालांकि वह इस मुकाम पर पहुंचने वाले छठे कप्तान बन गए है।

गुलाबी गेंद को देखना लाल गेंद से आसान : गांगुली

भाषा। कोलकाता

भारत में खेले जा रहे पहले दिन-रात्रि टेस्ट मैच में गेंद की दृश्यता को लेकर चल रही चर्चा पर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि पारंपरिक टेस्ट मैचों में इस्तेमाल होने वाली लाल गेंद के मुकाबले गुलाबी गेंद को देखना आसान है। शाम के समय में गुलाबी गेंद की दृश्यता को लेकर सवाल उठ रहे थे जिसके बारे में पूछे जाने पर पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, इसे देखना लाल गेंद से भी आसान है। गांगुली ने हालांकि आस्ट्रेलिया में दिन-रात्रि टेस्ट मैच खेलने के बारे में पूछे जाने पर कुछ नहीं बोलना बेहतर समझा। देश में गुलाबी गेंद से पहले टेस्ट की मेजबानी में अहम भूमिका निभाने वाले गांगुली ने कहा कि मैदान में दर्शकों की भीड़ को देख कर उन्हें काफी खुशी हुई। सबसे अहम यह है कि इतने सारे लोग मैच देखने आए। मैं किसी दबाव में नहीं था लेकिन व्यस्त था। गांगुली ने मैच के पहले दिन बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की उपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान की 100वीं जयंती के मौके पर अगले साल खेले जाने वाले एशियाई आल स्टार एकादश और विश्व एकादश के बीच खेले जाने वाले दो टी20 मैचों के दौरान मौजूद रहने का वादा किया। मैं वहां जाउंगा। मुझे पता है

पंत,गिल भारतीय टेस्ट टीम से बाहर

- मुश्ताक अली ट्राफी खेलने के लिए भरत टीम में

भाषा। कोलकाता

भारतीय चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली एक दिवसीय श्रृंखला से पहले घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए ऋषभ पंत और शुभमन गिल को टेस्ट टीम से रिलीज करने का फैसला किया है। आंध्र के विकेटकीपर बल्लेबाज कोना श्रीकर भरत बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के बाकी खेल में रिधिमान साहा के कवर के तौर पर टीम से जुड़ेंगे। बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने कहा , ऋषभ वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 और वनडे मैच खेलेगा। चयनकर्ताओं ने उसे दिल्ली के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में खेलने को कहा है। ऋषभ अब दिल्ली के अगले दो सुपर लीग मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। दिल्ली को हरियाणा के खिलाफ 24 नवंबर को और राजस्थान से 27 नवंबर को खेलना है। दूसरी ओर शुभमन अगले दो सुपर लीग मैचों में पजाब के लिए खेलेंगे। पंजाब को 24 नवंबर को कर्नाटक से और 25 नवंबर को तमिलनाडु से खेलना है।

घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले भरत ने 69 प्रथम श्रेणी मैचों में 3909 रन बनाए हैं जिसमें आठ शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं। भरत ने कहा , मैने लखनऊ में दलीप ट्राफी में गुलाबी गेंद से खेला है। मुझे शाम को टीम से जुड़ने को कहा गया है। मैं अपने आदर्श विराट भाई के साथ ड्रेसिंग रूम में रहने को लेकर बेकरार हूं। आईसीसी के नियमों के अनुसार नियमित विकेटकीपर को चोट लगने पर ही स्थानापन्न विकेटकीपर को उतारा जा सकता है। ऐसे में भरत को सिर्फ एहतियात के तौर पर बुलाया गया है।

रायुडु ने एचसीए में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया

- अजहर ने कहा वह निराश क्रिकेटर है

भाषा। हैदराबाद

बल्लेबाज अंबाती रायुडु ने हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए शनिवार को तेलंगाना के निगम प्रशासन मंत्री केटी रामाराव से हस्तक्षेप करने के लिए कहा। इस बीच एचसीए अध्यक्ष मोहम्मद अजहरूद्दीन ने रायुडु को निराश क्रिकेटर करार दिया। रायुडु ने ट्विटर का सहारा लेते हुए एचसीए के कई सदस्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के मामले लंबित होने का आरोप लगाया। रायुडु ने ट्वीट किया, हैलो सर केटी रामाराव, मेरा आपसे आग्रह है कि कृपया एचसीए में बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार पर ध्यान देकर उसका निदान करें। हैदराबाद कैसे शानदार प्रदर्शन कर सकता है जबकि उसकी क्रिकेट टीम पैसे और भ्रष्ट लोगों से प्रभावित हैं जिनके खिलाफ एसीबी के कई मामले हैं जो कि दबाए जा रहे हैं।

अजहरूद्दीन से जब रायुडु के आरोपों पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया तो हाल में एचसीए अध्यक्ष चुने गए इस पूर्व कप्तान ने कहा, वह निराश क्रिकेटर है। रायुडु ने इससे पहले आईसीसी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने पर त्रिआयामी चश्मे संबंधी विवादास्पद पोस्ट की थी। भारत की तरफ से 55 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और छह टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले रायुडु ने जुलाई में विश्व कप के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी लेकिन अगस्त में उन्होंने अपना फैसला बदल दिया था। रायुडु ने विजय हजारे ट्राफी और सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टूर्नामेंटों में हैदराबाद की अगुवाई की। रिपोर्टों के अनुसार रायुडु ने शुक्रवार को प्रथम श्रेणी क्रिकेट से विश्राम लेने का फैसला किया।

वाटलिंग के शतक से न्यूजीलैंड मजबूत

- इंग्लैंड के खिलाफ बढ़त

भाषा। माउंट मोनगानुई

बी जे वाटलिंग के नाबाद 119 रन की मदद से न्यूजीलैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट में पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ बढत लेकर स्थिति मजबूत कर ली। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर न्यूजीलैंड का स्कोर छह विकेट पर 394 रन था। उसके पास 41 रन की बढत हो गई है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 353 रन बनाए थे। कठिन परिस्थितियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए विख्यात वाटलिंग ने सात घंटे डटकर बल्लेबाजी करते हुए कीवी पारी को संभाला और अपना आठवां टेस्ट शतक लगाया। उन्होंने कोलिन डे ग्रांडहोमे के साथ छठे विकेट के लिए 119 रन जोड़े। इसके बाद मिशेल सेंटनेर के साथ 78 रन की नाबाद साझेदारी की। सेंटनेर 31 रन बनाकर खेल रहे हैं। डे ग्रांडहोमे जब क्रीज पर आए तब न्यूजीलैंड के पांच विकेट 197 रन पर गिर चुके थे। लंच से पहले हेनरी निकोल्स (41) का विकेट गिरने पर लगा था कि इंग्लैंड को बढ़त मिल जाएगी लेकिन वाटलिंग ने एयके मंसूबों पर पानी फेर दिया। ग्रांडहोमे ने अपनी पारी में एक छक्का और सात चौके लगाए। न्यूजीलैंड के लिए छठे विकेट की छह सर्वश्रेष्ठ पारियों में से तीन में वाटलिंग शामिल रहे हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 2014 में खेले गए टेस्ट में छठे विकेट के लिए ब्रेंडन मैकुलम के साथ 352 रन की साझेदारी की थी जो विश्व रिकार्ड था। वाटलिंग ने उसमें 124 रन बनाए थे। अगले साल उन्होंने केन विलियमसन के साथ श्रीलंका के खिलाफ 365 रन की साझेदारी करके उस रिकार्ड को तोड़ा था।

लाबुशेन की शतकीय पारी से आस्ट्रेलिया जीत के करीब

- पाकिस्तान की दूसरी पारी में 64 रन पर तीन विकेट चटकाकर मैच पर पकड़ बेहद मजबूत

भाषा। ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया

मार्नस लाबुशेन (185) और डेविड वार्नर (154) की बड़ी शतकीय पारियों से आस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 580 रन बनाने के बाद पाकिस्तान की दूसरी पारी में 64 रन पर तीन विकेट चटकाकर मैच पर अपनी पकड़ बेहद मजबूत कर ली। पाकिस्तान की पहली पारी 240 रन पर सिमटी थी जिससे आस्ट्रेलिया ने 340 रन की बढ़त हासिल की। पाकिस्तान को पारी हार से बचने के लिए अभी और 276 रन बनाने होंगे। स्टंप्स के समय शान मसूद 27 और बाबर आजम 20 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे मिशेल स्टार्क ने दिन के आखिरी घंटे के खेल में पाकिस्तान को पारी के तीसरे और पांचवें ओवर में दो झटके दिए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एवं कप्तान अजहर अली (पांच) को पगबाधा करने के बाद हारिस सोहेल (आठ) विकेट के पीछे टिम पेन के हाथों कैच कराया। शानदार लय में चल रहे पैट कमिंस ने इसके बाद असद शफीक (शून्य) को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। लाबुशेन ने अपनी पहली शतकीय पारी को बडे स्कोर में बदला लेकिन अपने घरेलू मैदान गाबा में वह दोहरा शतक बनाने से चूक गए। एशेज श्रृंखला के दौरान चोटिल स्टीव स्मिथ की जगह टेस्ट टीम में शामिल होने के बाद उन्होंने लगातार चार अर्धशतकीय पारी खेल टीम में जगह पक्की की। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 312 रन से आगे से की। इस साल पहली बार शतकीय पारी खेलने वाले डेविड वार्नर कल की अपनी 151 रन की पारी में तीन रन जोड़ कर पदार्पण कर रहे 16 साल के तेज गेंदबाज नसीम शाह (68 रन पर एक विकेट) के पहले शिकार बने। वार्नर और लाबुशेन ने दूसरे विकेट के लिए 129 रन जोड़े। लेग स्पिनर यासिर शाह(205 रन पर चार विकेट) ने इसके बाद शानदार फार्म में चल रहे पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ (04) को बोल्ड किया। यासिर ने छह टेस्ट में सातवीं बार स्मिथ को चलता किया। लाबुशेन को इसके बाद मैथ्यू वेड (60) के रूप में अच्छा साथी मिला। दोनों की चौथे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी को सोहेल (75 रन पर दो विकेट) ने तोड़ा वेड को आउट कर तोड़ा। इसके बाद ट्रेविस हेड (24) और कप्तान पेन (13) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। आस्ट्रेलिया ने 25 रन के अंदर आखिरी पांच विकेट गंवा दिए जिसमें लाबुशेन का विकेट भी शामिल है। लाबुशेन को शाहीन अफरीदी (96 रन पर दो विकेट) ने चलता किया।

परमाणु विरोधी संदेश के साथ जापान पहुंचे पोप फ्रांसिस

पोप अपनी चार दिवसीय यात्रा की शुरुआत नागासाकी और हिरोशिमा जाकर करेंगे

एएफपी। तोक्यो

पोप फ्रांसिस शनिवार को जापान पहुंचे, जहां उनके परमाणु अस्त्र के खिलाफ शांति संदेश देने की उम्मीद है। गौरतलब है कि जापान परमाणु हमले की विभीषिका झेलने वाला विश्व का अब तक का एकमात्र देश है। पोप अपनी चार दिवसीय यात्रा की शुरुआत नागासाकी और हिरोशिमा जाकर करेंगे, जहां द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने परमाणु बम गिराए थे। इन परमाणु हमलों में क्रमश: 74 हजार और 1.40 लाख लोग मारे गए थे।

वैटिकन से रवाना होने से पहले जापानी लोगों के नाम एक वीडियो संदेश में पोप ने कहा, आपके साथ, मैं प्रार्थना करता हूं कि मानव इतिहास में कभी परमाणु हथियारों की विध्वंसक शक्ति का इस्तेमाल न हो।

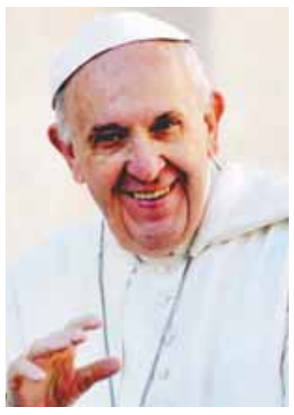

पोप थाईलैंड से जापान पहुंचे हैं। थाईलैंड में उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और शांति का संदेश दिया। जापान की अधिकतर जनसंख्या शिंतो और बौद्ध धर्म को मानती है, लेकिन जापान में कई लोग क्रिस्मस जैसे ईसाई त्योहार भी मनाते हैं। फ्रांसिस हिरोशिमा के विश्व प्रसिद्ध शांति स्मारक में भाषण भी देंगे जो हिरोशिमा में छह अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराए जाने की याद में बनाया गया है।

तोक्यो में जेसुइट सामाजिक केंद्र के निदेशक फादर योशियो कजियामा का जन्म युद्ध के तुरंत बाद हिरोशिमा में हुआ था और उन्हें पोप के परमाणु-विरोधी भाषण का बेसब्री से इंतजार है।

उन्होंने बताया, जिस दिन हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया गया, उसी दिन मेरे दादा की मृत्यु हुई। मैं उनसे कभी नहीं मिला। चार दिन बाद मेरी आंटी गुजर गईं। उनकी उम्र 15 साल थी। उन्होंने कहा, अगर आप हिरोशिमा में पैदा हुए हैं तो आप बम को नहीं भूल सकते। फ्रांसिस तोक्यो में सोमवार को 2011 में भूकंप, सूनामी और परमाणु संयंत्र दुर्घटना के पीड़ितों से भी मिलेंगे।

दक्षिण कोरिया, जापान के नेता शिखर वार्ता के लिए राजी

नागोया (जापान)। जापान और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री अपने नेताओं के बीच अगले महीने शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर शनिवार को सहमत हुए। सोल द्वारा एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौता करने के बाद तनाव कम करने के लिए यह सहमति बनी है।

प्रधानमंत्री शिंजो आबे और राष्ट्रपति मून जाए के बीच अगले महीने चीन में बैठक हो सकती है। दोनों देशों के मंत्री जापान के नागोया में जी-20 बैठक के इतर इस मुलाकात के लिए राजी हुए। जापान के एक राजनयिक ने अपना नाम उजागर नहीं करते हुए बताया कि अगले महीने जापान- चीन- दक्षिण कोरिया त्रिपक्षीय वार्ता के अवसर पर शिखर सम्मेलन आयोजित होगा।क्षेत्र में अमेरिका के दोनों प्रमुख सहयोगियों के बीच हाल के महीने में व्यापार और युद्ध के समय जापान के अत्याचारों को लेकर संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। इस कारण सोल ने एक महत्वपूर्ण सैन्य सूचना साझा करने वाले समझौते से अलग होने की धमकी दी जो अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है। अमेरिका का कहना है कि इससे क्षेत्र में केवल उत्तर कोरिया और चीन को फायदा होगा। लेकिन समझौते के खत्म होने से छह घंटे पहले शुक्रवार को दक्षिण कोरिया ने फैसला बदल लिया और इसे सशर्त जारी रखने पर सहमत हो गया।

नगोया (जापान) में शनिवार को जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान एक ग्रुप फोटो के लिए पोज़ देते प्रतिभागी

पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे दुरूह स्थान की खोज

भाषा। लंदन

शोधकर्ताओं ने पृथ्वी पर एक ऐसा जलीय वातावरण खोज निकाला है जहां जीवन की संभावना शून्य है। इस खोज का उद्देश्य जीवन की संभावनाओं को कम करने वाले घटकों के बारे में अग्रिम जानकारी प्राप्त करना है।

नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चला है कि इथियोपिया के डॉलोल भू-तापीय क्षेत्र के गर्म, खारे, अतिअम्लीय तालाबों में जीवन पूरी तरह से असंभव है। इन तालाबों में किसी भी प्रकार के सूक्ष्म जीव भी उपस्थित नहीं थे। स्पेनिश फाउंडेशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एफईसीवाईटी) के अनुसंधान कर्ताओं ने बताया कि डॉलोल क्षेत्र नमक से भरे ज्वालामुखी के मुख यानि क्रेटर पर स्थित है। जलतापीय गतिविधियों के कारण इस क्रेटर से लगातार उबलता पानी और जहरीली गैसें निकलती रहती हैं। उन्होंने बताया कि सर्दियों में भी इस स्थान का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है और यह पृथ्वी पर स्थित सबसे गर्म वातावरण वाले क्षेत्रों में से एक है। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार इस क्षेत्र में अत्याधिक खारे और अतिअम्लीय तालाब पाए जाते हैं। शून्य(अतिअम्लीय) से लेकर 14(अत्याधिक क्षारीय) के मानक पर इस स्थान का पीएच शून्य से भी कम अर्थात नकारात्मक निशान तक पहुंच जाता है। पहले हुए अनुसंधान में यह बताया गया था कि इस दुरुह वातावरण में कुछ सूक्ष्म जीवों के पनपने की संभावना है।

फिलीपीन में आईएस से जुड़ाव रखने वाला आतंकी मारा गया

एपी। मनीला (फिलीपीन)

फिलीपीन के सैन्य अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने एक आतंकी को मार गिराया। यह आतंकी इस्लामिक स्टेट समूह और स्थानीय जेहादियों के बीच कड़ी का काम कर रहा था और उसने देश के दक्षिणी हिस्से में सिलसिलेवार आत्मघाती हमले की साजिश में मदद की थी। अधिकारियों ने बताया कि तल्हा जुमसाह उर्फ अबू तल्हा सुलु प्रांत के पटिकुल के जंगलों में सैन्य बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया। इस साल सुलु प्रांत में तीन फिदाईन हमले हुए थे। सबसे पहले 27 जनवरी को रोमन कैथोलिक चर्च पर हमला हुआ था, जिसमें 23 लोगों की मौत हो गई थी। सैन्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि तल्हा बम बनाने का प्रशिक्षण ले चुका था और अरबी दुभाषिए के तौर पर काम करता था।

कोलंबिया प्रदर्शन में तीन की मौत, ड्यूक ने सामाजिक सुधार का वादा किया

एएफपी। बोगोटा

कोलंबिया में सरकार विरोधी व्यापक प्रदर्शनों के बाद लगाए गए कर्फ्यू और सामाजिक नीति पर राष्ट्रपति इवान ड्यूक के राष्ट्रीय संवाद के वादे को दरकिनार करते हुए प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को ड्यूक के आवास पर पथराव किया। इन प्रदर्शनों में तीन लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हो गए हैं।

दिन में टेलीविजन पर प्रसारित भाषण में ड्यूक ने कहा, अगले सप्ताह से मौजूदा सामाजिक नीति एजेंडा को मजबूत करने के लिए मैं राष्ट्रीय संवाद की शुरुआत करूंगा। इस संबंध में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ एकजुट होकर काम किया जाएगा, जो हमें सामाजिक दूरियों के करीब ला सके। उन्होंने कहा, यह संवाद सभी सामाजिक एवं

राजनीतिक क्षेत्रों के साथ क्षेत्रीय रूप में होगा। मैं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और भागीदारी तंत्र का इस्तेमाल करूंगा... ताकि हमलोग सुधार के एक अर्थपूर्ण पथ को तैयार कर सकें। अमेरिका की मुख्य सहयोगी दक्षिणपंथी विचारधारा वाली ड्यूक की सरकार की लोकप्रियता घटी है। 18 महीने पहले ही ड्यूक राष्ट्रपति चुने गए थे। बताया जाता है कि पड़ोसी वेनेजुएला से 14 लाख शरणार्थियों को शरण देने और एफएआरसी विद्रोहियों एवं मादक पदार्थ तस्करों के साथ 2016 में हुए शांति समझौते के कारण ड्यूक की लोकप्रियता पर असर पड़ा है। ड्यूक की आर्थिक, सामाजिक एवं सुरक्षा नीतियों के विरोध में कोलंबियाई नागरिकों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था और बृहस्पतिवार को हजारों की तादाद में प्रदर्शनकारी बोगोटा एवं अन्य शहरों की सड़कों पर उतरे। ट्रेड यूनियन, छात्रों, विपक्षी दलों एवं दक्षिण अमेरिकी देश के मूल संगठनों ने इसमें हिस्सा लिया जिसमें कई गिरफ्तारियां और संघर्ष हुए।

कर्फ्यू लगाए जाने के करीब एक घंटे बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार रात नौ बजे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया गया। रक्षा मंत्री कार्लोस होम्स त्रुजिलो ने पत्रकारों को बताया कि दिन की शुरुआत में देश भर में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के प्रदर्शन के बाद पश्चिमी वेले देल कॉका विभाग में प्रदर्शन हुए जिसमें तीन लोगों की मौत हुई।

एफएटीएफ की सिफारिशें लागू करे पाकिस्तान: अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका की एक शीर्ष दूत ने कहा है कि आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की सिफारिशें पूरी तरह लागू करनी चाहिए।

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ कार्वाई करने के साथ-साथ एफएटीएफ की सिफारिशें लागू करने से अमेरिका को पाकिस्तान के संबंध में अमेरिकी यात्रा परामर्श में संशोधन करने में मदद मिलेगी। दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिका की कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने बृहस्पतिवार को विल्सन सेंटर थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में कहा, हम पाकिस्तान के सुरक्षा हालात में सुधार देखना चाहते हैं ताकि यह यात्रा संबंधी

● आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए है जरूरी

हमारे परामर्श में भी दिखाई दे। वेल्स ने कहा, मुझे लगता है कि जो कदम बहुत आवश्यक हैं, उनमें एफएटीएफ को पूरी तरह लागू करना, आतकंवादी संगठनों के सदस्यों के खिलाफ अभियोग चलाना और उनकी संपत्तियां जब्त करना शामिल है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस साल नौ अप्रैल को जारी यात्रा परामर्श में अमेरिकी नागरिकों से पाकिस्तान जाने की अपनी योजना पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था। इसमें अमेरिकी नागरिकों को आतंकवाद एवं अपहरण के खतरे के मद्देनजर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा नहीं जाने की सलाह दी गई थी। यात्रा परामर्श की हर छह महीने में समीक्षा की जाती है।

क्विक न्यूज

न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के व्यक्ति बलात्कार का दोषी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क मे भारतीय मूल के एक व्यक्ति को एक महिला के साथ बलात्कार करने का दोषी ठहराया गया है। एक्टिंग क्वीस डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन रेयान ने कहा कि पेसिल्वेनिया के अशोक सिंह (58) को दो सप्ताह तक चले मुकदमे के बाद बलात्कार और गैरकानूनी ढंग से बंधक बनाने का दोषी पाया गया। उसे अगले महीने सजा सुनाई जाएगी और उसे 25 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

बारुदी सुरंग में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान मे एक खेत मे बारूदी सुरंग मे हुए विस्फोट मे दो लोग मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बन्नू जिले मे जानीखेल पुलिस थानाक्षेत्र के जिन्दी अली खेल क्षेत्र मे एक खेत मे विस्फोटक दबाया गया था जिसमे शुक्रवार रात को विस्फोट हो गया। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नही हुई है।

चिली में प्रदर्शन का पांचवां हफ्ता, अब तक 23 की मौत

सैंटियागो। चिली में हिसक अशांति मे शुक्रवार को मरने वालो की संख्या बढ़कर 23 हो गई। देश मे सामाजिक अशांति का यह पांचवा सप्ताह है। दक्षिणी अमेरिकी देश के सभी शहरो मे लूटपाट और प्रदर्शन हो रहे है। चिली मे नए संविधान का मसौदा तैयार करने को लेकर राजनीतिक खाके पर समझौते के बावजूद न तो लोगो की नाराजगी कम हुई है और न ही रक्तपात मे कमी आई है। सामाजिक एवं आर्थिक असमानता तथा देश के गिने चुने रईस परिवारो से राजनैतिक कुलीन वर्गो के विरोध मे चिली मे 18 अक्टूबर से प्रदर्शन हो रहे है। तीन दशक के चिली के लोकतंत्र मे यह सबसे भीषण संकट है।

एंटीबायोटिक से बढ़ सकता है पार्किंसन रोग का खतरा

लंदन। यदि पर आप एंटीबायोटिक दवाओ का अत्यधिक इस्तेमाल करते है तो आपको सावधान हो जाने की आवश्यकता है क्योकि एक अध्ययन के अनुसार इन दवाओ और पार्किंसन बीमारी के बीच संबंध है। अनुसंधानकर्ताओ का कहना है कि इस बीमारी का संबंध आंत संबंधी लाभकारी जीवाणुओ के नष्ट होने से हो सकता है। मूवमेंट डिसॉर्डर्स पत्रिका मे प्रकाशित अध्ययन के अनुसार फिनलैंड मे हेलसिंकी विविद्यालय के विशेषज्ञो समेत अनुसंधानकर्ताओ ने 1998 से 2014 के दौरान राष्ट्रीय रजिस्ट्रियो मे दर्ज पार्किंसन बीमारी के करीब 14000 मरीजो से जुड़े आंकड़ो का विश्लेषण किया।

बेरूत, लेबनान में ड्रोन से लिए गए इस तस्वीर में, सरकार-विरोधी प्रदर्शनकारियों ने शहीद स्क्वायर में 'रिवॉल्यूशन' नामक एक नए बड़े कार्डबोर्ड की मुट्ठी को फिर से स्थापित किया

सिखों के 90 फीसदी धरोहर स्थल पाकिस्तान मे स्थित : इतिहासकार

पेशावर (भाषा)। भारतीय मूल के ब्रिटिश इतिहासकार एवं लेखक बॉबी सिंह बंसल ने दावा किया है कि सिखों के 90 प्रतिशत धरोहर स्थल पाकिस्तान में स्थित हैं, जिनमें से ज्यादातर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हैं। इसके साथ ही उन्होंने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के महत्व को भी रेखांकित किया। शुक्रवार को पेशावर संग्रहालय के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल में करतारपुर से खैबर दें तक नामक एक संगोष्ठी में बोलते हुए, इतिहासकार ने सिख काल के स्मारकों, किलों, युद्धक्षेत्रों, धार्मिक स्थलों, गुरुद्वारों और हवेलियों का जिक्र किया। वह ऐतिहासिक परिदृश्य के माध्यम से दर्शकों को एक दिलचस्प यात्रा पर ले गए। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत सिख धरोहर स्थल पाकिस्तान में स्थित हैं। इनमें सबसे ज्यादा स्थल खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हैं।

अलग देश बनने को लेकर बोगनविले में जनमत संग्रह के लिए मतदान आरंभ

एएफपी। बुका (पापुआ न्यू गिनी)

बोगलविले के पापुआ न्यू गिनी में अधिक स्वायत्तता या पूर्ण स्वतंत्रता को लेकर बहुप्रतीक्षित जनमत संग्रह के लिए शनिवार को मतदान आरंभ हुआ। बुका में मतदान केंद्र पर सुबह ही 1000 से अधिक लोगों को पंक्ति में खड़े देखा गया। मतदान करने आए मतदाता स्वतंत्रता के समर्थन में झंडे फहराते और गीत गाते नजर आए। क्षेत्र में स्थापित किए गए 21 मतदान केंद्रों पर इसी प्रकार का नजारा देखने को मिला।

बुका के छोटे द्वीपों से लोगों को मतदान के लिए शहर लाने की खातिर दर्जनों नौकाओं का प्रयोग किया गया। इन नौकाओं पर स्वतंत्रता के समर्थन में झंडे लगे थे। बोगेनविले के करीब दो लाख 70 हजार लोग आगामी दो सप्ताह तक चलने होने वाले मतदान के लिए पंजीकृत हैं। ए मतदाता इस बात का फैसला करेंगे कि क्या दुनिया के मानचित्र पर एक नया देश नजर आएगा या नहीं। मतदाता पूर्ण स्वतंत्रता या पापुआ न्यू गिनी के बीच अधिक स्वायत्तता के बीच फैसला करेंगे। बोगनविले विद्रोहियों और पीएनजी सुरक्षा बलों के बीच एक दशक तक चले संघर्ष में 20,000 से अधिक लोग मारे गए थे। बाद में एक शांति समझौते के साथ यह संघर्ष समाप्त हुआ।

परिणाम की घोषणा 15 दिसंबर को होने की संभावना है। यदि मतदाता स्वतंत्रता के लिए मतदान करते हैं तो इस फैसले को पीएनजी संसद के अनुमोदन की आवश्यकता होगी और अधिक स्वायत्तता के फैसले से संघर्ष फिर से शुरू होने एवं शांति प्रक्रिया के पटरी से उतरने का खतरा है। बोगनविले के क्षेत्रीय अध्यक्ष जॉन

जेल से बाहर हुए ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति

साओ पाउलो (एपी)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने जेल से बाहर निकलते ही देश की धुर दक्षिणपंथी सरकार और ताकतों के खिलाफ जंग का संकल्प जताया। उन्होंने देश की सरकार पर उनके साथ अन्याय करने और गलत तरीके से जेल में बंद करने का आरोप लगाया। दा सिल्वा ने समर्थकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, वे नहीं जानते हैं कि 74 वर्षीय एक जुनूनी शख्स का सामना करने का क्या परिणाम होगा। कैंसर को मात दे चुके दा सिल्वा ने 2003 से 2010 तक ब्राजील का नेतृत्व किया था और दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बनकर उभरे। बहरहाल, भ्रष्टाचार के मामलों में उन्हें जेल भेज दिया गया। दा सिल्वा 19 महीने जेल में बिताने के बाद इस महीने की शुरुआत में दा सिल्वा जेल से बाहर आए।

ओबीओआर को देखते हुए चीन की उदारता पर सवाल उठाने की वजहें हैं : अमेरिकी राजनयिक

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका की एक शीर्ष राजनयिक ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वन बेल्ट वन रोड (ओबीओआर) पहल को देखने के बाद चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की उदारता पर सवाल उठाने की वजहें हैं और उसने आरोप लगाया कि बीजिंग ने कर्ज देने के लिए कभी भी वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त पारदर्शी प्रक्रियाओं का समर्थन नहीं किया।

ओबीओआर चीन की सरकार द्वारा अपनाई वैश्विक विकास रणनीति है जिसमें 152 देशों और एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया तथा अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय संगठनों में बुनियादी ढांचा विकास और निवेश करना शामिल है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने बृहस्पतिवार को विल्सन सेंटर थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में कहा कि दुनियाभर में और निश्चित तौर पर दक्षिण तथा मध्य एशिया में चीन अन्य देशों को ओबीओआर समझौतों पर हस्ताक्षर करने पर जोर दे रहा है। इसके लिए वह शांति, सहयोग, खुलेपन, समावेशिता जैसी बातों का हवाला दे रहा है। उन्होंने कहा, यह सुनने में काफी अच्छा लगता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ओबीओआर की प्रक्रिया को देखने के बाद चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी की उदारता पर सवाल करने की वजहें हैं।

उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए चीन कर्ज के तौर पर अच्छे खासे वित्त पोषण की पेशकश करता है लेकिन वह पेरिस क्लब का सदस्य नहीं है और उसने कर्ज देने के लिए कभी भी वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त पारदर्शी प्रक्रियाओं का समर्थन नहीं किया। कील इंस्टीट्यूट द्वारा जारी आकलन के अनुसार, चीन दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदाता है लेकिन वह अपने आधिकारिक ऋणदेय पर संपूर्ण आंकड़ों के साथ कभी रिपोर्ट नहीं देता या प्रकाशित नहीं करता, इसलिए रेटिंग एजेंसियां पेरिस क्लब या आईएमएफ इन वित्तीय लेनदेन पर नजर नहीं रख पाती।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवार ब्लूमबर्ग ने रिकॉर्ड धनराशि के टीवी विज्ञापन खरीदे

एएफपी। वाशिंगटन

अमेरिका के 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दौड़ में शामिल न्यूयॉर्क के पूर्व महापौर माइकल ब्लूमबर्ग की सोमवार को 3.1 करोड़ डॉलर के टेलीविजन विज्ञापनों के साथ अभियान शुरू करने की योजना है।

विज्ञापनों पर नजर रखने वाली कंपनी एडवरटाइजिंग एनालिटिक्स के अनुसार, अरबपति ब्लूमबर्ग ने कुल 3.1 करोड़ डॉलर के विज्ञापन खरीदे हैं जो किसी अमेरिकी राष्ट्रपति उम्मीदवार द्वारा विज्ञापनों पर खर्च किए जाने वाली सबसे बड़ी रकम है। बराक ओबामा ने अपने 2012 के चुनाव अभियान के अंत तक 2.5 करोड़ डॉलर की धनराशि विज्ञापनों पर खर्च की थी।

दुनिया के सबसे रईस व्यक्तियों में से एक 77 वर्षीय ब्लूमबर्ग द्वारा इतनी बड़ी रकम खर्च किए जाने से अन्य उम्मीदवारों के बीच चिंता पैदा हो गई है जो नवंबर 2020 में व्हाइट हाउस की दौड़ में पहले ही डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती दे रहे हैं। सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने इस कदम को अलोकतांत्रिक बताया है। साल 2002 से 2013 तक न्यूयॉर्क का संचालन करने वाले ब्लूमबर्ग ने बृहस्पतिवार को अमेरिका के संघीय निर्वाचन आयोग में पर्चा भरा।

वाशिंगटन पोस्ट के रिपोर्टर, परिवार को 18 करोड़ डॉलर क्षतिपूर्ति का आदेश

दुबई (एपी)। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार एवं उसके परिवार की ओर से ईरान के खिलाफ दायर मुकदमे में उन्हें 18 करोड़ डॉलर की क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है। पत्रकार ने जासूसी के आरोप में ईरान में अपनी गिरफ्तारी के दौरान उसे प्रताड़ित करने को लेकर देश के खिलाफ मुकदमा दायर किया था।

वाशिंगटन में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज रिचर्ड जे. लियोन ने मामले में शुक्रवार को दिए अपने फैसले में जेसन रेजियन और उनके परिवार की ओर से दायर मुकदमे में यह फैसला सुनाया। रेजियन उन कैदियों में शुमार थे जिन्हें 544 दिन बाद 2016 में ईरान ने मुक्त किया था। विश्व शक्तियों के साथ ईरान के परमाणु समझौते के बाद अमेरिका और ईरान ने अपने-अपने कैदियों की अदला-बदली की थी, जिसमें रेजियन भी शामिल थे। राजधानी तेहरान में स्थित स्विट्जरलैंड के दूतावास में मुकदमे को सरकार द्वारा सौंपे जाने के बावजूद ईरान ने इस संबंध में कभी प्रतिक्रिया नहीं दी।

जयशंकर ने जी 20 बैठक के दौरान कई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा की

भाषा। नगोया (जापान)

विदेश मंत्री एस जयशंकर यहां जी 20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए और शनिवार को कई देशों के अपने समकक्ष मंत्रियों के साथ बातचीत की।

जयशंकर ने दो दिनों का कार्यक्रम अपने जापानी समकक्ष तोशीमित्सु मोतेगी के साथ द्विपक्षीय बैठक के साथ संपन्न किया। उन्होंने ट्वीट किया, जापानी विदेश मंत्री मोतेगी के साथ द्विपक्षीय बैठक के साथ नगोया जी 20 संपन्न किया। शीघ्र ही उनका भारत में स्वागत करने की आशा करता हूं। उन्होंने कोरिया गणराज्य, नीदरलैंड, सिंगापुर और चीन के विदेश मंत्रियों के साथ भी चर्चा की। मंत्री ने स्पेन के विदेश मंत्री जोसेफ बोरेल के साथ यूरोपीय संघ के साथ हमारे संबंधों के भविष्य पर भी वार्ता की। जयशंकर अपनी आस्ट्रेलिया समकक्ष मेरिस पायने से भी मिले और आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मोरीसन की आगामी यात्रा के एजेंडे पर चर्चा की।

नगोया में अपने जापानी समकक्ष तोशीमित्सु मोतेगी के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर

विदेश मंत्री ने यह भी ट्वीट किया, फ्रांसीसी राज्य मंत्री जे बी लेमोयने के साथ हिंद- प्रशांत रणनीतिक परिदृश्य पर एक अच्छी चर्चा हुई। उन्होंने कार्यक्रम से अलग चिली के विदेश मंत्री तेवदोरो रिबेरा न्यूमान से भी मुलाकात की।

पायनियर
रविवार, 24 नवंबर, 2019

एजेण्डा

खुद को बहुत गंभीरता से न लें। जानें कि कब खुद पर हंसना है और उन बाधाओं पर हंसने का तरीका ढूंढ़ें जो अक्सर उपस्थित हो जाती हैं
– हेल बेरी

प्रतिउत्तर में, बगैर किसी अपेक्षा के दान करना हमें सर्वाधिक संतुष्टि प्रदान करता है और हमारे भीतर समाज में भागीदारी की भावना जगाता है, भारत में परोपकारिता की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसके बारे में विस्तार से बताती **रत्ना वीरा की रिपोर्ट**

लोग क्यों देते हैं दान

भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक समृद्धि को जगाने, संवेदनशीलता व करुणा दिखाने में , हृदय एक शक्तिशाली रूपक है। निरंतर कल्याण की, दान- कार्य की आए दिन की घटनाएं प्रमाण हैं कि लोग अभी भी अपने हृदय को अपने स्व का, भावनात्मक स्व का प्रतिनिधि महसूस करते हैं, जो भौतिकवादी, जैविक अर्थों में सीमित नहीं किया जा सकता। हिन्दू धर्म के अनुसार, हृदय स्वर्ग और धरती के बीच संपर्ककारी बिन्दू है। यह ब्रहमन, परम लौकिक भावना है। हालांकि मस्तिष्क की जानकारियां आरंभिक वैदिक युग में अज्ञात थीं, मगर विचार एवं भावनाएं, और चेतना स्वयं, मस्तिष्क से उपजे हैं। अंतिम इच्छा थी ब्रहम के साथ एकाकार होना और वह अपने हृदय को कर्तव्य, सेवा, त्याग, समर्पण एवं दान के जरिए ब्रम्ह के हृदय के साथ जुड़कर ही संभव हो सकता था। दान, उदारता तथा विशेष रूप में धर्मशालाओं का दान करने को सर्वाधिक भारतीय दर्शनों व धर्मों में सद्गुणकारी के रूप में माना जाता है। दाना, कल्याण व दान की अर्थाभिव्यक्ति करने वाला संस्कृत या पाली शब्द, हृदय से उपजा है। दाना वैदिक परंपराओं में अपनी जड़ें पाता है और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के रूप में ग्रहण करना या वृहद अर्थ में सार्वजनिक कार्यों एवं परोपकारिता के जरिए अनेक लोगों की सहायता करना कहा जा सकता है। परंपरागत रूप में, दाना में त्याग या किसी ऐसी चीज के त्याग को दर्शाया है जो व्यक्ति की अपनी थी और जिसे उसने बिना किसी जवाबी अपेक्षा के किसी अन्य को दे दिया है। परोपकार, दक्षिणा, एवं भिक्षा इससे संबंधित थीं मगर उतनी शक्तिशाली नहीं थीं। दान आम तौर पर उस व्यक्ति या छोटे समूह को दिया जाता था , लेकिन अवधारणा भी सार्वजनिक फायदों के साथ वृहद कल्याणकारी परियोजनाओं को अपने भीतर समेटे हुए हैं। सराय , स्कूल व देखभाल गृह, पीने के पानी की सुविधा देना, व पेड़ लगाना लोकप्रिय परियोजनाओं में शामिल थे।

उपनिषदों में दान की कुछ आरंभिक चर्चाओं का उल्लेख है। बृहदारण्यक (500 ईसा पूर्व) उपनिषद में, एक अच्छे, ज्ञानी व्यक्ति की तीन विशेषताएं आत्म निर्भर, या समस्त चेतन जीवन व दान के प्रति प्रेम या करुणा के रूप में परिभाषित हैं। शताब्दियों के बाद, भगवतगीता ने दान, कल्याण, को कर्म में अधिक व्यवहारिक परिभाषा दी। सही और गलत दो किस्म के दान होते थे। अच्छा, जागरुक दान प्रतिउत्तर में बगैर किसी अपेक्षा के दिया जाता था। लेकिन इसे उचित समय व स्थान पर तथा दानयोग्य व्यक्ति को ही दिया जाता था। अहंकार केन्द्रित दान कार्य वह था जो किसी प्रतिउत्तर की अपेक्षा से या लोभ भावना के साथ दिया जाता था। दान कार्य का बदतर रूप वह था जो एक अयोग्य व्यक्ति को, अनुचित समय व स्थान पर दिया जाता था।

महाभारत में दान के महत्व के निर्धारण में योग्य व्यक्ति संबंधी कारक का बार बार उल्लेख मिलता है। विदुर, महाज्ञानी एवं राजा धृतराष्ट्र के सौतेले भाई, ने नीतियां व प्रशासन के बारे में राजा के साथ लंबी चर्चाएं की थीं। विदुर नीति, पीढ़ीगत चर्चाओं के जरिए चलती चली आई मौखिक परंपरा, विशेष रूप से दान के दुरुपयोग एवं संपत्ति के बदतर उपयोग का उल्लेख करती है। यह धन का दुरुपयोग था यदि दान को अयोग्य व्यक्ति को दिया गया या यदि उसे योग्य को देने से इंकार किया गया। दान के दुरुपयोग को गले में पत्थर बांधने और उसे पानी में फेंक देने जैसा समझा गया था। प्राप्तकर्ता की योग्यता तथा परोपकार का समय उतना ही अधिक महत्वपूर्ण थे जितना कि दान।

एक ज्यादा स्वार्थी व बर्बर दुनिया में, अखबार की सुर्खिया अब हमें स्तब्ध नहीं करती हैं। हमारी उदासीनता इतनी गहरी है कि बलात्कार, हत्या या धोखाधड़ी की कहानियां अब हम पर असर नहीं डालती हैं। धूर्ततापूर्ण योजनाएं परिवारों को दिवालिया बनाती हैं, किसान आत्महत्याएं करते हैं। अरबपति बनाए जाते हैं और कुछ जेल भेजे जाते हैं। कर्म, हम लपकने के लिए बुदबुदाते हैं। संपत्ति को दिन दूना रात चौगुना करने के सरल तरीके रोज बताए जाते हैं। इन सबके बीच, वही लोग ताजा कारणों को समर्थन करते, प्रार्थना घरों में जाते, और दान के जरिए अपने पाप धोते नजर आते हैं। क्या यह सच्चा दान है? क्या यह परोपकार है या महज स्वार्थी आचरण?

करुणा व भावुकता के दिन बीत गए। हम, ऐसे लोगों से घिरे, डिजीटल युग में रहते हैं जो स्वयं को अभिव्यक्त करने के लिए इमोजी एवं इंस्टाग्राम का उपयोग करते हैं, और उनके साथ हममें से अधिकांश लोग उस जीवन को भूल रहे हैं जिसे हम कभी जानते थे। हम मानते हैं कि फेसबुक और व्हाट्सएप मुफ्त हैं। जो हमने अभी महसूस करना शुरू किया है वो यह कि उनके उपयोग में, हमने अपनी आजादी खोनी शुरू कर दी है। हर समय जुड़े रहने की चाहत में, हमारा अकेलापन बढ़ता जाता है।

हालांकि, पैसा चुंबक बनता नजर नहीं आता है जो कि लोगों एक साथ बांधता है। हिस्ट्री चैनल पर परम अमीरों के जीवन पर आधारित एक सीरीज में, यह देखा गया कि उन्हें भी वही असुरक्षाएं थीं। संपत्ति जो खुशी प्रदान करने के लिए होती है वो व्यक्ति को जीवन की कठिनाइयों से बचाने की बजाय किसी और चीज में बदल जाती है, यह अक्सर इस वजह से है कि व्यक्ति सुरक्षा चाहता है।

> सही और गलत दो किस्म के दान होते थे। अच्छा, जागरुक दान प्रतिउत्तर में बगैर किसी अपेक्षा के दिया जाता था। लेकिन इसे उचित समय व स्थान पर तथा दानयोग्य व्यक्ति को ही दिया जाता था। अहंकार केन्द्रित दान कार्य वह था जो किसी प्रतिउत्तर की अपेक्षा से या लोभ भावना के साथ दिया जाता था। दान कार्य का बदतर रूप वह था जो एक अयोग्य व्यक्ति को, अनुचित समय व स्थान पर दिया जाता था।

एक जनसेवी के रूप में हुई शुरुआत

आपको गहराई से सोचना चाहिए कि आप क्यों जनसेवी बनना चाहते हैं और त्याग से आपको क्या पाने की आशा है। क्या आप अपने समय व हुनर की सेवा देना चाहते हैं, क्या आप पैसा दान करना चाहते हैं या शायद वस्तुओं के रूप में दान देना चाहते हैं? यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक जनसेवा यात्रा भिन्न है। प्रत्येक प्रेरणा, प्रत्येक पद्धति, और प्रत्येक रुचि अनोखी है। लेकिन शायद दूसरों से सीखना पड़ता है जो अनुभवी दानकर्ता हैं या जिन्होंने जनसेवा को खंगाला है और त्याग का अपना पहला कदम रखने में, ये शिक्षाएं आपका मार्गदर्शन कर सकती हैं। और याद रखें कि प्रत्येक योगदान महत्व रखता है। आप महत्व रखते हैं।

जब आप पहली बार त्याग करने के बारे में सोचते हैं तो अनेक प्रकार के कल्याणकारी उद्देश्य होते हैं जिनकी ओर आप आकृष्ट हो सकते हैं। आप जिस मकसद की परवाह करते हैं वो स्थानीय हो सकता है, या वह एक बड़े लक्ष्य का, यहां तक कि वैश्विक समस्या का, हिस्सा हो सकता है। कुछ जनसेवी शुरुआत में, यह देखने के लिए कि किस चीज से फर्क पड़ता है, अनेक प्रकार के जन-उद्देश्यों से जुड़ जाते हैं, जबकि अन्य लोग अपने जनहित कार्य में अधिक एकाग्रचित्त व योजनाबद्ध होते हैं। इसीलिए, आपको पहला काम यह करना चाहिए कि अपनी रणनीति तय करें और अपने दिशानिर्देश निर्धारित करें। आप कितना धन देना चाहते हैं, आप कितना समय देना चाहते हैं, क्या यह एक बार की गतिविधि है या आप बार बार इसमें समय देना चाहते हैं? ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनके आपको जवाब देने की आवश्यकता है, इससे पहले कि आप अपनी यात्रा शुरू करें। आप उन लक्ष्यों व मुद्दों की पड़ताल से शुरुआत करना चाह सकते हैं जिनको लेकर काम करना आपको सर्वाधिक पसंद है। यह भी तय करें कि आप क्या देना नहीं चाहेंगे जो कि समान रूप से महत्वपूर्ण है।

फिर अपना शोध करें। तीन संभावित आरंभिक स्थल होते हैं। पहला स्थानीय चैरिटी संस्थान का चुनाव करना हो सकता है, जहां आप निजी रूप से जा सकते हैं और उसमें काम करने वाले लोगों से मिल सकते हैं, उनके साथ जुड़े रहें और समय के साथ जुड़ाव निर्मित करें। अपनी पहुंच बनाएं, क्योंकि अधिकांश स्वैच्छिक संस्थाएं आपकी मदद का स्वागत करेंगी।

दूसरा नजरिया है अपने सबसे करीबी संपर्कों की पड़ताल करना और उन तक अपनी बात पहुंचाना कि आप एक भरोसेमंद संस्था तलाश रहे हैं जिसके साथ मिलकर आप अपने चयनित क्षेत्र या मसले पर काम कर सकें। आप जिन मौखिक संदर्भों को प्राप्त करते हैं, वे आपको मिलने वाले संभावित असर को व्यापक कर सकते हैं। तीसरा, आप उन प्रतिष्ठित संस्थाओं को देना चाह सकते हैं जो दान एकत्रित करती हैं और उससे बेहतर संभावित असर पैदा करती है। गिव इंडिया, द चेरिटीज एड फाऊंडेशन और दसरा जैसी संस्थाएं ऐसे मंच हैं जो दान एकत्रित करती हैं, आपको सुविधाजनक ढंग से दान करने के तरीके बताती हैं, अलाभकारी संस्थाओं को दी जाने वाली ग्रांटों पर आवश्यक परिश्रम करती हैं, और प्रभाव आंकलन अध्ययना के जरिए आंकलन प्रस्तुत करती हैं। वे भरोसेमंद हैं और इस ढंग से योगदान करने के आसान तरीके हैं जो प्रभाव स्थापित करने के आपके अवसर बढ़ाएंगे।

अंत में, याद रखें कि आपको प्रतिफल की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। लेकिन अपने दान के साथ चिपके रहना आपको स्थायी संतुष्टि व आनंद प्रदान कर सकता है।

>> पेज 3

आकांक्षी की वास्तविक आध्यात्मिक प्रगति को उस स्थिति से मापा जाता है जहां तक वह आंतरिक शांति प्राप्त करता है
- स्वामी शिवानंद

"राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी कहते हैं कि यह एक आध्यात्मिक शिक्षा है जो व्यक्ति को आत्मसंयम प्रदान करती है और सहिष्णुता, धैर्य, शिष्टता, उदारता तथा बुजुर्गों के प्रति सम्मान जैसे मूल्य अपनाती है"

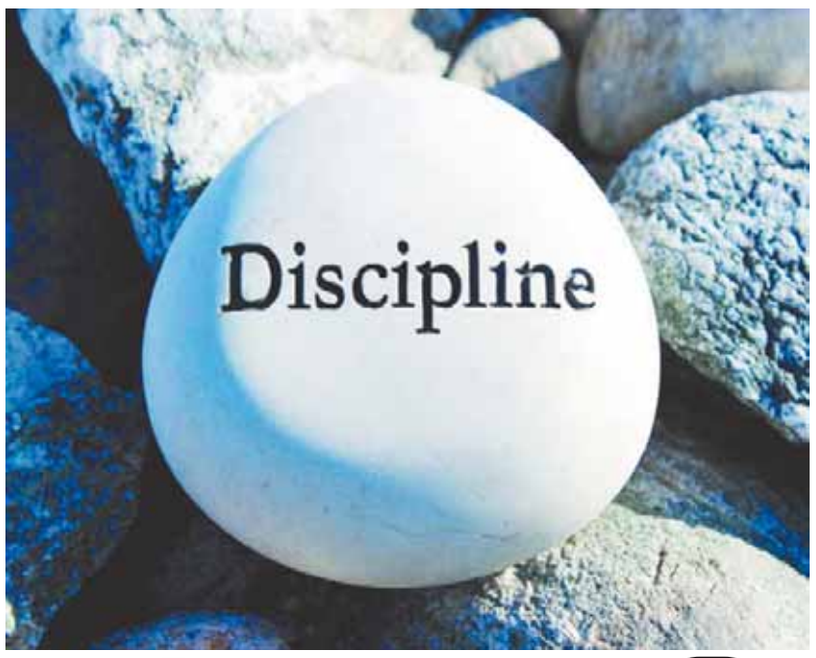

गढ़ें अनुशासित मार्ग

अनुशासित प्रत्येक जीवित प्राणी, खासतौर पर सामाजिक प्राणियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बिना मानवजाति बर्बाद हो जाएगी। समाज में एक शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए, यह एक पूर्वशर्त है। हालांकि, इसे न तो किताबों से अर्जित किया जा सकता है, ना ही इसे किसी दूसरे से सीखा जा सकता है। इसे केवल मन में बिठाया जा सकता है अगर व्यक्ति इसे सुबह आंख खोलने से लेकर रात में सोने जाते समय के बीच, अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेता है।

शब्दकोश के मुताबिक अनुशासन का अर्थ होता है, नियमों के अनुसार काम करने का प्रशिक्षण। ऐसी गतिविधि, व्यायाम या दिनचर्या जो योग्यता को विकसित या बेहतर बनाती है। यह हमें सकारात्मक भावनओं, कार्यों व विचारों की ओर ले जाती हैं। इसीलिए , हम जहां भी जाते हैं, हमें अपने साथ अनुशासन को ले जाना चाहिए और दूसरों को वैसा की करने के लिए प्रेरित करना चाहिए यदि इसकी अहमियत के बारे में नहीं जानते हैं। हम एक अत्यंत सुव्यवस्थित जीवन जी सकते हैं यदि हम अपने प्रत्येक कार्य में अनुशासित होना सीख जाते हैं। हमें हर रोज सही समय पर सोना व जागना चाहिए। हमें स्वस्थ रहने के लिए संतुलित खुराक खानी चाहिए और फिट रहने के लिए उचित मात्रा में व्यायाम करना चाहिए। हमें मन को शांतिपूर्ण रखने के लिए हर रोज ताजा हवा लेनी चाहिए। मौजूदा परिदृश्य में, अनुशासनहीनता या मूल इंसानी मूल्यों की कमी को हमारी सभ्यता के पतन का प्रमुख कारण माना जाता है। यह एक विदित तथ्य है कि कोई भी देश अपने नागरिकों में अनुशासन की भावना जगाए बिना आगे नहीं बढ़ सकता। अनुशासनहीनता दिखाती है कि समाज में संयम की अनुपस्थिति या निराशा की भावना है, जो मन की बेचैनी व अवज्ञा तथा आचार संहिता को ठुकराने की प्रवृत्ति की ओर ले जाती है। आचरण की बेरुखी तथा विद्रोह की भावना असलियम में आजादी की प्यास नहीं है बल्कि पहचान कमाने का प्रयास है। ये सब मन के लक्षण है जो शांत व सुकून से वंचित है।

समय की आवश्यकता है कि युवा को रचनात्मक गतिविधियों में शामिल किया जाए और उसकी क्षमताओं को सकारात्मक दिशा में नाधा जाए जिससे समाज को लाभ मिले। यदि माता पिता अपनी संतान को अपने प्रेम, त्याग, चरित्र, सदाचरण एवं समझदारी की भावना से प्रेरित नहीं कर सकते तो युवा जिनमें अकूल शारीरिक ऊर्जा होती है, बेचैन हो जाते हैं और उस व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह कर बैठते हैं जिसे बुजुर्गों ने स्थापित किया है। हालांकि, एक तरफ हम इस आचरण के लिए केवल बच्चों को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। अगर माता पिता उच्च चरित्र व एकाग्रता वाले हैं तो ऐसा कोई कारण नहीं होगा कि वे सम्मानित नहीं होंगे। लेकिन दूसरी ओर, इसका अर्थ यह भी नहीं होता है कि बच्चों की गलती नहीं है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि उनमें से कई अपने उन गलत दोस्तों द्वारा बहका दिए जाते हैं जिन्हें वे अपना नेता मानते हैं।

हालांकि, सबसे महत्वपूर्ण कारक, जो कि बच्चों में अनुशासनहीनता व बैचेनी के लिए जिम्मेदार है, स्कूलों व कालेजों में नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा की अनुपस्थिति तथा घर में बुजुर्गों से मिलने वाली प्रेरणा का अभाव है। यह आध्यात्मिक शिक्षा है जो व्यक्ति को आत्मनियंत्रण व सहिष्णुता, धैर्य, शिष्टता, उदारता तथा बुजुर्गों के प्रति सम्मान जैसे मूल्य प्रदान करती है। यह उन्हें एक बेचैन व्यक्ति से एक संतुष्ट, समर्पित व त्याग की भावना वाले मनुष्य में रूपांतरित करती है। इसलिए, यह जरूरी है कि पुनर्निमाणकारी वर्षों के दौरान अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों से जोड़ा जाए। पीढ़ियों से ऐसी आदतों से विकसित की जा रही थीं और उन्हें संस्कृति व विरासत के रूप में पोषित किया जा रहा था, लेकिन कहीं न कहीं यह, पिछले कुछ वर्षों के दौरान हुए, जबरदस्त पश्चिमी सांस्कृतिक आक्रमण के कारण बाद की पीढ़ियों तक पहुंचना बंद हो गया। आज जो हम देखते हैं वो उसी विदेशी संस्कृति की झलक है जिसका कि हम अंधानुकरण करते आए हैं। यह वो मूल्य व्यवस्था नहीं है जिसे हमारे पूर्वज पोषित करते आए थे। इसलिए, आइए अपनी जड़ों, अपने पवित्र आधार की ओर लौटा जाए और अपनी मूल भारतीय सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित किया जाए, जो तथाकथित आधुनिकीकरण की चकाचौंध में खो गयी है। तभी हम भावी पीढ़ियों के बदलाव का नया मार्ग निर्मित करने में सक्षम होंगे।

किशोरावस्था की बेचैनी से पड़ सकती है शराब की लत

युनिवर्सिटी आफ ब्रिस्टल के शोधकर्ताओं ने 18 साल की उम्र में सामान्य बेचैनी की समस्या और तीन साल बाद हानिकारक शराब सेवन के बीच संबंध होने के प्रमाण पाए हैं। ड्रग एंड अल्कोहल डिपेंडेंस नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन बेचैनी और कुछ समय बाद अल्कोहल उपयोग के बीच संबंध होने का प्रमाण पुख्ता करता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था में धूम्रपान व भांग के उपयोग, तथा पैतृक बेचैनी व अल्कोहल उपयोग जैसे अन्य कारकों पर गौर किया। 2000 से अधिक भागीदारों से प्राप्त प्रश्नावली तथा चिकित्सीय इंटरव्यू डाटा का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने पाया कि आम तौर पर 18 साल की उम्र में उभरने वाली बेचैनी का 18 साल की उम्र में आएदिन के शराबसेवन से संबंध पाया। शोधकर्ता लेखक मेडी डायर ने कहा,'' बेचैनी से उबरने के लिए शराब पीने के बजाय सकारात्मकरणनीतियां विकसित करने में किशोरों की सहायता करने से भावी हानिकारक शराबसेवन का खतरा कम हो सकता है। हालांकि हम तय नहीं कर पाए कि यह संबंध कारणात्मक है या नहीं, क्योंकि हमने एक आंकलन अध्ययन प्रारूप का उपयोग किया था।'' हानिकारक शराबसेवन को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विकसित किए गए एक स्पेशल टेस्ट का उपयोग करके मापा गया। अल्कोहल चेंज यूके में सीनियर पॉलिसी एंड रीसर्च मैनेजर, मार्क लीशान ने कहा, हमारे अपने शोध ने दिखाया है कि बेचैनी की समस्याओं जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और शराब के बीच संबंध आम व जटिल हैं। हमें मानसिक स्वास्थ्य, और शराब के बीच संबंधों की बेहतर समझदारी हासिल करने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है।

संतुलित योगाभ्यास से घट सकते हैं अवसाद, बेचैनी

एक नया अध्ययन बताता है कि यदि उचित मात्रा में किया जाए तो योग व प्राणायाम अभ्यास से तात्कालिक व दूरगामी स्तरों पर, अवसाद व बेचैनी, के लक्षणों में सुधार आ सकता है। साइकियाट्रिक प्रेक्टिस की पत्रिका में प्रकाशित बोस्टन युनिवर्सिटी स्कूल आफ मेडिसिन के अध्ययन ने प्रमाण दिए कि चिकित्सीय अवसाद या गंभीर अवसाद समस्या के लिए योग एक सहायक पूरक उपचार हो सकता है। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए, 30 चिकित्सीय अवसादग्रस्त मरीजों के समूह को मनमाने ढंग से दो समूहों में विभाजित किया गया। दोनों समूह बीकेएस अय्यंगर द्वारा स्थापित लियंगर योग का हिस्सा थे। उनमें एकमात्र अंतर निर्देशात्मक एवं घरेलू सत्रों की संख्या होना था जिसमें प्रत्येक समूह ने भाग लिया था। तीन महीनों के दौरान, सघन योग करने वाले समूह ने विभिन्न सत्रों में 123 घंटे बिताए जबकि कम सघन योग करने वाले समूह ने 87 घंटे बिताए। परिणाम ने दिखाया कि एक महीने के भीतर, दोनों समूहों की नींद की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। विभिन्न वैधताप्राप्त चिकित्सीय पैमानों द्वारा किए गए मापन के अनुसार, शांति, सकारात्मकता, शारीरिक थकान एवं बेचैनी व अवसाद के लक्षणों में दोनों समूहों में जबरदस्त सुधार आया। बुज्म में मनोचिकित्सा के सहायक प्रोफेसर, क्रिस स्ट्रीटर ने कहा कि इसे इस ढंग से सोचें, हम विभिन्न स्तरों पर शरीर पर प्रभाव डालने के लिए विभिन्न खुराकों में दवाइयां देते हैं। यहां, हमने इसी अवधारणा की खोज की, बस योग का उपयोग किया। हम इसे खुराक आधारित अध्ययन कहते हैं। शोध ने एक मिश्रित उपचार प्रदर्शित की और दवा को अकेले देने के बजाय इस उपचार के साथ मिलाकर देने से अधिक सफलता मिली है।

गुरु नानक का सदाचारी जीवन जीने का मार्गदर्शन

दलेर आश्ना देयोल अपनी पुस्तक ए गिफ्ट आफ ग्रेस में लिखते हैं कि गुरू नानक की आध्यात्मिक मान्यताएं व आचरण अत्यंत परिवर्तनकारी थे और वे धर्म की सीमाओं से परे थे। विगत 12 नवंबर को दुनिया ने पहले सिख गुरू की 550वीं जयंती मनाई। प्रस्तुत हैं पुस्तक के प्रमुख अंशः

गुरू नानक हमारे आध्यात्मिक मार्ग को पांच विशेष चरणों में विभाजित करते हैं: नैतिक जीवन व उचित कर्म, दिव्य ज्ञान की खोज, आध्यात्मिक ज्ञानप्राप्ति, दिव्य कृपा, और अंत में परम सत्य के दायरे में प्रवेश। प्रत्येक चरण अनोखा व महत्वपूर्ण है। ये चरण एक अनुक्रम के रूप में दिखते हैं, और हमारे लिए इनमें से किसी एक चरण को नजरंदाज कर देना संभव नहीं है। उदाहरण के लिए, नैतिक जीवन दिव्य ज्ञान की खोज करने की पूर्वशर्त है। जो व्यक्ति नैतिक रूप से श्रेष्ठ जीवन जीता है उसे आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्ति के लिए, किसी किस्म के तजुर्बे की तलाश करने की कोई अनिवार्य आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही, हमारी आत्मा नहीं जान सकती जब तक कि हमने पहले दो चरणों के दौरान पर्याप्त आध्यात्मिक ऊर्जा संग्रहित न की हो। इस मुकाम के बाद का कोई भी कदम तभी संभव है जब हम दिव्य कृपा प्राप्त करते हैं, जो हमारा अधिकार नहीं है मगर हमारे सदकर्मों का पुरस्कार है।

सदाचारी जीवन जीना हमारी आध्यात्मिक खोज का मूल आधार है। आध्यात्मिक पथ पर उससे आगे जाने के लिए, हमें अपने जीवन के अभिन्न अंग के रूप में सत्यप्रिय व नैतिक जीवन जीना आवश्यक है। यह केवल वैसा जीवन जीने से ही संभव है जिसमें कि हम स्वयं को ईश्वर की करुणा व कृपा का पात्र बनाते हैं।

ऐसी दुनिया में पलना- बढ़ना जहां पैसा अधिक सुविधाएं खरीद सकता है जो कि अब तक के इंसानी इतिहास में इस कदर संभव नहीं था, हम किस तरह उन खास मूल्यों व आचरणों से सहमत हो सकते हैं जो सदाचारी जीवन का भरोमेमंद मार्गदर्शन प्रदान करेंगे? हमें स्वीकारना होगा कि कुछ ऐसी चीजें हैं जो किन्हीं भी हालातों में नैतिक, ईमानदारीपूर्ण, करने योग्य व उचित हैं। हमारी राय इस मामले में अलग अलग हो सकती है कि ब्याज वसूलना नैतिक है या नहीं। लेकिन हिंसा, छद्म, गरीबों व वंचितों के शोषण जैसी बातों पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हमें कथ्यों पर आधारित कुछ सारभूत मूल्यों को पहचानने की जरूरत है जो सामाजिक व सांस्कृतिक परिधियों से परे हैं। गुरु नानक की शिक्षाओं पर आधारित सार सारभूत मूल्य हैं:

अहिंसा : उस हिंसा को नकारना जो मासूम को कष्ट देती हैं, पीड़ित की हत्या या अपमान (बलात्कार या अन्य शर्मताक कृत्यों के रूप में) करती है, युद्ध या राजनीतिक टकराव में मासूम लोगों का जनसंहार करती है।

सत्यः सत्य को उसके विशुद्ध रूप में सामने आने देना, तथ्यों को मान्यताओं से अलग करना, लोगों को धोखा देने के लिए किसी प्रकार के छद्म का उपयोग न करना, पवित्र दायित्व के रूप में ईमानदारीपूर्ण जीवन जीना।

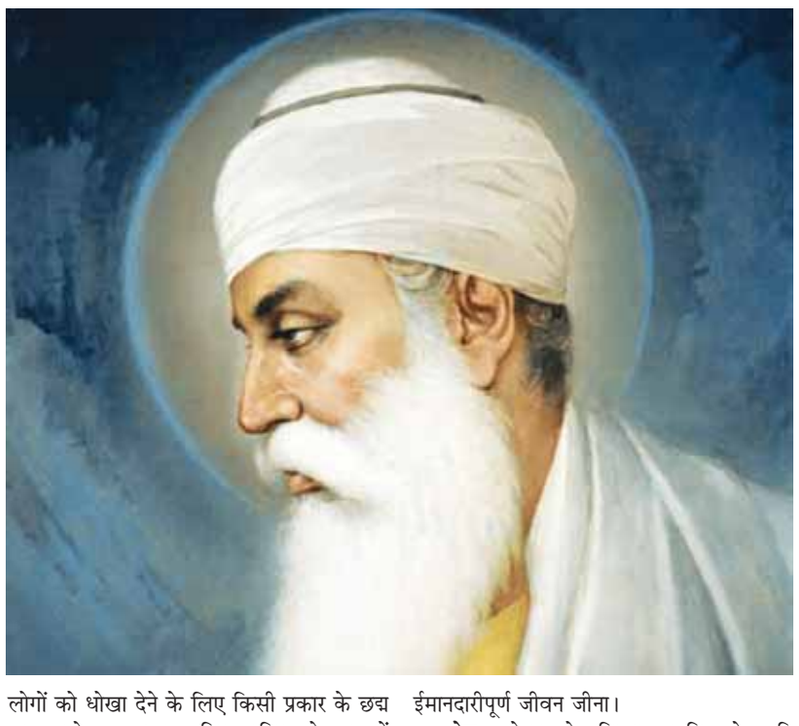

प्रेमः शोषण के शिकार व्यक्ति के प्रति सहानुभूति व करुणा दिखाना, न्याय की भावना होना, कल्याणकारी भावना रखना, गरीबों व जरूरतमंदों के साथ अपने सदकर्म व अपनी संपत्ति को साझा करना।

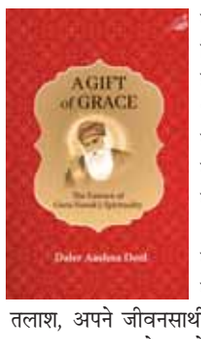

सद्कर्मः अपने रोजमर्रा जीवन में सर्वोच्च वैयक्तिक नैतिकता का तलाश, अपने जीवनसाथी के सम्मान व अखंडता का सम्मान, अपने बच्चों का दायित्व संभालना, अपनी भौतिक,भावनात्मक व बौद्धिक आवश्यकताओं का खयाल रखना, परिवार में बुजुर्गों की आवश्यकताओं का खयाल रखना।

समुदायवादः अच्छा नागरिक होना, चुनाव प्रक्रियाओं में भाग लेना, पदासीनों के गलत कार्यों के खिलाफ आवाज उठाना, सार्वजनिक भलाई के लिए सार्वजनिक कार्यालय का उपयोग करना, प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा करना, अपने नियोक्ता को अपने समय, प्रतिभा व योग्यता का उचित हिस्सा प्रदान करना।

समानता : रंग, नस्ल, लिंग, या नृजातीय विभेदों के बावजूद सभी लोगों को समान समझना, अन्य लोगों की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परंपराओं का सम्मान करना।

आस्थाः सभी चीजों व सभी लोगों के प्रति सृष्टा के निर्बाध प्रेम, दया व करुणा में आस्था रखना। यह नयी नैतिकता को परिभाषित करने का प्रयास नहीं है। यह नैतिक दार्शनिकों के लिए आसान नहीं हुआ है, जिन्होंने सदियों से इन प्रश्नों से जद्दोजहद की है।

हम विभिन्न मान्यताओं पर नजर डाल सकते हैं, या जो हमारी मान्यता प्रणाली को इन मामलों में कहना है, लेकिन अंत में, हमें वस्तुगत दृष्टि रखने की आवश्यकता है कि किस प्रकार हम अपने जीवन में कठिन नैतिक व नृजातीय विकल्पों से निपट रहे हैं। आत्म-मूल्यांकन की यह स्वतंत्रता कोई सादा चेक नहीं है, इसका अर्थ यह कि जो कुछ भी अपनी आवश्यकताएं या उद्देश्यों के काम आता है, स्वीकार्य है। अल्बर्ट आइंस्टीन के शब्दों में हमें जीवन- तन, मन व आत्मा- की समग्रता के आधार पर जीवन के प्रति एक नैतिक नजरिए विकसित करना चाहिए। अत्यंत गंभीरतापूर्वक ढंग से इस आत्ममूल्यांकन को न करना आध्यात्मिक पथ के अनुपालन में हमारा संकोच इंगित करेगा।

---दलेर आश्ना देयोल द्वारा लिखित पुस्तक अ गिफ्ट आफ ग्रेसः द इसेंस आफ गुरू नानक स्प्रिचुएलिटी, नियोगी बुक्स से प्रकाशित है।

इस हफ्ते आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

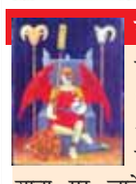

इस सप्ताह आपकी शारीरिक क्षमता तुलना से परे है और आपको इसका पता होना चाहिए। कुछ लोगों को विदेश यात्रा पर जाने या काम करने, पढ़ने या अतिरिक्त समयावधि के लिए विदेश में रहने का अवसर मिल सकता है। करियर मोर्चे पर, आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुत करने में सफल होंगे। उन्नत स्थिति, पदोन्नति की संभावनाएं हैं। आप अपने करियर से संबंधित महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं।

शुभ अंकः 13 **शुभ रंगः** भूरा **शुभ दिनः** शनिवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

इस सप्ताह आप शांत व जिज्ञासु प्रेक्षक बनेंगे। आसपास की सकारात्मकता देखकर जीवन संबंधी आपकी अवधारणा बदलेगी। आप पहले से अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। आप भविष्य संबंधी उम्मीद से भरे होंगे। इस सप्ताह जुनून से बचें। करियर मोर्चे पर, आप स्थान तलाशेंगे। आप पस्त व थकान महसूस कर सकते हैं। अब समय है कि अपनी असुरक्षाओं को विराम दें। यह फैसले लेने का भी सही समय नहीं है।

शुभ अंकः 2 **शुभ रंगः** गुलाबी **शुभ दिनः** रविवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

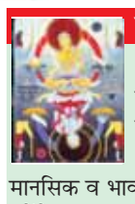

आपको अपनी आत्मा तथा सार्वभौमिक शक्तियों से जुड़ने के लिए शांति व समय की आवश्यकता है। आप शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से सर्वोत्तम महसूस करेंगे। स्वास्थ्य, क्षमता और आंतरिक आवेग आपको ऊर्जा व प्रेरणा से भर देंगे। रचनात्मक विचार मन में उमड़ेंगे। करियर स्तर पर, ऐसा क्षण हो सकता है जो आपसे कुछ बदलाव लाने की मांग करता है। नयी नौकरी का हिस्सा बनने की संभावना है।

शुभ अंकः 11 **शुभ रंगः** मटमैला **शुभ दिनः** रविवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अत्यंत अच्छा व भविष्य के प्रति आशान्वित महसूस करेंगे। आप इस समय शांति, आनंद व समृद्धि का सुख लेंगे व सकारात्मक ऊर्जा से भरे होंगे। जो लोग हाल में किसी गंभीर बिमारी से उबरे हैं उन्हें नियमित सलाह लेने का काम करना चाहिए। करियर मोर्चे पर, आपको किसी भी छल के प्रति अपनी सजग निगाह रखने की आवश्यकता है। सुनिश्चित करें कि आप उचित ढंग से काम कर रहे हैं।

शुभ अंकः 19 **शुभ रंगः** सफेद **शुभ दिनः** मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

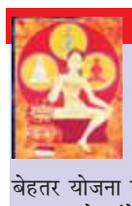

यह सोचने का अच्छा समय है कि आप अपना स्वास्थ्य व क्षमता को बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं। अपनी दिनचर्या की बेहतर योजना बनाएं। करियर मोर्चे पर, अच्छे समाचार के संकेतक हैं। आपको अपने चयनित विकल्पों का लाभ प्राप्त होगा। कोई अप्रत्याशित अवसर आपको चौंका सकता है। आपको कंपनी आपको विदेश यात्रा पर भेज सकती है। आयात निर्यात व्यापार करने वालों के लिए यह अच्छा समय है।

शुभ अंकः 20 **शुभ रंगः** बैंगनी **शुभ दिनः** सोमवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

वास्तविकता से पलायन न करें। स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों को अन्य चिकित्सक को दिखाने की जरूरत है। खुद को तरोताजा करने के लिए किसी प्राकृतिक स्थल पर घूमने जाएं। विवादों में उलझने से बचें। इससे केवल तनावग्रस्त ही होंगे। करियर मोर्चे पर, अपनी जिम्मेदारियों को बांटें वर्ना भारी तनाव महसूस कर सकते हैं। दोस्तों से अपने विचार साझा करें। पिछले अनुभव के आंकलन से अगले चरण में जाने में मदद मिलेगी।

शुभ अंकः 14 **शुभ रंग** हरा **शुभ दिनः** गुरुवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

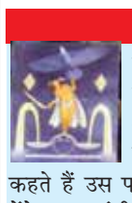

इस सप्ताह आप खुशी,अच्छे स्वास्थ्य व दुनियावी सुखों का आनंद लेने वाले हैं। आप उत्साहित रहेंगे, परन्तु दूसरे क्या कहते हैं उस पर भी आप सजगतापूर्वक ध्यान देंगे। आप लंबी छुट्टी पर जाने को लेकर विचार कर सकते हैं। विदेश यात्रा पर जा सकते हैं या खुद को तरोताजगी देने के लिए अवकाश के बतौर घर पर भी रह सकते हैं। पेशेवर रूप में, चीजें बहुत अच्छी चल रही हैं। शुरुआती सफलता को हल्के में न लें।

शुभ अंकः 15 **शुभ रंग :** आसमानी **शुभ दिनः** गुरुवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

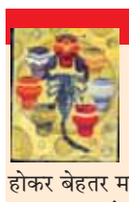

अतीत व पूर्व में की गयी गलतियां से उबरने की जरूरत है, खासतौर पर यदि आप किन्हीं गंभीर रोगों से जूझ रहे हैं। मुक्त होकर बेहतर महसूस करने में सहायता मिलेगी। सकारात्मक ढंग से सोचें। करियर स्तर पर, आप नयी परियोजना शुरू करने को लेकर प्रेरित हो सकते हैं। अपनी रचनात्मकता को उभरने का अवसर देने में आप नयी संभावना देखते हैं। यदि नौकरी तलाश रहे हैं तो योग्यता अनुसार मनपसंद नौकरी से चकित हो सकते हैं।

शुभ अंकः 12 **शुभ रंगः** बादामी **शुभ दिनः** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

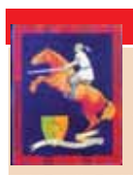

यह समय आत्मोन्नति पर कार्य करने का है। तनाव से बचने के लिए व्यस्त रहें। पर्याप्त आराम व अच्छी खुराक लें। इससे वो सारा तनाव खत्म हो जाएगा जिसे आप हाल में महसूस करते आए हैं। अपनी सेहत पर ध्यान दें और उसके अनुसार काम करें। आप समस्याओं पर काबू पा सकते हैं। इस सप्ताह आध्यात्मिक यात्रा उपचारक साबित होती है। करियर स्तर पर, यह दूरगामी योजना आरंभ करने का बहुत अच्छा समय है।

शुभ अंकः 8 **शुभ रंगः** बैंगनी **शुभ दिनः** शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

अपने तजुर्बे व परिपक्वता से आप अपने जीवन पर नियंत्रण पाने में सक्षम होंगे। नवोन्मेषी होने के बजाय, आपको मौजूदा मान्यताओं व धारणाओं को अपनाने की जरूरत है। कोई नया सिद्धांत या प्रचलित मत इस सप्ताह आपके अनुकूल नहीं होगा। करियर मोर्चे पर, विदेशी कार्यादेश मिलने की संभावना है। बहुत अच्छी संभावना है कि आप पहचान व धन के लिए बहुत कड़ी मेहनत कर रहे हैं। खुद को अपनी सच्ची कीमत याद दिलाने का समय है।

शुभ अंक : 18 **शुभ रंगः** रजत **शुभ दिनः** बुधवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

आपको अपनी जीवनशैली में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने पड़ेंगे और अपना स्वास्थ्य सुधारने के प्रयास करने होंगे। बाह्य खेलों, तैराकी, जिम की ओर आकर्षित होंगे। पेशेवर मोर्चे पर, आप अधिकारियों व सहकर्मियों से प्रशंसा प्राप्त करेंगे। कामकाजी वातावरण मैत्रीपूर्ण रहेगा और अपनी क्षमता बढ़ाएगा। घर पर आपका दबंग रवैय्या दूसरों को नाराज कर सकता है और आप खुद को अकेला पा सकते हैं।

शुभ अंकः 6 **शुभ रंगः** बैंगनी **शुभ दिनः** शुक्रवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

इस सप्ताह आपके स्वास्थ्य व क्षमता में बेहतरी होने का अनुमान है। जो लोग गंभीर रोग से जूझ रहे हैं उनके जीवन में नया उपचारक प्रवेश करने वाला है। सकारात्मक सोचें और सर्वोत्तम की कामना करें। अपने आध्यात्मिक ज्ञान को दूसरों से साझा करना महत्वपूर्ण है। करियर स्तर पर, जिम्मेदारियों को बांटना सीखें, यदि आप पर काम का भारी बोझ है। कार्यस्थल पर पहल करने व फैसले लेने में दुविधाग्रसित हो सकते हैं।

शुभ अंकः 17 **शुभ रंगः** भूरा **शुभ दिनः** शनिवार

अशोक का प्रेरणास्रोत हो सकता है: छठीं से चौथीं सदी ईसापूर्व का कमल व जानवर वाला एकेमेनिद, पर्सपोलिस

कितनी है आप में देने की चाहत ?

यदि आपके माता-पिता को वित्तीय सहायता चाहिए तो आप क्या कर सकते हैं

तमाम सर्वेक्षणों ने पाया है कि ज्यादातर माता पिता अपने वयस्क बच्चों को किसी न किसी की वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। लेकिन अक्सर, वित्तीय सहायता निरर्थक रह जाती है

टीडी अमेरिट्रेड द्वारा किए गए 2015 के सर्वे में 13 फीसदी बालिगों को मां-बाप को आर्थिक सहयोग प्रदान करते पाया। आम लोग अधिकांशतया पिछली पीढ़ियों जैसे ही थे, उन्हें अपने बुजुर्गों की सहायता करते पाया गया है। 1981 और 1996 के बीच पैदा लोगों में 19 फीसदी अपने माता पिता की सहायता कर रहे थे, जबकि उनकी तुलना में 1065 से 1980 के बीच की पीढ़ी में 13 फीसदी तथा 1946 से 1964 के बीच की पीढ़ी में यह आठ फीसदी था।

कभी कभी पैसा खुशी खुशी या कम से कम बगैर नाराजगी के दिया जाता है, उन सांस्कृतिक नियमों का पालन करते हुए या निजी लगाव के कारण जो उन्हें अपने माता पिता से हासिल होता है। अन्य मौकों पर, माता पिता को सहायता तनाव का स्रोत है- माता पिता और बालिग संतान के बीच, भाई-बहनों व मां-बाप के बीच।

प्रामाणिक वित्तीय योजनाकार ऑस्टिन ए फ्राए को बिलकुल नहीं पता था जब चार दशकों पहले उन्होंने अपनी पत्नी से विवाह किया था कि एक दिन उन्हें अपने माता पिता को सहयोग करना होगा। बुजुर्ग दंपत्ति, जो अपनी उम्र के आठवें दशक में हैं, संघीय पेंशन व सामाजिक सुरक्षा से अपना रोजमर्रा खर्चे चलाते हैं। फ्रेए के मुताबिक, फ्रेए और उनकी पत्नी अपने माता पिता की यात्रा व अप्रत्याशित खर्चे वहन करते हैं और दूरगामी देखभाल नीति के लिए सालाना 15 हजार डॉलर का भुगतान भी करते हैं।

बकौल फ्रेए, हालांकि उन्हें अपने सास ससुर की सहायता करते हुए खुशी है, मगर वह अभी भी मानते हैं कि उन्हें अपने रिटायरमेंट के लिए पैसा बचाया होता। फ्रेए कहते हैं कि उन्होंने जो बनाया बस वहीं खर्च किया। उन्होंने कोई योजना नहीं बनाई थी।

इसके विपरीत, प्रामाणिक वित्तीय योजनाकार काशिफ ए अहमद ऐसी संस्कृति से आते हैं जहां युवा लोग इन बहसों में उलझते हैं कि किसे एक बुजुर्ग रिश्तेदार की देखभाल का सम्मान प्राप्त होगा। अहमद ने कहा कि उन्हें दर्जनों रिश्तेदारों के साथ समन्वय बनाने के लिए विस्तृत सूची बनानी पड़ी जो स्वेच्छा से अपने दादा परदादा की उनकी अंतिम बीमारियों में सहायता कर सकें।

अहमद ने 2001 में अपने पिता की मौत के बाद अपनी मां को उनके साथ चलने का न्योता दिया। उनकी पत्नी, सिमोना, अर्थशास्त्री हैं जो रोमानिया में इन्हीं मूल्यों के साथ पली बढ़ीं, ने उनका साथ दिया और अहमद की मां उनकी चार बेटियों, छह साल से लेकर 16 साल के बीच, को पालने में उनकी सहायता कर रही हैं। अहमद कहते हैं कि अन्य संस्कृतियों के वित्तीय सलाहकारों ने अक्सर कर्तव्य की गहन भावना को अपनाने में समस्याएं खड़ी की हैं। वह अपने हमउम्र मुवक्किलों की आलोचना करते सुने जाते हैं जो माता पिता की मदद करने के दौरान, रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त बचत नहीं कर रहे हैं या अन्य लक्ष्यों को नजरंदाज कर रहे हैं, मुवक्किलों को यह कहते हुए कि नहीं, ले लो।

कभी कभी पैसा खुशी खुशी या कम से कम बगैर नाराजगी के दिया जाता है, उन सांस्कृतिक नियमों का पालन करते हुए या निजी लगाव के कारण जो उन्हें अपने माता पिता से हासिल होता है। अन्य मौकों पर, माता पिता को सहायता तनाव का स्रोत है- माता पिता और बालिग संतान के बीच, भाई-बहनों व मां-बाप के बीच।

अहमद कहते हैं कि मैं कहूंगा कि आप यह मत लो। उचित लक्ष्यों में संतुलन लाना ही वित्तीय योजनाबद्धता है। यदि आप मां-बाप की मदद नहीं कर रहे हैं या सोचते हैं कि भविष्य में कर सकते हैं तो निम्नोक्त प्रयास संतुलनकारी कार्य को अधिक आसान बनाने में सहायता कर सकते हैं:

अपने पार्टनर से बात करें

यदि आप विवाहित है या प्रतिबद्ध रिश्ते में हैं, तो इससे उसी पेज पर पहुंचने में सहायता मिलती है जिसमें आप सर्वाधिक इच्छुक व देने के योग्य होते हैं। विभिन्न परिदृश्यों पर मंथन, मसलन भावी खर्चे (आप कितना अधिक दे सकते हैं या किस कारण इमरजेंसी होती है?) या दूरगामी देखभाल (क्या आप अपने घर में देखभाल सेवा प्रदान कर सकते हैं या नर्सिंग केयर या घर में आकर सेवा के बदले भुगतान कर सकते हैं)। यह आप स्पष्ट नहीं हैं कि आप क्या वहन कर सकते हैं तो वित्तीय योजनाकार की सलाह सहायता कर सकती है। यदि आपका कोई पार्टनर नहीं है तो भरोसेमंद मित्र या वित्तीय योजनाकार आपको स्पष्टता हासिल करने में सहायता कर सकता है कि आप क्या और कब वहन कर सकते हैं।

अपने माता पिता से बात करें

टीडी अमेरिट्रेड सर्वे में माता पिता को सहयोग करने वाले आधे से अधिक लोगों ने इस विषय में उनके साथ चर्चा की थी। वित्तीय योजनाकार कहते हैं कि माता पिता की वित्तीय स्थिति की समझदारी आपको तैयारी करने में सहायता कर सकती है और शायद आपको अपनी आवश्यकता घटाने का अवसर भी प्रदान कर सकती है ताकि आपको मदद हो। आप बजट बनाने में उनकी सहायता कर सकते हैं, वित्तीय योजनकार के साथ उनकी बातचीत कराएं। आप उन्हें जानने का अवसर भी दे सकते हैं कि आप कहां तक की सहायता उन्हें प्रदान कर सकते हैं।

अपने भाई-बहनों को अपने साथ जोड़ें

भले ही वे आर्थिक रूप से योगदान न कर पाएं, मगर वे अन्य तरीकों -रोजमर्रा के कामकाज देखने, माता पिता को डाक्टर के पास ले जाने, देखभाल बिलों का भुगतान करना, व अन्य कागजी काम या देखरेख राहत प्रदान करना- से सहायता करने के योग्य हो सकते हैं।

अपना खयाल रखें

आपको अपने माता पिता की सहायता करने हेतु देरी से रिटायरमेंट लेना, घर खरीदना या संतान उत्पन्न करना पड़ सकता है। सर्वे के मुताबिक, अनेक लोग ऐसा करते हैं। लेकिन आपके पास धीरे धीरे अपने लक्ष्यों तक पहुंचने की एक योजना होनी चाहिए। अपने माता पिता के विपरीत, आपको खुद पर ही भरोसा करना पड़ सकता है कि आप कब बूढ़े हो गए हैं।

नया चेहरा है मास्क

प्रदूषणरोधक उत्पाद आज जीवन रक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू बन गए हैं। सावधानी पूर्वक इसका चुनाव करें। टीम वीवा की रिपोर्ट

दिल्ली एनसीआर के लोग दूषित होती वायु गुणवत्ता के आदी हो गये हैं और पिछले दस वर्षों में विभिन्न श्वांसकारी एवं हृदय रोगों से घिर गए हैं। हालांकि अपने शरीर को प्रदूषण के गंभीर प्रभावों से बचाने के तरीके हैं मसलन घरों के भीतर रहना, एयर प्योरीफायर का उपयोग करना, खुले में सीमित कार्य करना और प्रदूषण मास्क पहनना, मगर लोग इनसे मिलने वाले लाभों से बहुत कम ही परिचित हैं, खासकर मास्क से होने वाले लाभ से। वायु प्रदूषण मास्क पहनना थोड़ा बहुत भरोसा प्रदान कर सकता है लेकिन यह किस प्रकार आपको इन रोगों से बचाता है? और मास्क में व्यक्ति को किस प्रकार की गुणवत्ता देखनी चाहिए?

विशेषज्ञों के अनुसार, तीन परतों वाला सर्जिकल मास्क या एन95 मास्क आम तौर पर श्वांस रोगों वाले मरीजों को पहनने की सलाह दी जाती है। मास्क इस स्तर का होना चाहिए कि उसमें 95 फीसदी 0.3 माइक्रोन्स से बड़े वायुजनित कणों की छंटाई करने की क्षमता हो। हालांकि, नाजुक व्यक्तियों को एन 99 संस्करण वाले मास्क पहनने के बारे में सोचना चाहिए जो 99 फीसदी से अधिकवायुजनित तत्वों की छंटाई करते हों। अन्य उत्पादों में हैं नासिक फिल्टर, जो उन लोगों के लिए उपयोगी हैं जिन्हें ज्यादा खतरा है, या जिन्हें ऐसे क्षेत्रों में जाना पड़ता है जहां प्रदूषण स्तर बहुत अधिक होता है। विभिन्न कंपनियां, जो प्रदूषण मुक्त जीवनशैली सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय हैं, मास्क जैसे प्रदूषणरोधक उत्पाद निर्मित कर रही हैं जिन्हें उनकी विभिन्न खूबियों व फायदे के मुताबिक देखा-परखा जा सकता है।

प्राण एयर मास्क में एक एन95 फिल्टर है जिसमें एक पंखा है जो हवा का प्रवाह बनाए रखता है, जिससे व्यक्ति सहजतापूर्वक सांस ले पाता है। इसमें छह परतीय वायु शुद्धीकरण प्रक्रिया है जिसमें हानिकारक गैसों की रोकथाम के लिए सक्रिय कार्बन की दो परतें, 0.10 माइक्रोन्स से बड़े सभी तत्वों को रोकने वाले प्री-व्हाइट फिल्टर की एक परत, समस्त पीएम 2.5 तथा 0.3 माइक्रोन्स से बड़ी पीएम 1 को रोकने वाली हेपा की दो परतें शामिल हैं। यह शुद्धिकरण क्षमता 99.95 प्रतिशत है। इसमें एक रीचार्जेबल बैट्री होती है जो पांच से अधिक घंटे तक चलती है।

एक और उत्पाद जिसे सर्वोत्तम श्रेणियों में से एक माना गया है, वो है अटलांटा हेल्थकेयर कैम्ब्रिज एन99 एयर पोल्यूशन मास्क है। वैसे, यह उत्पाद अपने डिजाइनदार कवर के साथ फैशन से भी मेल खाता है। यह मास्क तीन विभिन्न माडलों में आता है- एक, बिना वाल्व का, दूसरा एक वाल्व का, और तीसरा दो वाल्व का। आप किसी को ले सकते हैं लेकिन दो वाल्व वाला मास्क दौड़ने व काम करने के लिए अच्छा है। यह शानदार फिटिंग के लिए एक समायोजनकारी नोजल क्लिप के साथ आता है। यह चुनाव के लिए विभिन्न डिजाइन भी प्रस्तावित करता है। इस मास्क को 250 से 300 श्वांसकारी घंटों के लिए उपयोग किया जा सकता है। इसलिए, आप महीनों इसका उपयोग कर सकते हैं। वोगमास्क मास्क एन99 एक और किस्म के डिजाइनर मास्क हैं जो 0.3 माइक्रोन्स 99 फीसदी वायुजनित तत्वों की छंटाई करता है। वोगमास्क 8-बिट सिंगल वाल्स मास्क निर्वाण बींग में उपलब्ध हैं। रेपलर 99 भी इसी किस्म का मास्क है जो एन99 कार्बन फिल्टर युक्त है जो पीएम 2.5 तत्वों को नष्ट करता है। इसमें समायोजनकारी फीते होते हैं और इसे धोया जा सकता है। यदि आप दिन में 12 घंटें तक इसका इस्तेमाल करते हैं तो यह लगभग दो महीने तक चल सकता है।

व्यायाम और खेलों की महत्ता को दिमाग में रखते हुए, निर्वाण बींग आईडी मास्क भी बनाती है, जिनका दौड़ने या किसी बाह्य खेल गतिविधि में उपयोग किया जा सकता है। ये मास्क शारीरिक रूप से सक्रिय समुदाय के लिए कुछ इस प्रकार बनाए जाते हैं कि वे थकाऊ व्यायाम करते हुए आरामदायक होते हैं।

ये मास्क हमें राहत देने के काम भी आ सकते हैं, उनका उचित उपयोग उन्हें पूर्णतया मददगार बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ना, मास्क किसी काम का नहीं है। इसे कस कर लगाने से परेशानी हो सकती है। और वास्तविक रूप सें प्रभावकारी बनाने के लिए, मास्क को उचित ढंग से लगाना व उपयोग करना चाहिए ताकि यह चेहरे पर अच्छी तरह फिट हो जाए। लेकिन वे निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भी हाल में स्कूल जाने वालों में लगभग 50 लाख प्रदूषणरोधक मास्क वितरित किए हैं।

पेज एक का शेष

लोग क्यों देते हैं दान

हालांकि जो बचता है वह हमारे कार्यों की अनुगूंज होती है। अपने ऊपर लटकती कर्म की तलवार के बगैर अच्छा काम करें लेकिन चूकि आपके पास एक दिल है जो करुणा के साथ धड़कता है। लेकिन हर कोई नहीं मानता है कि जो उसके पास है उसे बांटना अच्छा है। देने की योग्यता का अर्थ वही चीज देना नहीं होता है जो देने की प्रवृत्ति है, यह एक मूल इंसानी विशिष्टता है।

भारत एक गरीब है जहां अमीर और गरीब के बीच की खाई बहुत गहरी है। हम तीसरी दुनिया की समस्याओं से ग्रसित एक विकासशील राष्ट्र हैं, लेकिन लालच और बेपरवाही तथाकथित विकसित देशों को जितना अधिक संचालित करती है , उतना अन्य कहीं भी नहीं।

शोधकर्ताओं ने भारत में प्रबल मान्यता उभरती पाई है कि समाज में सामाजिक विकास से निपटने का काम या तो स्थानीय समुदायों व परिवारों का है या फिर यह काम सरकार के करने का है। मानवता से प्रेम के कारण परोपकारवश दान करने को मानवजाति के सबसे पवित्र भावनाओं में से एक माना जाता है। यह बोध हमारे मोलिक्यूलर संरचना में अंतरगुंर्थित नहीं है। यह सामाजिक रूप से अर्जित लक्षण, जो इंसानों में, धरती पर अन्य जानवरों से बिलकुल भिन्न, संज्ञानात्मक होने का परिणाम है।

दान, परोपकार व सामाजिक निवेश के बीच एक अंतर होता है जो भारत के लिए महत्वपूर्ण है। दान स्वेच्छा से जरूरतमंदों को धन प्रदान करना है, जहां मंतव्य करुणा है तथा यह इच्छा है कि जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी पीड़ा से आराम पाना है। परोपकार समाज के रूपांतरण के लिए है, जहां परोपकारी व्यक्ति द्वारा समाज की बुराइयों की पहचान करने, उनसे निपटने व उनका उपचार करने की दूरगामी योजना बनाई जाती है। परोपकार का सामाजिक उद्देश्य दान से बढ़कर होता है, जो अधिक त्वरित उन्नति करने वाला होता है। भारतीय परोपकार व दान, हालांकि पश्चिमी देशों की तुलना में समानुपातिक जीडीपी हिस्सेदारी के मुकाबले कम है, मगर हमारे कई पड़ोसियों से बेहतर है। हालांकि दान का मिश्रण, और इसके कारण जिनके लिए इसे दिया जाता है, अंतर पैदा करते हैं, जैसा कि हम अमरीका और ब्रिटेन के बीच दिए जा रहे भारी अंतरों में भी देखते हैं।

दान करने वाले व्यक्ति के दान के माध्यम तथा परोपकार के तरीक चाहे जो भी हों, मगर व्यक्ति के दान में देने की इच्छा होना महत्वपूर्ण दिखता है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि कौन देना चाहेगा, वर्ना हम उचित करने के बजाय, अच्छा करने के इर्दगिर्द दौड़ते रहेंगे। सिर्फ इसलिए कि यह महसूस होता है कि यह एक अच्छा विचार है, यह किसी व्यक्ति को दानी नहीं बना देता है।

दान, परोपकार व सामाजिक निवेश के बीच एक अंतर होता है। दान स्वेच्छा से जरूरतमंदों को धन प्रदान करना है, जहां मंतव्य करुणा है ताकि यथासंभव शीघ्र व्यक्ति को राहत मिल सके। परोपकार समाज के रूपांतरण के लिए है, जहां परोपकारी व्यक्ति द्वारा समाज की बुराइयों की पहचान करने, उनसे निपटने व उनका उपचार करने की दूरगामी योजना बनाई जाती है। परोपकार का सामाजिक उद्देश्य दान से बढ़कर होता है, जो अधिक त्वरित उन्नति करने वाला होता है।

प्रत्येक व्यक्ति को, जो सहायता करना चाहता है, सहायता पाने वाले लोगों के साथ अपने संबंधों (और विशिष्ट लोगों को जो उन दायरों में आते हैं)के विभिन्न दायरों की पहचान करनी चाहिए।

दान करना अधिक आसान हो जाता है यदि आपके पास जानकारी होती है कि आप जिस संस्था को दान करने जा रहे हैं उसके द्वारा पैसे का कैसे और क्या उपयोग किया जाएगा। सचेत दान के महत्व पर अत्यधिक जोर नहीं दिया जा सकता। दानकर्ता क्यों दान कर सकता है इसके दो कारण होते हैं। पहला, दान से दानकर्ता की अपनी इच्छाएं व कामनाएं पूर्ण हो सकती हैं। दूसरा, कल्याणकारी संस्थाओं के अपने लक्ष्य हो सकते हैं कि वे मदद करती हैं और इन लक्ष्यों के लिए दानकर्ताओं से सक्रिय धन उगाही करती हैं। आम तौर पर, यह देखा जाता है कि वे दानकर्ता जो नियमित रूप से दान करते हैं, पूर्व ज्ञान से अत्यंत प्रभावित होते हैं या दान से जुड़े होते हैं और उनमें आकस्मिक पैरवी या सिफारिश पर प्रतिक्रिया करने की संभावना नहीं होती है। एक दानयोग्य संस्था से पूर्व ज्ञान तथा उसके कार्य के अच्छे संप्रेषण व प्रभाव अत्यंत अपेक्षित होते हैं।

और अंत में, जनसेवियों के लिए पूछा जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है कि प्रभाव से इसका आशय है और यह क्यों महत्व रखता है। विभिन्न लोगों के अनुसार इस प्रश्न का उत्तर देना कठिन है क्योंकि उन सभी की प्रभावित होने की विभिन्न परिभाषाएं होंगी। अंतर कैसे डालना है यह आपके व्यक्तिगत दर्शन का मामला है। कुछ लोगों के लिए, यह माध्यम लोगों की संख्या हो सकता है जिनका जीवन आप सुधारते हैं और अपने दान के जरिए आप कितना अधिक सुधार कर पाते हैं। ''जीवन सुधारना'' ''क्षमता वृद्धि'' के अर्थों में सोचा जा सकता है, हर व्यक्ति को समान रूप में मूल्यवान समझना। अन्य दानी विशिष्ट रूप से इंगित परिणाम तथा उन्हें सुनिश्चित करने के तरीके चाह सकते हैं, जिनसे कि वे नतीजे हासिल किए गए हैं।

हालांकि, प्रेरणाएं भिन्न होंगी। जैसा कि हमने जाना है कि जनसेवी या परोपकारी आचरण हमारे जीवन में अनुवांशिक तौर पर नहीं होता है। इसे सीखना पड़ता है। संयोगवश, हमने भाषा के जरिए शारीरिक कमजोरियां व क्षमताएं हासिल की हैं और संज्ञानात्मक क्रांति ने हमें सामाजिक संरचनाओं तथा एक साथ काम करने में सक्षम बनाया है। परोपकारिता भले हमारे जींस में न हो, मगर यह हमारा वो अति महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें इंसान बनाता है।

- लेखक अपनी बेटी सुहासिनी वीरा के साथ वाई पीपुल गिव: इंटरप्रेटिंग अल्ट्रूइज्म नामक पुस्तक की सह----लेखिका हैं।

क़ला के लिए हमेशा कला की अवधारणा पर यकीन करते हुए मैंने महसूस किया है कि एक इंडस्ट्री को फलने-फूलने और विकास के लिए यह आवश्यक है कि फिल्में वाकई में अच्छा प्रदर्शन करें
- आयुष्मान खुराना

'दक्षिण भारतीयों को प्रिय हैं सार्थकता सिद्ध करने वाली फिल्में'

अभिनेत्री प्राची तेहलन ने टीम पायनियर के साथ एक बातचीत में बताया कि किस प्रकार टेलिविजन पर उनके अनुभव ने उन्हें केरल में बनने वाली फिल्म 'ममंगलम' में सबसे ताकतवर महिला का चरित्र निभाने मे मदद की। टीम पायनियर की एक रिपोर्ट-

यदि आपको किसी बायोपिक में काम करने का अवसर मिले तो आप किसकी बायोपिक में काम करना पसंद करेंगी? प्रश्न के उत्तर में वैसे तो सभी यही कहेंगे कि वे लोगों के आदर्श पुरुष या महिलाओं के चरित्र को ही निभाना चाहेंगे। लेकिन खिलाड़ी से अभिनेत्री बनी प्राची तेहलन ने केरल की ही एक आवधिक फिल्म ममंगलम से अपने अभिनय जीवन में पदार्पण किया है। इसमें उनके साथ लीड रोल निभा रहे हैं दक्षिण भारत के सुपरस्टार ममूटी। लेकिन इस प्रश्न के उत्तर में वो कहती हैं कि उन्हें अपनी ही बायोपिक में काम करने में आनंद आएगा क्योंकि उनके अनुसार यदि उनका जीवन प्रेरक न भी हो तो ये चुनौतीपूर्ण अवश्य रहा है।

प्राची ने बताया, 'मैंने मुक्केबाजी पर फिल्में बनाई हैं। यदि मुझे अवसर मिला तो मैं अपने जीवन की कहानी को ही रुपहले परदे पर प्रस्तुत करना चाहूंगी क्योंकि खेलों में मेरी जीवन यात्रा कई अर्थों में काफी चुनौतीपूर्ण और साहसिक रही है। यदि मुझे कोई अच्छा निर्देशक और लेखक मिल जाए तो मैं अवश्य उसे अपने जीवन के अनुभवों के बारे में बताने को तत्पर हूं जिससे एक अच्छी और रोचक कहानी तैयार की जा सकती है। इस कहानी को किसी एक पर आधारित करना भी जरूरी नहीं होगा। ये खिलाड़ियों के बारे में हो सकती है या फिर महिला बास्केटबॉल टीम पर आधारित की जा सकती है। ऐसी फिल्म का एक सर्वश्रेष्ठ उदाहरण चक दे इंडिया नामक फिल्म कही जा सकती है।' प्राची राष्ट्रीय स्तर की नेटबॉल और बास्केटबॉल खिलाड़ी रह चुकी हैं और उन्होंने अपनी टीम के साथ 2010 में संपन्न कॉमनवेल्थ गेम्स में प्रतिनिधित्व किया था।

उनके अनुसार फिल्मों में काम करने को वो केवल प्रारब्ध मान सकती हैं क्योंकि ऐसा उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था। वो बताती हैं, 'मुझे अचानक ही एक दिन टीवी सीरीज़ में एक रोल निभाने के लिए फोन आया तो मुझे उसका चरित्र अच्छा लगा और मैंने इसके लिए हां कह दी। ये एक प्रकार से ऐसा अवसर था जो स्वयं चलकर मेरे द्वार तक आया था। मैं किसी भी प्रकार से टीवी या सिनेमा के निकट नहीं थी। मैंने भी इसे एक अवसर के रूप में लिया और इस प्रकार मैं अभिनेत्री बन गई। लेकिन हां, ये जितना आसान लगता है उतना नहीं है क्योंकि दोनों ही क्षेत्र एक दूसरे से एकदम भिन्न हैं।' ज्ञातव्य हो कि 'दिया और बाती हम' सीरीज़ के साथ ही उनके अभिनय जीवन का प्रारंभ हुआ था।

प्राची के अनुसार फिल्मों तक पहुंचने की प्रक्रिया उनके लिए काफी सहज रही है क्योंकि इससे पहले भी वो एक टीवी सीरीज़ में काम कर चुकी हैं और उस अनुभव ने फिल्मों में उन्हें काफी मदद की। प्राची बताती हैं, 'जब मैंने अभिनय प्रारंभ किया तो इस दिशा में मेरा पहला कदम टीवी कार्यक्रम के रूप में भी उठा था क्योंकि मैं इससे पहले एक धारावाहिक में काम कर चुकी हूं। उसके लिए मैं गहन प्रशिक्षण से गुजर रही थी। हर दिन मुझे कैमरों के सामने आना ही पड़ता था। इस प्रक्रिया से मुझे काफी मदद मिली और सिनेमा में फिल्म ममंगलम में मुझे लीड रोल मिल ही गया।

इस फिल्म की पृष्ठभूमि में केरल के एक पारंपरिक नगर वल्लूवनाड को दिखाया गया है। फिल्म चार भाषाओं में होगी जिसमें हिंदी को भी शामिल किया गया है। ये एक पीरियड ड्रामा है जो चावेर थलावन, जिसे ममूटी ने निभाया है, तथा उन्नीमाया, प्राची द्वारा अभिनीत चरित्र, की कहानी पर आधारित है। वो बताती हैं, 'ये उस दौर की कहानी है जब केरल में 400 साल पहले ममंगलम महोत्सव आयोजित हुआ करते थे। इसमें उस समय के अनाम नायकों की कहानी है। मैं इसमें देवदासी बनी हूं जो मनोरंजन करने के साथ ही युद्ध भी लड़ती है।' ऐसे देखें तो उन्नीमाला केरल की सशक्त महिला का चरित्र होने के साथ ही प्राची की व्यक्तिगत जीवन यात्रा से भी मेल खाता है जो एक बास्केटबॉल खिलाड़ी से लेकर अभिनेत्री होने तक के चरित्र निभाती आई हैं।

चूंकि इस फिल्म में तत्कालीन मार्शल आर्ट कलारीपेयत्तू को भी दिखाया गया है अत: प्राची ने बताया कि इसके लिए उन्हें एक गहन प्रशिक्षण और शोध कार्यक्रम का भी हिस्सा बनना पड़ा था। प्राची आगे बताती हैं, 'मुझे संदर्भ के लिए केरला वर्णा पज्ज़ासी राजा उरुमी जैसी फिल्में देखनी पड़ीं जो उसी काल की कहानी पर आधारित थीं। ये आसान नहीं था लेकिन मैंने बहाव के साथ बहना ही उचित समझा और जो भी मुझे कहा गया मैंने पूरे मन से किया।

उस समय की संवेदनाओं को उन्होंने किस प्रकार से आत्मसात किया? के प्रश्न पर उनका उत्तर था, 'मैंने निर्देशक से ढेर सारे सवाल किये। और उन्होंने बताया कि ये उनके द्वारा अब तक किये गए किसी भी रोल से अधिक जटिल है। और वैसा मैंने पहले कभी नहीं किया होगा। लेकिन मेरे लिए ये कठिन नहीं था क्योंकि मैं पहले ही टीवी पर अभिनय कर चुकी हूं। जब आप टीवी पर एक चरित्र को बार बार करते हैं और उसकी संवेदनाओं के साथ जीना सीख जाते हैं तो आप आवश्यक्तानुसार ढलना भी सीख जाते हैं। मुझे तो बस एक अधिक गंभीर भूमिका के लिए थोड़ा परिवर्तित होते हुए उसे ठीक से समझना था।'

अब तक दो पंजाबी और एक मलयालम फिल्म में काम कर चुकी प्राची अब बॉलिवुड फिल्म में भी रोल निभाने की योजना बना रही हैं। लेकिन प्राची का मानना है कि सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील दर्शकों की उपलब्धता के कारण मलयालम सिनेमा में काफी संभावनाएं हैं। वो बताती हैं, 'मलयालम फिल्में देश में बनने वाली फिल्मों में सर्वाधिक विवेकपूर्ण होती हैं। वहां के दर्शक बुद्धिमान, समस्याओं के प्रति संवेदनशील और अनावश्यक कॉमर्शियल मसाला जरूरी नहीं मानते। उन्हें ऐसी फिल्में ही पसंद होती हैं जो किसी न किसी रूप में अपनी सार्थकता सिद्ध करती हों।'

दक्षिण भारत में बनने वाली कुछ ही फिल्में देश-दुनिया की सामान्य जनता ने अब तक पसंद की हैं। इनमें से हाल ही में बनी बाहुबली सर्वाधिक लोकप्रिय साबित हुई थी। लेकिन प्राची इसे एक त्रुटिपूर्ण तुलना मानती हैं उनके अनुसार, 'बाहुबली एक काल्पनिक कहानी है जबकि ममंगलम वास्तविक घटनाओं पर आधारित फिल्म है। इन दोनों में व्यापक अंतर हैं। बाहुबली एक वाणिज्यिक फिल्म थी जो काफी उच्चध्वनि पर बनाई गई थी। इसे सभी के मनोरंजन की दृष्टि से व्यापक रूप से प्रचारित किया गया था। जबकि ममंगलम में कहानी वास्तविक तत्वों पर आधारित है। इसके सेट भी वास्तविक हैं और यहां तक कि अभिनय भी वास्तविक धरातल पर रखा गया है। इसकी कहानी रुचिपूर्ण है और दर्शकों से भावनात्मक स्तर पर जुड़ी दिखाई देती है।

100 करोड़ के क्लब में पहुंची बाला

मुंबई। निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म बाला बॉक्स आफिस पर धमाल मचा 100 करोड़ की कमाई करने वाली फिल्मों की फेहरिस्त में शामिल हो गई है। फिल्म के निर्माताओं ने शनिवार को यह घोषणा की।

आयुष्मान खुराना, भूमि पेडनेकर और यामी गौतम की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म ने प्रदर्शन के तीसरे सप्ताह में ही 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया। फिल्म सात नवंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया गया। मैडॉक फिल्म्स ने इस संबंध में ट्वीट कर जानकारी दी। फिल्म के पोस्टर और 100.15 करोड़ के कैप्शन के साथ जारी ट्वीट में कहा कि यह अनुभव शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आपने जो प्यार बाला को दिया उसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

आयुष्मान खुराना की इस फिल्म की कहानी गिरते बालों की समस्या से जूझ रहे एक युवक के इर्द-गिर्द घूमती है।

अहा! मेरी एक और फिल्म ने 100 करोड़ कमा लिए : भूमि पेडनेकर

बाला को दर्शकों से मिले प्यार से रोमांचित अभिनेत्री भूमि पेडनेकर काफी खुश हैं। उनकी यह फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। भूमि ने कहा, यह काफी महत्वपूर्ण फिल्म है, जिसमें काफी महत्वपूर्ण चीजें बताई गई हैं, जिसे सभी को सुनना और उस पर विचार करना चाहिए। मैं बहुत आभारी हूं कि दर्शक इसे इतना प्यार दे रहे हैं। मेरी एक और फिल्म का 100 करोड़ के क्लब में शामिल होना, मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, लेकिन उससे भी अच्छी बात यह है कि सामाजिक मुद्दों से जुड़ी फिल्म जैसे टॉयलेट - एक प्रेमकथा और बाला एक मैसेज के साथ बहुत सारे लोगों तक पहुंची।

काम के लिए कभी पति पर निर्भर नहीं रही : दिव्या खोसला कुमार

मुंबई। टी-सीरीज म्यूजिक लेबल के प्रमुख और फिल्म निर्माता भूषण कुमार की पत्नी व अभिनेत्री-फिल्मनिर्माता दिव्या खोसला कुमार ने कहा है कि फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के लिए वह कभी अपने पति पर निर्भर नहीं रही हैं। दिव्या ने कहा, मैं काम के लिए अपने पति पर कभी निर्भर नहीं रही। जब मैंने यारियां बनाई, तो उन्होंने (भूषण कुमार) स्क्रिप्ट तक नहीं सुनी थी। जब फिल्म सफल हुई, तो उनमें आत्मविश्वास जगा कि मैं एक फिल्म निर्देशित कर सकती हूं। काम के मामले में वह बेहद सहयोगी रहे हैं, लेकिन हम कभी एक-दूसरे के काम में दखलअंदाजी नहीं करते हैं और मेरा ऐसा मानना है कि पार्टनर्स को इस तरह का स्पेस दिया जाना चाहिए।

दिव्या का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बेहद मुश्किल होता है।

उनकी हालिया रिलीज गीत याद पिया की आने लगी के सफल होने की खुशी में रखी गई पार्टी में दिव्या ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सनम रे (उनकी अब तक की आखिरी निर्देशित फिल्म) की रिलीज के बाद से तीन साल बीत चुके हैं और तब से मैं यही सोचती रही हूं कि अपने करियर में क्या करूं। इस बीच में मैं अपने डांस और अपनी फिटनेस पर काम कर रही थी। इस गाने में दिव्या खोसला कुमार हैं जिसे भूषण कुमार द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। इस रोमांटिक गाने को तनिष्क बागची ने रीक्रिएट किया है और नेहा कक्कड़ ने इसे गाया है। दिव्या अगले साल %सत्यमेव जयते 2% के साथ एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी वापसी करने जा रही हैं, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी।

अमिताभ और इमरान की फिल्म चेहरे से क्रिस्टल डिसूजा की बॉलीवुड में एंट्री

क्रिस्टल डिसूजा ने खुद अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। क्रिस्टल ने चेहरे के क्लैप के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा- नई शुरूआत। फिर से पहली, ड्रीम टीम के साथ अपनी पहली फिल्म की शूटिंग कर रही हूं।

टेलीविजन की मशहूर अदाकारा क्रिस्टल डिसूजा अब जल्द ही बड़े पर्दे पर दिखाई देने वाली हैं। क्रिस्टल डिसूजा की बॉलीवुड में एंट्री मेगास्टार अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म चेहरे से होगी। इस फिल्म में पहले कृति खरबंदा को कास्ट किया गया था लेकिन मेकर्स का मानना था कि कृति खरबंदा शूटिंग के दौरान काफी नखरे दिखाती है जिसकी वजह से फिल्म से उन्हें निकाल दिया गया था। दूसरी तरफ ऐसा कहा जा रहा था कि फिल्म में एक इंटीमेट सीन था। जिसमें उन्हें एक एक्टर के साथ लिपलॉक करना था। कृति इस सीन से सहज नहीं थी। खबरें थी कि कृति खरबंदा के बाद फिल्म के लिए अंकिता लोखंडे तो अप्रोच किया गया है लेकिन ताजा खबरों की मानें तो फिल्म के लिए क्रिस्टल डिसूजा को सेलेक्ट कर लिया गया है।

क्रिस्टल डिसूजा ने खुद अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। क्रिस्टल ने चेहरे के क्लैप के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा- नई शुरूआत। फिर से पहली, ड्रीम टीम के साथ अपनी पहली फिल्म की शूटिंग कर रही हूं। चेहरे अप्रैल 2020 में रिलीज होगी। इंतजार नहीं हो रहा आप सभी ये कब देखेंगे। आपके प्यार और शुभकामनाओं की जरुरत है। क्रिस्टल ने अपने अभिनय का सफर 2007 में कहे ना कहे नामक धारावाहिक से शुरू किया था। इसके बाद किस देश में है मेरा दिल, कस्तुरी, क्या दिल में है और बात हमारी पक्की है में भी काम किया। 2011 में एक हजारों में मेरी बहना है में अभिनय के कारण यह काफी जाने जानी लगीं। इसमें यह जीविका का एक मुख्य किरदार निभा रहीं थीं। आपको बता दें कि अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी की फिल्म चेहरे अप्रैल 2020 में रिलीज होगी।

इफ्फी प्रकाश झा साक्षात्कार

कलाकार होना नहीं बल्कि पहचान मिलना मुश्किल है : प्रकाश झा

पणजी। देश में बड़े-बड़े सितारों के साथ कई सफल फिल्में देने और समीक्षकों द्वारा सराहे जाने के बावजूद निर्देशक प्रकाश झा का कहना है कि अपनी फिल्मों को थिएटर तक लाने में उन्हें लगातार संघर्ष करना पड़ा।

कई राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके निर्देशक ने दामुल , मृत्युदंड , गंगाजल , अपहरण , राजनीति जैसी कई सफल फिल्में दी हैं। हालांकि उनका मानना है कि कला से हटकर पैसा कमाने की चाह रखने वालों के लिए यह एक मुश्किल प्रक्रिया है।

मेरे लिए अपनी फिल्मों को सिनेमाघर तक पहुंचाना कभी आसान नहीं रहा। संघर्ष लगातार बना रहा। कई फिल्में रिलीज होने और सफल होने के बावजूद यह संघर्ष कभी आसान नहीं रहा।

उन्होंने कहा, मेरे लिए अपनी फिल्मों को सिनेमाघर तक पहुंचाना कभी आसान नहीं रहा। संघर्ष लगातार बना रहा। कई फिल्में रिलीज होने और सफल होने के बावजूद यह संघर्ष कभी आसान नहीं रहा।

अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) से अलग हर साल आयोजित होने वाले एनएफडीसी फिल्म बाजार में झा ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, किसी को यह कभी नहीं सोचना चाहिए कि वह ब्रांड बन गया है और जो चाहे वह रिलीज कर सकता है। कभी-कभी किसी फिल्म को रिलीज करने में आपको पूरा जीवन झोंकना पड़ता है।

उन्होंने कहा, कलाकार होना उतना मुश्किल नहीं है जितना कि पहचान मिलना मुश्किल है। मेरा मानना है कि प्रत्एक व्यक्ति एक कलाकार होता है, मैं तो उनमें से महज एक हूं जिन्होंने इसे कॅरियर के तौर पर चुना और यह एक मुश्किल प्रक्रिया है।